सुविचार

गलत तरीके अपनाकर सफल होने से यही बेहतर है सही तरीके के साथ काम करके असफल होना।

Daily THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

Published from Ranchi

श्रिया पिलगांवकर आगामी फिल्म ड्राई... 12

Ranchi ● Sunday, 17 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 326 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com | E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	71,483.75
निफ्टी	:	21,456.65

SARAFA

सोना	:	5,935
चांदी	:	80.50

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

एनआईए ने 102 किलो हेरोइन तस्करी मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

NEW DELHI : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पिछले साल अप्रैल में अफगानिस्तान से होते हुए भारत-पाक सीमा पर तस्करी के लिए लाई गई करीब 700 करोड़ रुपये मूल्य की 102 किलो हेरोइन पकड़े जाने के मामले में भगोड़े मुख्य आरोपित अमृतपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। एनआईए के मुताबिक आरोपित पंजाब के तरनतारन का रहने वाला है और एजेंसी ने उसे शुक्रवार को हिरासत में लिया था। जांच में पता चला है कि वह कैश को हैंडल करता था और बैंकिंग तथा हवाला चैनल के माध्यम से इससे ड्रग मंगाता था। उल्लेखनीय है कि अटारी बॉर्डर से करीब 102 किलो हेरोइन दो किस्तों में 24 और 26 अप्रैल को बरामद की गई थी। जांच एजेंसी ने अमृतपाल को अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दुबई भागते समय गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया गया था। मामले में पहले ही दो लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

शराब घोटाला मामले में ईडी ने दाखिल की चार्जशीट

RANCHI : ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में झारखंड शराब घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को चार्जशीट दाखिल कर दी है। ईडी के दाखिल चार्जशीट में योगेन्द्र तिवारी के अलावा शराब का टेंडर मैनेज कर अवैध कमाई करने वाले लोगों की जानकारी दी गई है। साथ ही किस-किस को कितना हिस्सा मिलता था और किसकी क्या भूमिका थी यह भी जानकारी दी गई है। इसके अलावा शराब के कारोबार करने वाली 10 कंपनियों का भी नाम का भी उल्लेख किया गया है। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक बीएमपी सिंह ने यह जानकारी दी।

तालाब में डूबने से एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत

GODDA : जिले के ठाकुर गंगटी थाना क्षेत्र के माल मंडरो गांव में एक परिवार के तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। बताया जाता है कि शनिवार को स्थानीय बभनी तालाब में डूबने से माल मंडरो गांव के अमीर अंसारी के दो पुत्र और एक पुत्री की मौत हो गई। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि तालाब के पाटाल पर खेलने के क्रम में ये घटना हुई।

सीएम ने चाईबासा की कुरसी पंचायत शिविर में किया लाभुकों से संवाद

उच्च शिक्षा में आर्थिक मदद के लिए नहीं छोड़ेंगे बैंक के भरोसे : मुख्यमंत्री

PHOTON NEWS CHAIBASA : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ परिवार की सभी बेटियों को देने के लिए मंत्रिपरिषद की स्वीकृति मिल गई है। अब सभी बेटियों को योजना का लाभ मिलना तय हुआ है। हमने सभी बाध्यता को समाप्त कर दिया। अब बेटियां पढ़ाई नहीं छोड़ेंगी। उन्हें उच्च शिक्षा के लिए भी सरकार मदद करेगी। गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के जरिए छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। सरकार उन्हें 15 लाख रुपये तक का आर्थिक सहयोग देगी। राज्य सरकार अब बच्चों को उच्च शिक्षा में आर्थिक सहयोग के लिए बैंक के सहारे नहीं छोड़ेगी।

कार्यक्रम में उपस्थित हेमंत सोरेन व अन्य। ● फोटोन न्यूज

मुख्यमंत्री शनिवार को पश्चिमी सिंहभूम जिला के मंझारी प्रखंड स्थित रोलाडीह पंचायत के हाई स्कूल मैदान, मंझारी में आयोजित जिला स्तरीय ₹आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार₹ कार्यक्रम में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके नेतृत्व में जब तक सरकार चलेगी सरकारी अधिकारी, पदाधिकारी एवं कर्मी आपके द्वार पहुंचकर दरवाजा खटखटाते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लोग गांव-गांव जाना चाहते हैं। पूर्व में राज्य सरकार की योजना और आवाज गांवों तक नही पहुंचती थी लेकिन अब गांव-गांव सरकार की योजना भी पहुंच रही है और आवाज भी। हमारी सरकार गांव से चलेगी। अब गांव-गांव, पंचायत-पंचायत शिविर का आयोजन कर किसानों, नौजवानों, छात्र-छात्राओं समेत अन्य जरूरतमंदों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। यदि वास्तव में आप सभी राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लेंगे तो राज्य समृद्धि की ओर अग्रसर होगी। राज्य सरकार ने यहां के किसानों, श्रमिकों, नौजवानों, बुजुर्ग समेत सभी वर्ग के लिए योजनाएं बनाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव का कनेक्शन शहर से सुगमता से हो, इसके लिए 15 हजार किलोमीटर ग्रामीण सड़क निर्माण का निर्णय लिया गया है। साथ ही ग्रामीणों का शहर तक व्यवस्थित और निःशुल्क आवागमन हेतु हमारी सरकार मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना शुरू कर रही है। यह परिवहन सेवा आंदोलनकारियों, महिलाओं, छात्र-छात्राओं एवं दिव्यांजनों को निःशुल्क प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुमारडूबी के डिग्री कॉलेज में क्षेत्रीय भाषा के शिक्षक की बहाली के लिए सरकार निर्णय लेगी। मानकी मुंडा द्वारा मानदेय बढ़ाने की मांग की गई है। इस मामले पर भी सरकार की नजर है।

कुछ वर्ष बाद झारखंड बनेगा युवा राज्य : सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड कुछ वर्ष बाद युवा राज्य बन जायेगा। अबतक इस राज्य को मजबूत हो जाना चाहिए था। राज्यवासियों के लिए पूर्व में बेहतर ढंग से कार्य किया गया होता तो आज यह राज्य समृद्ध राज्य के रूप में जाना जाता। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने झारखंड के गांवों को मजबूत करने के उद्देश्य से ग्रामीणों जरूरतों के अनुरूप योजनाएं बनाई है। मेरा मानना है कि जब गांव मजबूत होगा, तब राज्य सशक्त होगा। अब गांव से चलेगी राज्य सरकार। राज्य की गरीबी दूर करने का हर संभव प्रयास हमारी सरकार कर रही है।

तीन कमरों सहित रसोई घर का होगा निर्माण

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार से गरीबों के लिए आवास की स्वीकृति नहीं मिलने के बाद राज्य सरकार ने राज्य संपोषित अबुआ आवास योजना शुरू की है। यह आवास केंद्र सरकार द्वारा दी जा रही दो कमरों के आवास से बड़ा होगा। राज्य सरकार द्वारा तीन कमरा सहित रसोई घर का निर्माण जरूरतमंदों के लिए किया जाएगा। सरकार आठ लाख आवास का निर्माण करेगी। आवश्यकता हुई तो सरकार आठ लाख से अधिक आवास का निर्माण भी करेगी।

मनी लांड्रिंग के आरोपी योगेंद्र तिवारी की जमानत याचिका खारिज

RANCHI : ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट ने झारखंड शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार आरोपित शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी की जमानत याचिका खारिज कर दी है। इससे पूर्व दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। शनिवार को कोर्ट ने योगेन्द्र तिवारी की जमानत याचिका खारिज कर दी। योगेन्द्र तिवारी की ओर से हाई कोर्ट के अधिवक्ता सुमित गड़ोदिया और रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता विक्रांत सिन्हा ने बहस की। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व ईडी ने योगेंद्र तिवारी को रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद कोर्ट में पेश किया था, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया था। अदालत से मंजूरी मिलने के बाद ईडी ने छह दिन और आठ दिन कुल 14 दिनों तक रिमांड पर लेकर योगेन्द्र तिवारी से पूछताछ की थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड में हुए शराब घोटाले में मनी लॉड्रिंग के आरोप में शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी को 19 अक्टूबर को देर शाम गिरफ्तार किया था। तिवारी उस वक्त से बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद है।

50 करोड़ की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का खुलासा, सीआईडी ने पांच को दबोचा

PHOTON NEWS RANCHI : 50 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का खुलासा हुआ है। सीआईडी ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार हुए आरोपियों में कमल कुमार सिंह, जमीर मियां, बिट्टू कुमार, मेहुल कुमार, राहुल कुमार शामिल हैं। आरोपी खुद को एसबीआई हेड ऑफिस का अधिकारी बताया करते थे और लाभुकों को झांसे में लेकर ठगी किया करते थे। ये लोगों से उनसे सारे दस्तावेज लेते और कई कागज पर उनका हस्ताक्षर ले लेते थे। इसके बाद बैंक में आरोपी उनके नाम से

गिरफ्तार आरोपी। ● फोटोन न्यूज

लोन एप्लाई करते। फिर सेटिंग से लोन पास भी करा लेते और राशि अपने खाते में ट्रांसफर कराते थे। पूछताछ में आरोपियों ने अपने गिरोह के अन्य सदस्यों की भी जानकारी दी। रामगढ़, पतरातू और इसके आसपास इलाके के पांच सौ से ज्यादा लोगों को ठगी का शिकार बना चुके हैं।

आरोपियों ने लाभुकों से करीब पचास करोड़ रुपये की ठगी की है: शनिवार को सीआईडी आईजी असीम मिंज ने बताया कि आरोपी लोन दिलाने के नाम पर लोगों से दस्तावेज ले लिया करते थे। उसके बाद एसबीआई बैंक से सभी के नाम पर लोन लेते और फिर उसे अपने खाते में ट्रांसफर करा लिया करते थे। इसकी भनक लाभुकों को भी नहीं होती थी। जब बैंक का नोटिस उनके घर पहुंचता तब उन्हें इसकी जानकारी होती थी। आरोपियों के पतरातू स्थित कार्यालय से लोन के दस्तावेज, मोबाइल, लैपटॉप, डेस्कटॉप के अलावा बैंक से संबंधित कई कागजात बरामद किये गये हैं। आरोपियों ने लाभुकों से करीब पचास करोड़ रुपये की ठगी की है।

गिरिडीह पुलिस ने एक साथ 13 साइबर ठगों को किया गिरफ्तार

PHOTON NEWS GIRIDIH : गिरिडीह पुलिस ने शनिवार को एक बार फिर एक साथ 13 साइबर ठगों को दबोचा है। पुलिस ने इनके पास से एक ब्रेजा कार, 43 सिम कार्ड, एक पासबुक, एक लाख नकदी, दो बाइक, दो पैनकार्ड, 28 मोबाइल और पांच एटीएम कार्ड जब्त किये हैं। जब्त सिम कार्ड में पांच फर्जी हैं।

एसपी दीपक कुमार शर्मा और साइबर डीएसपी संदीप सुमन ने पत्रकार वार्ता कर शनिवार को बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में अहिल्यापुर थाना इलाके के जमजोरी गांव निवासी सफरुदीन है, जो अपने गिरोह के साथियों को सिम उपलब्ध कराता था। अन्य अपराधियों में जामताड़ा के नारायणपुर थाना इलाके के लटिया गांव निवासी विकास मंडल के इसी नाम का एक और अपराधी के साथ अहिल्यापुर थाना इलाके के देवपुर निवासी सुनील रवानी, मुकेश वर्मा, गांडेय के चंपापुर गांव निवासी इरफान अंसारी, दानिश अंसारी, तनवीर अंसारी, देवघर के मागोमुंडा थाना के बंसिमी गांव निवासी सोएब अख्तर, चम्पापर निवासी सैयद अंसारी उर्फ अली हसन, अहमद अंसारी, अबुल हसन और गांडेय के आशनबेनी गांव निवासी मनोज मंडल शामिल हैं।

एसपी ने बताया की गिरफ्तार सारे अपराधी इतने शातिर हैं जो गूगल पर कोरियर सर्विस का ऐड बनाकर लोगो को झांसे में लेते और बैंक खाते में सेंधमारी करते। एसपी ने कहा कि अब गिरिडीह पुलिस इन्हें सिर्फ जेल भेजने तक सीमित नहीं रहकर इनके अवैध कमाई और संपत्ति को खंगालने और जब्त करने के लिए आयकर विभाग को लिखेगी।

संसद की सुरक्षा चूक मामले में छठा आरोपी महेश गिरफ्तार

AGENCY NEW DELHI : संसद की सुरक्षा में 13 दिसंबर को सेंध लगाने के मामले में छठे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसकी पहचान महेश कुमावत के रूप में हुई है। बताया जा रहा, साजिश में महेश पूरी तरह से शामिल था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने महेश को दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। दिल्ली पुलिस ने आरोपी से पूछताछ के लिए 15 दिनों की हिरासत की मांग की। लेकिन कोर्ट ने आरोपी को 7 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

दो साल से दूसरे आरोपियों से जुड़ा था, साजिश की योजना में था शामिल

संसद की सुरक्षा चूक मामले में गिरफ्तार छठे आरोपी को लेकर पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, महेश पिछले 2 साल से दूसरे आरोपियों से जुड़ा हुआ था। वह साजिश का हिस्सा था। वह लगभग सभी बैठकों में भाग लिया था। वह मुख्य आरोपी ललित झा के साथ मोबाइल फोन और साक्ष्य नष्ट करने के कृत्य में सक्रिय रूप से शामिल है।

मनी लान्ड्रिंग के आरोपी मुकेश मित्तल की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

RANCHI : ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में टेंडर घोटाला के जरिये अवैध कमाई करने और मनी लान्ड्रिंग करने के आरोपित मुकेश मित्तल की अग्रिम जमानत याचिका पर शनिवार को सुनवाई हुई। मामले में दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिका खारिज कर दी। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार ने बहस की। उन्होंने अदालत को बताया कि मुकेश मित्तल ग्रामीण विकास विभाग के चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम की अवैध कमाई को निवेश करने में सबसे बड़ा मददगार है।

बाड़मेर सीमा पर बीएसएफ ने सर्च ऑपरेशन के दौरान हेरोइन के छह पैकेट किया बरामद

AGENCY JAISALMER : सीमा सुरक्षा बल ने बाड़मेर की भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तारबंदी के पास शुक्रवार मध्य रात्रि को हेरोइन के छह पैकेट बरामद किये। बरामद हेरोइन की कीमत 20 करोड़ रुपये आंकी गई है।

खुरा चेकिंग के दौरान संदेह होने पर इलाके में तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें बिजराड़ थाना अंतर्गत बभूतो की ढाणी के पास तारबंदी के समीप हेरोइन के छह पैकेट, जिनका वजन लगभग छह किलो है, बरामद

हुए। इस मामले की सीमा सुरक्षा बल अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर जांच कर रही है। इस छह किलो हीरोइन की कीमत बीस करोड़ रुपये आंकी गई है। चेकिंग के दौरान फुटप्रिंट्स का पीछा किया गया तो फेंसिंग के पास पेड़ के नीचे पीले रंग के प्लास्टिक टेप लगे पैकेट्स नजर आए। इन पैकेट्स से हेरोइन बरामद की गई।

जानकारी अनुसार रोजाना की तरह बॉर्डर पर खुरा चेकिंग के दौरान जवान सर्च ऑपरेशन चला रहे थे तो उसी दौरान बॉर्डर पर लगी तारबंदी के पास पैरों के निशान नजर आए। जवानों ने इन फुटप्रिंट्स का पीछा किया तो देखा कि ये पैरों के निशान एक पेड़ तक जा रहे थे। फिर वहीं से दूसरी दिशा में बॉर्डर के पार जाते हुए मिले। पेड़ के पास पीले रंग के प्लास्टिक पैकेट्स भी रखे हुए थे। जवानों ने सुरक्षा एजेंसियों और बीएसएफ के अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद अधिकारियों के पहुंचने के बाद इन पैकेट्स की जांच की गई तो छह पैकेट्स में छह किलो हेरोइन होना पाया गया। इसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग बीस करोड़ है।

दरअसल, बीएसएफ के जवान समय-समय बॉर्डर फेंसिंग के आसपास सर्च अभियान चलाते हैं। अब ये जांच की जा रही है कि बॉर्डर से आकर किसने यहां नशे की खेप रखी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच राज्यों से किया विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ, बोले-

जहां दूसरों की उम्मीद खत्म, वहां से मोदी की गारंटी शुरू

AGENCY NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार शाम को मध्यप्रदेश सहित पांच राज्यों राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विकसित भारत संकल्प यात्रा का वर्चुअल माध्यम से शुभारम्भ किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की अलग-अलग योजनाओं के लाभ बताए, साथ ही हितग्राहियों से भी संवाद किया। उन्होंने कहा कि जहां दूसरों से उम्मीद खत्म हो जाती है, वहां मोदी की गारंटी शुरू हो जाती है।

मध्यप्रदेश में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आगाज महाकाल की उज्जैन से हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने यात्रा का वर्चुअली फ्लैग ऑफ कर वर्चुअल शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री मोदी विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी झंडी

दिखाई। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कार्यक्रम को संबोधित किया और विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बातचीत भी की।

इससे पहले कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि हर किसी का काम अब तेजी से होता है क्योंकि देश के लोग 'मोदीजी के वीआईपी' बन गए हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी की चिंता थी कि कोई भी पीछे न छूटे। बहुत से लोग यात्रा करते हैं। कुछ शारीरिक लाभ के लिए और कुछ व्यक्तिगत लाभ के लिए। लेकिन यह यात्रा ऐसी है जो देश के 140 करोड़ लोगों के लाभ के लिए है।

उज्जैन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दशहरा मैदान में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम की दीप प्रज्ज्वलित कर शुरूआत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज विकसित भारत संकल्प यात्रा में वर्चुअली शामिल होकर अपना बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया एवं आई.ई.सी.वैन (प्रचार रथों) को हरी झंडी दिखाकर मध्यप्रदेश में यात्रा का शुभारंभ किया। उज्जैन में हुए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रचार रथों को रवाना किया।

विकसित भारत के संकल्प सिद्धि व जनकल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी यह योजना

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह यात्रा सबका साथ, सबका विकास की संकल्पना के अनुरूप विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि तथा जनकल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प में हमारे शहरों की बड़ी भूमिका है। आजादी के लंबे समय तक विकास का दायरा देश के बड़े शहरों तक ही सीमित रहा है, लेकिन आज हम देश के टियर 2, टियर 3 इन शहरों के विकास पर बल दे रहे हैं। मोदी ने कहा कि हमारी सरकार परिवार के सदस्य की तरह आपकी हर चिंता को कम करने का प्रयास कर रही है। कोरोना के संकट काल में 20 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में हजारों रुपए ट्रांसफर किए। हमारी सरकार ने कोरोना की मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध कराई। उन्होंने एक लाभार्थी से बात करते हुए कहा कि देश की 'आत्मनिर्भर' महिलाएं न केवल अपना भरण–पोषण कर रही हैं, बल्कि दूसरों के लिए भी वरदान बन रही हैं। उनकी सरकार ऐसे प्रतिबद्ध और कड़ी मेहनत करने वाले लोगों के लिए लगातार काम कर रही है।

झारखंड में बदला बोर्ड परीक्षाओं का पैटर्न

अब ओएमआर में नहीं लिया जाएगा एग्जाम

PHOTON NEWS RANCHI : 16 फरवरी से झारखंड में शुरू होने जा रहे मैट्रिक और इंटर परीक्षा के पैटर्न में बदलाव कर दिया गया है। झारखंड एकैडमिक काउंसिल की बोर्ड मीटिंग में यह फैसला लिया गया है। इस बदलाव के मुताबिक अब बोर्ड की परीक्षाओं में ओएमआर शीट को शामिल नहीं किया जाएगा। अब केवल पेन-पेपर बेस्ड बोर्ड की परीक्षा होगी। साल 2024 में होने जा रही बोर्ड की परीक्षा में 50 अंक की लिखित परीक्षा, 30 अंक कर ऑब्जेक्टिव परीक्षा और 20 अंक का प्रैक्टिकल लिया जाएगा।

एक ही पेपर में ली जाएगी परीक्षा : बोर्ड मीटिंग के बाद लिए गए निर्णय में बताया गया है कि परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों को एक ही प्रश्नपत्र मिलेगा, जिसमें ऑब्जेक्टिव और सब्जेक्टिव सवाल होंगे। परीक्षार्थियों को दोनों ही सवालों के जवाब एक ही उत्तर पुस्तिका में देनी होगी। वहीं ऑब्जेक्टिव और सब्जेक्टिव सवालों के अंक में भी बदलाव हुआ है। ये बदलाव साल 2024 से ही लागू हो जाएगा। इसके अलावा साल 2025 से थोड़े और बदलाव देखने को मिलेंगे। इसके तहत 2025 से ऑब्जेक्टिव सवाल 20 फीसदी, सब्जेक्टिव 60 फीसदी और पैक्ट्रिकल और इंटरनल असेसमेंट 20 फीसदी रहेगा।

इस तरह ली जाएगी बोर्ड परीक्षा

मैट्रिक और इंटर की परीक्षा 6 फरवरी से ली जाएगी। परीक्षा दो पालियों में होगी। 6 फरवरी से शुरू होकर परीक्षा 26 फरवरी तक चलेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पहली पाली में मैट्रिक की परीक्षा और दूसरी पाली में इंटरमीडिएट की परीक्षा ली जाएगी। परीक्षा ओएमआर और उत्तर पुस्तिका दोनों में ली जाएगी। जिन विषयों में प्रैक्टिकल परीक्षा नहीं होती है उसमें 20 अंकों का इंटरनल असेसमेंट होगा। मैट्रिक और इंटर दोनों परीक्षाओं का रिजल्ट 15 जून तक जारी किया जा सकता है।

मोयला टॉप : दूर पहाड़ पर परियों का एक मंदिर

घुमक्कड़ की पाती

मुझे नहीं पता था कि दूर पहाड़ों में कहीं परियों का भी कोई मंदिर होगा। एक दिन ऐसे ही जब जौनसार बावर के दूरदराज क्षेत्रों में अकेले भटक रहा था। किसी ने कहा कि चकराता आ गए हो तो लोखंडी गांव और बुधेर मोईला टॉप भी जाओ। मैंने पूछा क्या है वहां? कुछ नहीं बस आप जाओ तो, यह बताने वाले ने कहा था। आगे चलकर पता किया तो वह जगह चकराता से तकरीबन 25 किमी दूर थी। जिसमें ढाई तीन किमी की खड़ी चढ़ाई भी शामिल थी। यानि कि इस दूरदराज रास्ते को पैदल ट्रेक करके जाना था। मुझे रास्ता तो कठिन जान पड़ा पर लोखंडी से थोड़ा आगे बढ़ा तो उसमें एक अलग ही तरह का सम्मोहन था। मैं जंगल, पहाड़ और प्रकृति के साथ बंधता चला गया और वह रास्ता धीरे धीरे मेरे पैरों में सिमटने लगा। लगभग तीन किमी चलने के बाद फॉरेस्ट डिपार्टमेंट का एक गेस्ट हाउस दिखा जो तकरीबन डेढ़ दो सौ साल पुराना था और इसी में छुपा था इस जगह, यानि कि मोयला टॉप का संपूर्ण इतिहास।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

इस जगह के बारे में कहा जाता है कि एक बोथर नामक ब्रिटिश, जो वाइल्ड लाइफ प्रेमी था, ने अपनी महिला मित्र मिओला के साथ मिलकर इसे वन्य जीव जंतु के चारागाह के रूप में ढूंढा था। जिसके टॉप तक बेहद खूबसूरत बुग्याल व चारापत्ती के वृक्ष थे। उन्हीं के नाम पर इस जगह का नाम बुधेर मोयला टॉप पड़ा है। मोइला टॉप के खूबसूरत बुग्याल के बीचोबीच बना एक मंदिरनुमा घर है। यह घर उन्हीं का बताया जाता है जबकि इसे लोग मोइला यानि महासू से भी जोड़ते हैं। लोग इसे शिव मंदिर भी कहते हैं जो कि शिलगुर शिव मंदिर के ही रूपक हो सकते हैं। इस मंदिरनुमा घर को शिलगुर, आंछरी मंदिर जरुर कहा जा सकता है क्योंकि इस जगह पर आज भी पुराने मृद भांड मिलते हैं व जंगली जीवों के आखेट के बाद उनकी सिंघे दरवाजे की लकड़ियों पर टंगे हुए हैं। बहरहाल, मोइला टॉप के इस मंदिरनुमा घर के भीतर कोई देवमूर्ति नहीं है। बाहर पहरेदार के रूप में एक लकड़ी की मूर्ति दिखाई देती है। जिसे लोग इस मंदिर का द्वारपाल मानते हैं।

खैर, थोड़ा सा थकते-थकाते ऊपर पहुंचा तो मेरी आंखें खुली की खुली रह गईं। सामने जो नजारा था वह सारी थकान, सारी दुर्गमता और सारी मुश्किलों को छूमंतर कर दिया। मन खुशी से भर उठा। यह जगह मुझे बहुत ही अच्छी लगी। एक पल के लिए मैंने आंखें बंद की और यहां के देवता कानासर महादेव को याद किया।

यह जगह एशिया के सबसे घने देवदार के ऊंचे ऊंचे पेड़ों से घिरी हुई है और बीच में एक बहुत ही खूबसूरत घास का मैदान है। जहां से आप हिमालय की तमाम ऊंची ऊंची चोटियों को देख सकते हैं। मोयला के पास बुधेर गुफा, एक प्राचीन मंदिर और दो सुन्दर झीलें भी स्थित हैं जहां पर कैंपिंग भी किया जा सकता है। इस जगह पर पहुंचने के लिए तकरीबन डेढ़ से दो घंटे की पैदल यात्रा करनी होती है। पूरा रास्ता हरे भरे पेड़ों से होकर गुजरता है। जब यह रास्ता खत्म हुआ तो सामने घास का एक बहुत बड़ा मैदान था और सामने था 'परियों का मन्दिर', मैं खुशी और उन्माद दोनों से भर गया।

इस जगह पर पहुंचकर मैं बहुत ज्यादा खुश था। यहां पर पता नहीं ऐसा क्या था जिसकी वजह से सबकुछ अच्छा अच्छा लग रहा था। मैं देर तक उन्हीं घास के मैदानों में घूमता रहा और तरह तरह के जानवरों को घास चरते हुए देखता रहा। सचमुच, यह जगह किसी परीलोक के जैसा ही था। बाद में मैं उस मंदिर भी गया जिसे आछरी या परियों का मंदिर कहा जाता है। यह मंदिर छोटा मगर बहुत ही खूबसूरत था। आसपास के खूबसूरत और मनभावन नजारों को देखकर ऐसा लगा कि देवलोक में आ गये हैं।

इस जगह पर पहुंचकर यदि हम रास्तों का गणित लगाएं तो मोयला टॉप चकराता से पच्चीस, विकासनगर से पच्चासी, देहरादून से एक सौ पच्चीस और दिल्ली से तीन सौ पच्चीस किमी की दूरी पर स्थित है। जिसे सामान्यतौर पर बुग्याल या फिर घास के एक बड़े मैदान के तौर पर समझा जा सकता है। आप सोच रहे होंगे कि बुग्याल क्या होते हैं। दरअसल, पहाड़ों में घास के मैदानों को बुग्याल कहा जाता है। यह पहाड़ की एक निश्चित ऊंचाई पर होते हैं जिसकी वजह से यहां पहुंचना दुरूह और मुश्किल होता है। ज्यादातर बुग्यालों पर ट्रेक करके पहुंचा जाता है। पर यह इतने खूबसूरत होते हैं कि एक बार पहुंच जाओ तो वापस लौटने का जी नहीं करता है। मोयला टॉप की बात करें तो यह 2700 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है जबकि पश्चिमी हिमालय में ट्री-लाइन 3200 मीटर पर समाप्त होती है। सामान्यतौर पर अच्छे बुग्याल ट्री लाइन से ऊंचाई पर ही पाए जाते हैं लेकिन कई जगहों पर इससे कम ऊंचाई पर भी यह मिल जाते हैं। मोयला टॉप एक ऐसा ही बुग्याल है जो कि 3000 मीटर से भी कम ऊंचाई पर स्थित है। मुझे बुग्याल बहुत पसंद हैं। मैं ऐसी जगहों पर घंटो बीता देता हूं। खाने पीने का कोई अच्छा इंतजाम बन पाया तो कई कई दिन रह जाता हूं। इस बार भी यही हुआ। ढाई किमी के ट्रेक को जैसे तैसे पूरा किया और मोइला टॉप पहुंच गया। यह ट्रेक आसान था बावजूद इसके कि जगह जगह पत्थर उखड़े हुए थे जिसके लिए सावधानी की बहुत ज्यादा जरूरत थी। रास्ता खूबसूरत है, देवदार, कैल, सुरई के ऊंचे पेड़ मन को मोहते हुए जान पड़ते हैं। सामान्यतौर पर ट्रेक करते हुए सांस फूलती है। पर इस ट्रेक पर बिल्कुल भी ऐसा नहीं था। यह बहुत जल्दी पूरा हो गया। जब खत्म हुआ तो सामने घास का एक बहुत बड़ा मैदान था। इस जगह पर रहने का कोई इंतजाम नहीं है जिसकी वजह से ज्यादातर लोग जिस दिन जाते हैं उसी दिन वापस भी आ जाते हैं लेकिन जो ट्रेकिंग करते हैं वह कई कई दिनों तक रुकते हैं।

मुझे यह जगह बहुत ही अच्छी लगी और घंटों तक इसके सम्मोहन से बाहर नहीं निकल पाया। शाम हुई तो अपना टेन्ट लगाया और आग जलाने के इंतजाम में लग गया। अच्छी बात यह कि यहां सूखी हुई लकड़ियां खूब थी पर उनमें आग लगाने की चुनौती कम नहीं थी। मैंने आग जलाई और इस जगह पर तीन दिन रहा और यहां से निकलने के बाद कुछ दिन चकराता की जादुई दुनिया में खो गया।

कविता

संजीव कुमार मुकेश
नालंदा, बिहार।

चलो! मां-बाप को परिवार में जोड़ा जाए

जिसने ता-उम्र कलेजे से लगाये रक्खा
ढेरों उम्मीद के दीपक को जलाए रक्खा
जिसने दुआओं के जलाए हैं असंख्य दीये
क्यूं भला ईश से इस तरह मुँह मोड़ा जाय
चलो! मां-बाप को परिवार में जोड़ा जाए

तपती धूप में बरगद का जिसने छांव दिया
तेरे अरमान को चलने को अपना पांव दिया
तू रहे चैन कई रैन न पलकें झपकीं
तेरे शब्दों की चुभन रोज चुभी न सिसकी
क्यूं बट वृक्ष को पानी के बिन छोड़ा जाय
चलो! मां-बाप को परिवार में जोड़ा जाए

तू तो था राज कुंवर आज वो दासी क्यूं है?
प्रेम की दरिया ही अब नेह की प्यासी क्यूं है?
तू कहे आसमां से तारे तोड़ लाती थी
स्नेह आंचल के तले लोरियां सुनाती थी
क्यूं सौभाग्य से इस तरह मुंह मोड़ा जाए?
चलो! मां-बाप को परिवार में जोड़ा जाए!

तू जो बोयेगा भाई फल उसी का पायेगा
तेरा किया कभी न अगले जनम जाएगा
हो गया है बड़ा पर मां के लिए छोटा है
तू भी है बाप आज तेरा भी एक बेटा है
झूठे इस शान में क्यों स्वार्थ का रोड़ा आये
चलो! मां-बाप को परिवार में जोड़ा जाए

पक्षी ■ पुराण

पक्षियों की परवरिश और परिवेश

राहुल सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर, विश्व भारती, शांति निकेतन

क्या आपने पक्षियों को अपने बच्चों की परवरिश करते कभी गौर से देखा है? जब भी आप देखेंगे तो जो पहली बात आप जानेंगे वह यह कि मनुष्यों की तुलना में कोई भी पशु-पक्षी अपनी बच्चों को धरती पर लाने के लिए बराबर जतन करता है। मनुष्यों को इस बात का गुमान हो सकता है, पर एक मामूली-सी दिखने वाली चिड़िया उसकी इस अहमन्यता को झटके में तोड़ सकती है। बस इसके लिए आपको उस पक्षी की तैयारी पर नजर रखनी होगी। उसका हर चरण पर्याप्त श्रमसाध्य होता है। मनुष्यों में तो जोड़ियां ढूंढने से लेकर बनाने तक में रिश्तेदारों से लेकर मित्र और शुभचिंतक तक शामिल होते हैं। पक्षियों की दुनिया में ऐसी कोई बाहरी मदद शामिल नहीं होती है। उनके लिए जोड़ियां बनाना भी एक बहुत कठिन काम होता है। हर पक्षी के साथ जोड़ियों को बनाने की अपनी कठिनाइयां और शर्तें होती हैं। किसी को मादा को रिझाने के लिए बहुत उपक्रम करने पड़ते हैं तो किसी को बकायदा पहले मादा को पसंद आने लायक एक सुंदर घोंसला तैयार करना होता है। कोई नृत्य के शिल्प में अपना प्रणय निवेदन करता है तो कहीं यह मामला बाकी नरों से मुकाबला करके पूरा होता है। इस शुरूआती चुनौती को पार पाने के बाद घोंसला के निर्माण से लेकर अंडे को सेने की जो प्रक्रिया है, उसे आप देखेंगे तो यह किसी तप या साधना से आपको कम नहीं लगेगा। घोंसले के निर्माण के लिए जिन प्राकृतिक उपादानों को पक्षी इस्तेमाल करते आये हैं, उनकी कमी से पक्षियों के आचरण में आनेवाले बदलावों को पक्षी विज्ञानी दर्ज कर रहे हैं। देवघर में इस वर्ष एक पक्षी प्रेमी ने बुलबुल को अपने घोंसले के निर्माण में पॉलीथिन का इस्तेमाल करते हुए पाया।

मनुष्यों की भांति सभी पक्षी पूरे साल प्रजनन करने में समर्थ नहीं होते, इसके लिए उन्हें मौसम के अनुकूल होने की प्रतीक्षा करनी होती है। ऋतु की इस अनुकूलता से ही संभवतः ऋतुचक्र की अवधारणा सामने आयी होगी। पक्षियों और ऋतुओं की परस्परता को समझे बगैर इसकी खूबसूरती को नहीं समझा जा सकता है। ऋतुओं के साथ प्रकृति में आनेवाले बदलावों पर पशु-पक्षी और उनकी संततियों का जीवन निर्भर करता है। इसलिए प्रकृति में आनेवाले बदलावों से बहुत से जीवों के लुप्त होने का खतरा पैदा हो गया है। एक घास, झाड़ी, दलदल, सूखा पेड़ भी किसी पक्षी के अस्तित्व के लिए निर्णायक महत्व का हो सकता है। हम इस बात को आज तक नहीं समझ सके हैं। प्रकृति की विविधता का सीधा संबंध जीवों की विविधता और उनके अस्तित्व से जुड़ा है। ज्यों-ज्यों यह विविधता नष्ट होती जायेगी त्यों-त्यों पृथ्वी से बहुत से पशु-पक्षी लुप्त होते चले जायेंगे। समय रहते इस दिशा में अपेक्षित प्रयास करने की जरुरत है। झारखंड के देवघर में कुमैठा के इलाके में इंडियन थीक नी (स्टोन करल्यू) के प्रजनन और आवासन लायक हैबिटॉट मौजूद है। उस क्षेत्र के अलावे इंडियन थीक नी को अन्यत्र देख सकना काफी मुश्किल है। पर अब उस क्षेत्र में अस्पताल के निर्माण ने खतरे की घंटी बजा दी है। उस निर्जन में तकरीबन 27 किस्म के पक्षी साल भर बहुत सहजता से देखे जा सकते थे, जिनमें से तीन किस्में सहजता से अन्यत्र उपलब्ध नहीं हैं। पर इन्हें संरक्षित करने का कोई ब्लूप्रिंट सरकारी महकमों के पास नहीं है। यह खासा चिंता का विषय है।

ऐसे ही झारखंड के साल-सखुआ के जंगल बहुत-से पक्षियों के लिए प्रजनन और प्रवासन के लिए अनुकूल ठिकाने की तरह है। जहां उत्तराखंड से लेकर केरल ओर पश्चिमी घाट के पक्षी अलग-अलग ऋतुओं में प्रजनन के लिए आते हैं। जैसे केरल की ओर से इंडियन पिट्टा तो उत्तराखंड की ओर से पैराडाईज फ्लाईकैचर झारखंड के जंगलों का प्रतिवर्ष रुख करते हैं और प्रजनन करने के बाद अपने बच्चों के संग वापस लौट जाते हैं। इन दोनों को आप अगली पीढ़ी को लाने के लिए जतन करते देखेंगे तो दांतो तले उंगली दबा लेंगे। पैराडाईज फ्लाईकैचर का घोंसला अपने आप में अनूठा होता है। वह इतना छोटा और कलात्मक होता है कि उसे देखकर यह यकीन करना मुश्किल होता है कि यह पैराडाईज फ्लाईकैचर का घोंसला हो सकता है। अपने घोंसले के निर्माण के लिए वह टहनी के जिस हिस्से का चुनाव करता है, वह खासा हैरतंगेज होता है। उस छोटे से घोंसले में वह चार चूजों को जन्म देता है। उन चूजों का पेट भरने के लिए नर और मादा जैसा अनवरत श्रम करते हैं, उसके लिए बस एक ही शब्द है-अविश्वसनीय। उड़ती तितलियों को हवा में पकड़ लेने का हुनर इन्हें खास बनाता है। तितलियों और कीट पतंगों से अपने नवजातों का पेट पालते इन नर-मादा को आप देखें तो जान पड़ेगा कि पैरेंटिंग केवल मनुष्य नहीं जानते। किसी संभावित खतरे या अनचाही उपस्थिति को भांप कर पक्षी जिस ढंग से अपने बच्चों को खामोश और स्थिर रहने को प्रशिक्षित किये रहते हैं, वह हैरतंगेज जान पड़ता है। उनकी खामोशी और स्थिरता उनको अदृश्य बना देती है। मतलब आँख के पास होकर भी वे ओझल रहने में कामयाब रहते हैं। ऐसा एक नहीं दर्जनों पक्षियों के साथ मैं देख चुका हूँ। ऋतुचक्र के बदलने के साथ यह अपने बच्चों समेत वापस लौट जाते हैं। जो बात कमाल की है वह यह कि अन्य ऋतुओं में उन्हीं जंगलों में आप उस पक्षी की मौजूदगी का कोई प्रमाण नहीं ढूंढ पायेंगे। लेकिन अनुकूल ऋतु में वे फिर लौट आते हैं। उनका लौटना इतना आश्वस्तिदायी होता है कि उस सुख को अलग से वर्णित नहीं किया जा सकता है। इन बातों को लेकर आम जनजीवन में थोड़ी जागरुकता की आवश्यकता है, जिससे प्रकृति की विविधता के साथ पक्षियों की यह खूबसूरत दुनिया आनेवाली पीढ़ियों के लिए भी सलामत रहे।

SCAN ME
1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।
Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com
Website : www.thephotonnews.com

सच के हक में...
Daily THE PHOTON NEWS
www.thephotonnews.com
Sunday, 17 December 2023

BRIEF NEWS

कोकर शिव मंदिर के समीप अज्ञात शव मिला

RANCHI : रांची के सदर थाना क्षेत्र के कोकर शिव मंदिर के समीप से शनिवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव पुलिस ने बरामद किया है। थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत ने बताया कि व्यक्ति की शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है। पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

सरकारी हॉस्पिटल में जांच के नाम पर 250 करोड़ का घोटाला : लालचंद

RANCHI : पूर्व ऊर्जा मंत्री लालचंद महतो ने आरोप लगाया है कि रघुवर सरकार के समय सरकारी हॉस्पाटल में जांच के नाम पर 250 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि सरकार अब तक जांच के एवज में मेडॉल को 500 करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान कर चुकी है। इसमें से 250 करोड़ रुपये का बिल फर्जी तरीके से बनाया गया है। इसे लेकर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखकर इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

कांग्रेस कार्यालय में चलाई गई बांग्लादेश के निर्माण पर डॉक्यूमेंटरी फिल्म

RANCHI : प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में शनिवार को बांग्लादेश मुक्ति युद्ध 1971 की स्वर्ण जंयती के अवसर पर बडे एलईडी के माध्यम से भारत-पाकिस्तान युद्ध और बांग्लादेश के निर्माण पर डॉक्यूमेंटरी फिल्म चलाई गई। मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि भारत को सबसे बड़ी जीत दिलाने वाली प्रधानमंत्री मंत्री इन्दिरा गांधी के ऐतिहासिक योगदान को कभी भूलाया नहीं जा सकता।

सांसद ने टैगोर हिल के ब्रह्ममंदिर के जीर्णोद्धार कार्य का किया शिलान्यास

RANCHI : रांची के गौरव टैगोर हिल पर स्थित ब्रह्ममंदिर के जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास शनिवार को सांसद संजय सेठ ने किया। सांसद की पहल और अनुशंसा पर लगभग 60 लाख रुपये की लागत से इस ब्रह्ममंदिर का जीर्णोद्धार किया जाना है। सांसद ने कहा कि टैगोर हिल रांची नहीं पूरे देश की अमूल्य धरोहर है। यहां रविंद्र नाथ टैगोर के बड़े भाई जितेंद्रनाथ टैगोर ने कई रचनाएं की थी। यह उनके लिए एक तपोस्थली है। सांसद ने कहा कि यहां की स्थिति बहुत खराब है। इतना पवित्र और प्रेरणादायी स्थल बिल्कुल उजड़ा हुआ जैसा दिखता है।

ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

खूंटी से रांची आई नाबालिग के साथ गैंगरेप का खुलासा

चार नाबालिग समेत छह गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : दोस्त से मिलने खूंटी से रांची आयी नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल चार नाबालिग समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना तुपुदाना ओपी क्षेत्र में हुई थी। जहां आरोपियों ने एक लड़की का पहले अपहरण किया, फिर उसे अपने साथ ले गए और रातभर दुष्कर्म किया। घटना के संबंध में तुपुदाना ओपी पुलिस को

मीडिया को जानकारी देते सिटी एसपी राजकुमार मेहता। ● फोटोन न्यूज

दस दिसंबर को जानकारी मिली। नाबालिग का पुलिस ने मेडिकल कराया और उसके बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। इस मामले में आठ अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है।

नाबालिग को अकेला तीन युवकों ने किया था अगवा

घटना के संबंध में नाबालिग ने पुलिस को बताया कि वह मूल रूप से खूंटी की रहने वाली है। अपने प्रेमी से मिलने के लिए खूंटी से रांची आयी थी। लेकिन नौ दिसंबर की रात प्रेमी के साथ उसकी किसी बात पर अनबन हो गई और वह उसके घर से बाहर निकल कर सड़क पर आ गई। नाबालिग को अकेले देख पहले बाइक सवार तीन युवकों ने उसे अगवा कर लिया। तुपुदानाके हुलहुन्दू के पास चर्च गेट से उसे रात करीब 9 बजे अगवा किया गया। फिर आरोपी उसे लेकर खरसीदाग स्थित एक सुनसान स्थान पर पहुंचे। जहां पहले से भी पांच युवक शराब पी रहे थे। उसके बाद सभी ने एक-एक कर नाबालिग से दुष्कर्म किया। जब लड़की की स्थिति खराब होने लगी तो उसे बाइक से लेकर रात 12 बजे दसमाइल चौक के पास छोड़ दिया। लड़की किसी तरह एक ऑटो वाले की सहायता से रात डेढ़ बजे तुपुदाना थाना पहुंची। फिर उसने पूरी कहानी पुलिस को बतायी।

राजभवन से मिले सलाह में बड़ा राजनीतिक संदेश : सुप्रियो

PHOTON NEWS RANCHI : झामुमो केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि राजभवन से मिले सलाह और संदेश में एक बड़ा राजनीतिक संदेश है। राजभवन जिस बात को कह रहा है वह एक नया शिगूफा है ।लोगों के बीच भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है। सुप्रियो पीसी कर कहा कि इस ठंड के मौसम में राजनीति में गर्माहट महसूस की जा रही है। 2022 में विधानसभा ने सर्वसम्मति से पारित करा कर हमने दो महत्वपूर्ण विधेयक राजभवन को भेजा था। जिसमें स्थानीयता का मुद्दा और सरना धर्म कोड विधेयक था। विधेयक पर राजभवन से मिले सलाह से बहुत कुछ संदेश मिल रहा है। कई राज्यों में यह नीति वहां के स्थानीय निवासियों को थर्ड और फोर्थ ग्रेड में जिला स्तर पर नियुक्ति सुनिश्चित कर रहा है। राज्यपाल ने इसमें एक पेच फंसाया है कि पांच साल के लिए प्राथमिकता का प्रावधान करें। फिर उसकी समीक्षा

करें। यह नया शिगूफा है। लोगों के बीच भ्रम फैलाने की कोशिश है।

सुप्रियो ने कहा कि किसी भी विधेयक पर एक साल तक राजभवन कुंडली मारकर बैठे,यह सही नहीं है। शीतकालीन सत्र में हमारी सरकार इस विधेयक को फिर लाने जा रही है। हम हर हाल में अपने कमिटमेंट को पूरा करेंगे। थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरी में कोई बाहरी ना आए, यह राज्य सरकार सुनिश्चित करेगी। यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं हमारे पहचान की लड़ाई है। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि बाबूलाल बताएं राजा पीटर से उनका क्या रिश्ता है।

सिल्ली स्टेडियम परिसर में सुदेश कुमार महतो ने की बैठक, बोले-

देश-विदेश तक पहुंचेगी गूंज की आवाज

PHOTON NEWS RANCHI : सिल्ली स्टेडियम परिसर में शनिवार के दिन गूंज महोत्सव को लेकर सिल्ली विधायक सह गूंज के संरक्षक सुदेश कुमार महतो ने बैठक की। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने कहा कि गूंज महोत्सव में सभी को सम्मान देने का काम किया जाएगा।

गूंज महोत्सव की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बन चुकी है लेकिन सिल्ली गूंज की आवाज देश-विदेश तक हम लोगों को पहुंचना होगा, जिससे झारखंड की कला और संस्कृति को लोग काफी नजदीक से जान सकें। गूंज महोत्सव में देश की झांकी का नजारा भी देखने को मिलेगा। महोत्सव में गरीबों को सम्मान एवं उनके बीच परिसंपत्ति का वितरण भी किया जाएगा।

गूंज की पूर्व संध्या प्रत्येक गांव में कैंडल मार्च भी महिला और पुरुषों के सहयोग से निकाला जाएगा। बैठक के अंत

कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित करते सुदेश महतो। ● फोटोन न्यूज

में महिला और पुरुषों को शपथ दिलाई गई कि हम लोग लड़के और लड़कियों को एक समान शिक्षा देंगे, उनमें भेदभाव नहीं करेंगे, उनका बाल विवाह नहीं करेंगे एवं महिलाओं पर होने वाले हिंसा और अत्याचार का बहिष्कार करेंगे।

इस मौके पर गूंज के संयोजक जयपाल सिंह, अध्यक्ष सुनील सिंह, जिला परिषद उपाध्यक्ष बिना चौधरी, प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बड़ाईक, उप प्रमुख आरती देवी, पूर्व जिला परिषद सदस्य गौतम कृष्ण साहू, सुशील महतो, बृजेश प्रसाद, संजय सिद्धार्थ, बुद्धिजीवी मंच के विजय चंद्र महतो, धीरेंद्र नाथ महतो, लंबोदर महतो, क्षेत्रीय प्रभारी लक्ष्मण महतो, पंचायत समिति सदस्य अरविंद कुमार, महिला ग्राम संगठन के पदाधिकारी एवं सक्रिय महिला दीदी उपस्थित थीं।

राज्यपाल ने चतुर्थ राष्ट्रीय विचार मंथन को किया संबोधित

युवा राज्य के ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियों की करें खोज : सीपी राधाकृष्णन

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने राज्य के युवाओं से अपील की कि वे यहां के ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियों की खोज करें। समाज को उनके योगदान से अवगत करायें। उन्होंने कहा कि डॉ. राम मनोहर लोहिया सिर्फ एक राजनीतिक व्यक्ति ही नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे।उन्होंने समाज के मुख्यधारा से वंचित लोगों के अधिकार एवं समानता के लिए आवाज उठायी. वे आज भी हमारे प्रेरणास्रोत हैं। डॉ. लोहिया पहले राजनेता थे जिन्होंने खरसावां घटना के उपरांत वहां जाकर इस घटना की तुलना जालियांवाला बाग की घटना से की। उन्होंने अपनी पत्रिका मैनकाइंड में ह्लखरसावां में रक्त स्नानह्व शीर्षक नामक एक लेख भी लिखा था। इस दौरान राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश सहित अन्य विशिष्ट जन भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते राज्यपाल। ● फोटोन न्यूज

राज्यपाल खरसावां शहीद दिवस की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर शनिवार को ऑड्रे हाउस, रांची में चतुर्थ राष्ट्रीय विचार मंथन को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने मौके पर कुछ पुस्तकों का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि अनूठी शोध परियोजनाओं से संबंधित इन पुस्तकों की उपलब्धता सभी विश्वविद्यालयों में होनी चाहिए। आज हम भगवान बिरसा मुंडा एवं अन्य महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के कारण स्वतंत्र देश में रहते हैं। शहीदों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करना हमारा कर्तव्य है।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समावेशी विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। वे हमारे युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। युवाओं एवं देश को सशक्त बनाने के उद्देश्य से ह्यविकसित भारत 2027ः युवाओं की आवाज का शुभारंभ किया गया है। यह आजादी के 100वें वर्ष अर्थात 2027 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की परिकल्पना है।

विकसित भारत के तहत बुंडू पहुंचे मंत्री अर्जुन मुंडा

PHOTON NEWS RANCHI : हमारा संकल्प विकसित भारत कार्यक्रम के तहत क्षेत्रीय सांसद सह केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा शनिवार को बुंडू प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय नावाडीह गभड़ेया और राष्ट्रीय मार्ग-33 टोल प्लाजा समीप एदेलहातु पंचायत स्थित क्रिकेट मैदान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रचार वाहन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण को सुनाया गया और संकल्प विकसित भारत बनाने के लिए कर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा सहित पदाधिकारी एवं सभी आम लोगों शपथ लिया गया। उन्होंने इस कार्यक्रम के अंतर्गत पीएम उज्जवला योजना ,पीएम किसान सम्मान किसान, क्रेडिट कार्ड, अन्नप्राशन ,कन्यादान, आयुष्मान भारत इत्यादि योजना के अंतर्गत लाभुकों को परिसंपत्ति का वितरण किया।

मौके पर उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गारंटी योजना के तहत गरीब किसान मजदूर सभी लोगों को आर्थिक उन्नति गांव समाज और देश को समृद्ध बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। गरीबों को अगले पांच वर्षों तक नियमित रूप से गरीब कल्याण योजना के तहत भारत सरकार अनाज देगी। उन्होंने किसानों को नई तकनीकी से खेती करने की सलाह दी। उन्नत खेती के लिए किसानों को तकनीकी की जानकारी लेने को कहा। मुंडा ने कहा कि गांव मजबूत बनेगा तो देश सशक्त होगा और मोदी का मिशन पूरा होगा, जिससे 2047 में भारत संपूर्ण विकसित कहलाएगा। इस कार्यक्रम के तहत ड्रोन माध्यम से किसानों के दवा का छिड़काव फसल पर तकनीक दिखलाया गया।

कार्यक्रम में विकास आयुक्त दिलीप कुमार यादव अनुमंडल पदाधिकारी बुंडू संदीप अनुराग टोपनो कार्यपालक दंडाधिकारी अंजली मेहता प्रखंड विकास पदाधिकारी रेनू कुमारी, भाजपा के वरिष्ठ नेता मनी नाथ मिश्रा, कपिल महतो, मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र महतो, आलोक दास, विवेकानंद जायसवाल, प्रखंड प्रमुख रामकुमार बिनझिया जिला परिषद सदस्य परमेश्वरी शांडिल, राजकुमार महतो ,प्रताप मुंडा, अनूप साहू आदि मौजूद थे।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में पीएम विश्वकर्मा योजना की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला, बाबूलाल मरांडी ने कहा-

आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करेगा योजना

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सशक्त भारत, मजबूत भारत के लिए आत्मनिर्भर भारत का निर्माण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा चुका है। पीएम विश्वकर्मा योजना आत्मनिर्भर भारत की कुंजी बनेगी। इस महत्वाकांक्षी योजना में सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास भी शामिल है।

बाबूलाल मरांडी शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पीएम विश्वकर्मा योजना की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में प्राचीन काल से हुनर की कमी नहीं रही लेकिन आजादी के बाद देश की प्राचीन हुनरमंद कारीगरों को आगे बढ़ने, उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में पहल नहीं की गई।

कार्यक्रम में उपतिस्थत बाबूलाल मरांडी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना में पिछड़े, दलित, आदिवासी समाज के लोग ही सर्वाधिक शामिल हैं। इस योजना से गांव गरीब हुनरमंद पारंपरिक कारीगर आगे बढ़ेंगे। यह योजना उनके लिए प्रगति का सुनहरा अवसर लेकर आया है। यह योजना एक कारीगर को विकसित और मजबूत नही करेगी, बल्कि पूरे गांव की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। गांव भी आत्मनिर्भर होगा।

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि भारत की प्राचीन कलाएं, हुनरमंद कारीगर, यहां की अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ थे। गांव-गांव के इनकी कलाओं का सम्मान था। सामाजिक रीति-रिवाज में इनके बनाए सामग्रियों को बढ़ावा दिया गया। आज ऐसे ग्रामीण हुनर धन और प्रोत्साहन के अभाव में विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इसे गंभीरता से लेते हुए भारत की प्रगति में उनके योगदान को सुनिश्चित किया है।

भारत की पहचान हुनरमंद कारीगरों से : कर्मवीर

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि भारत की पहचान देश के हुनरमंद पारंपरिक कारीगरों से रही है। देश में रोजगार उपलब्ध कराने में ये पारंपरिक कारीगर बड़ी भूमिका निभाते रहे।आज देश में बढ़ती बेरोजगारी पारंपरिक रोजगार को प्रोत्साहित नहीं करने के कारण बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना सिर्फ एक परिवार को सबल नहीं बनाएगा, बल्कि रोजगार के भी अवसर उपलब्ध कराएगा।

भाजपा बिहार के प्रदेश महामंत्री एवं पीएम विश्वकर्मा योजना के प्रदेश प्रवासी मिथिलेश तिवारी ने पीएम विश्वकर्मा योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर प्रारंभ की गई पीएम विश्वकर्मा योजना एक क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश को संबोधित करते हुए इसकी घोषणा की थी। 13 हजार करोड़ रुपये की इस योजना में 18 प्रकार के पारंपरिक व्यापार को जोड़ा गया है, जिसमें बढ़ई, नाव निमार्ता, अस्त्रकार, लोहार, टुलकिट निमार्ता, सुनार, ताला निमार्ता, कुंभकार, मूर्तिकार, चर्मकार, नाई, मालाकार, दर्जी, जाल बनाने वाले, राज मिस्त्री, बास्केट, गुड़िया, खिलौना बनाने वाले शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि इसमें पंजीकरण के लिए पात्रता न्यूनतम 18 वर्ष है, जिन्होंने कोई सरकारी स्कीम में पहले ऋण नहीं लिया हो। उन्होंने कहा कि पहले चरण में आवेदक को प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिदिन 500 रुपये भत्ता एवं 15 हजार रुपये औजार खरीदने के लिए मिलेंगे। पहले चरण में रोजगार को बढ़ावा के लिए एक लाख रुपये की और भुगतान के बाद दो लाख रुपये की ऋण पांच प्रतिशत रियायती ब्याज दर पर मिलेंगे।

झारखंड में ठंड के कारण बढ़ी ठिठुरन

RANCHI : राज्य में कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है। धूप में भी ठंडी हवा के कारण ठिठुरन बढ़ गई है। तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार 17 दिसंबर के बाद से तापमान में अधिक गिरावट दर्ज की जायेगी। इस दौरान तापमान में गिरावट के साथ ही दिन के समय कोहरा छाये रहने से लोगों को अधिक परेशानी होगी। विभाग के अनुसार, आने वाले दो दिनों तक तापमान में गिरावट नहीं दर्ज की जायेगी लेकिन इसके बाद तापमान में तीन डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जायेगी। साथ ही दिन के समय कोहरा छाये रहने की संभावना भी व्यक्त की गयी है। कोहरा राज्य के कुछ हिस्सों में छाया रहेगा। मौसम विभाग ने 18 और 19 दिसंबर को राज्य के कुछ हिस्सों में आंशिक बादल छाये रहने की भी संभावना जताई है। इन दो दिनों के दौरान सुबह और शाम में कोहरा छाया रहेगा। दिन के समय बादल छाये रहेंगे।

खबरें राउरकेला की

सुंदरगढ़ के कुमारमुंडा में खेल महोत्सव आयोजित

SUNDARGARH : कुमारमुंडा जोन के जिला परिषद सदस्य राजेंद्र कुजूर ने शनिवार को कुमारमुंडा ब्लॉक के झुनमुर हॉकी स्टेडियम में न्यू-ओ-युव ओडिशा नवीन ओडिशा खेल कार्यक्रम में भाग लिया। सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों में कुमारमुंडा प्रखंड अध्यक्ष ज्योति केरकेटा, जिला परिषद सदस्य काजोन नाविल केरकेटा प्रमुख रूप से उपस्थित थे। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का नुआ-ओ छात्रों में खेल, संस्कृति और सामाजिक सेवा की भावना पैदा करने का एक अनूठा प्रयास है। इस प्रकार, आने वाले दिनों में, मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का न्यू ओडिशा का परिकल्पना उनक वास्तविकता रूप लेंगे।

राउरकेला में डायरिया से तीन महिला समेत चार की मौत,100 अस्पताल में भर्ती

ROURKELA : राउरकेला में पिछले दो दिनों में डायरिया से चार लोगों की मौत हो गयी, जबकि 102 लोगों का इलाज राउरकेला सरकारी अस्पताल में चल रहा है। इनमें से दो और की हालत गंभीर है। मृतकों में 3 महिलाएं और एक पुरुष मरीज शामिल हैं। शहर और आसपास के विभिन्न इलाकों से अभी भी कई मरीज अस्पताल आ रहे हैं। पानपोसा, छेंड कॉलोनी और विभिन्न बस्ती क्षेत्रों और सेक्टर क्षेत्रों में मरीजों को सरकारी अस्पतालों और विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। हालांकि, अलग-अलग इलाकों में अचानक डेंगू बुखार फैलने का कारण पता नहीं चल पाया है। बीमारी का कारण जानने के लिए मरीज के मल और उल्टी को जांच के लिए भेजा गया है। आरजीएच के प्रभारी निदेशक सुधारानी ने कहा कि जैसे-जैसे डायरिया के मरीजों की संख्या बढ़ रही है, अस्पताल में बिस्तरों की संख्या बढ़ाने के उपाय किए जा रहे हैं।

मुक्ता योजना के तहत 4.60 करोड़ का विभिन्न कार्यों का उद्घाटन

ROURKELA : पिछले दो दिनों में ओडिशा सरकार के श्रम और ईएसआई विभाग के मंत्री शारदा प्रसाद नयाक द्वारा राउरकेला महानगर निगम के माध्यम से 4.60 करोड़ के विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया है। राउरकेला के विभिन्न वार्डों में नयाबाजार, टिम्बर कॉलोनी, गोपबंधुपल्ली, मधुसूदनपल्ली, रेलवे कॉलोनी, माली क्षेत्र, ट्रैफिक गेट, प्लांट साइट रोड, प्लांट साइट थाना, महताब रोड, ओरमपाड़ा, इंडो स्कूल रोड, नाला, फेबर ब्लॉक विकासात्मक कार्य शुरू किए गए। इस अवसर पर आरएमसी के कनिष्ठ अभियंता संतोष पात्र, दिलेश्वर ताऊलिया, अनुराधा बेहरा, सीईओ संघमित्रा प्रधान,अनिता मंज उपस्थित थे। मौके पर नगर अध्यक्ष गगन पंडा, जिला महासचिव ज्ञानेंद्र जेना, प्रसन्न सेनापति, पप्पू जयसवाल, मिनकेतन नायक, दुबराज सांडिल, श्याम सुंदर पंडा निमाईचरण राउत, विकास जेना, गयाधर मल्लिक, पप्पू महंती, विनय महंती, कुनु जादव, दिलीप साहू सहित अन्य उपस्थित थे।

जिले में कड़ाके की ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त

ROURKELA : सुंदरगढ़ जिले में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सर्दियों में घने कोहरे ने आम जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। सुबह नौ बजे तक कोहरे के असर से सड़कों पर दृश्यता कम हो रही है। सर्द मौसम से बचने के लिए लोग सड़क किनारे लकड़ी जलाते नजर आ रहे हैं। बणई उप-खंड जंगल पहाड़ियों से घिरा होने से यहां सबसे भारी ठंडी गिरती हैं। इस साल ठंड देर से आई है। बारिश के बाद से ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। सुबह की सैर पर निकलने वाले लोगों की संख्या कम हो गई है। खासकर साम होते ही बेचारे गरीब की परेशानी बढ़ती जा रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि ऐसी स्थिति अगले एक सप्ताह तक बनी रहेगी।

ट्रक ने मारी बाइक सवार को टक्कर, युवक घायल

ROURKELA : बणई पुलिस सीमा के अंतर्गत इंदरपुर के पास एनएच-143 पर बाइक-ट्रक की टक्कर में एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि यह हादसा शनिवार सुबह घने कोहरे के कारण हुआ। घायल व्यक्ति को पहले बोनाई अस्पताल ले जाया गया, फिर बेहतर इलाज के लिए राउरकेला सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

लायन्स द्वारा वन कर्मचारियों को कंबल वितरित

ROURKELA : अन्तर्राष्ट्रीय लायन्स क्लब के द्वारा शनिवार को राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में मुख्य अतिथि डीएफओ यशवंत सेठी द्वारा वन सुरक्षाकर्मियों को कंबल दिया गया। लायन्स क्लब राऊरकेला वेदव्यास ग्रेटर एवं त्रिवेणी के योगदान से तीस कम्बल सभी कर्मचारियों को दिया गया। इस अवसर पर फारेस्ट रेन्जर प्रसन्न कुमार प्रधान, सलविन्दर सिंह, सेक्सन आफिसर रमेश चन्द्र नाइक, प्रकाशचन्द्र धल, किरण प्रसाद मेहेर, सनत कुमार प्रधान, राजाराम सिंघानिया, प्रमोद नायक ने अंशदान किया। प्रत्येक वर्ष लायन्स क्लब द्वारा सितरुतू के समय में केम्बल प्रदान किया जाता है।

बिहार के 19 जिलों का पारा लुढ़का

भागलपुर का तापमान पहुंचा 7 डिग्री, पटना की हवा दिल्ली से भी खराब

पटना:बिहार में पछुआ की वजह से कनकनी लगातार बढ़ रही है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में अधिक गिरावट नहीं आने के कारण पूरे प्रदेश में शीतलहर जैसी स्थिति नहीं बन रही है। ठंड के साथ ही प्रदेश की हवा भी खराब हो रही है। पटना का एक्यूआई दिल्ली से भी ज्यादा दर्ज किया गया है। वहीं पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के 19 शहरों का न्यूनतम तापमान में कमी देखने को मिली है। लगातार दूसरे दिन यानी शुक्रवार को भी सबसे ठंडा शहर भागलपुर का सबौर रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। गया 7.8 डिग्री, शेखपुरा 9.5 डिग्री, औरंगाबाद 9.8 डिग्री, बक्सर 9.7 डिग्री, मोतिहारी 9.4 डिग्री, पूसा 9 डिग्री, जमुई 9.2 डिग्री, बांका 7.7 डिग्री। इसके अलावा अन्य शहरों का तापमान भी 10 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है। शुक्रवार को पटना का मौसम पूरे दिन शुष्क बना रहा। मौसम विभाग की माने तो पटना के न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिली है। इस दौरान न्यूनतम तापमान में 0.6 डिग्री सेल्सियस का गिरावट दर्ज की गई। वहीं अधिकतम तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है।

शुक्रवार को पटना का न्यूनतम तापमान 10.8 और अधिकतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग के वैज्ञानिक आशीष कुमार ने बताया कि असली सर्दी तब लगती है। जब दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिलती है। अभी इस तरह की परिस्थिति होने की कोई संभावना नहीं है। धूप वाली दिन के कारण कड़क ठंड का एहसास नहीं हो रहा है। इस सीजन में पहली बार शुक्रवार को दिल्ली से अधिक पटना की हवा खराब रही। सुबह करीब 11 बजे पटना का एक्यूआई लेवल 322 और दिल्ली का 307 दर्ज किया गया।

वहीं गुरुवार शाम 4 बजे तक औसत एक्यूआई लेवल पटना और दिल्ली का 323 दर्ज किया गया। गांधी मैदान इलाके में चलने वाली हवा में प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। शुक्रवार शाम 7 बजे तक वहां का एक्यूआई लेवल 411 रिकॉर्ड किया गया है। इसके अलावा वेटनरी कॉलेज इलाके के पास एक्यूआई लेवल 382, ईको पार्क के पास 332, दानापुर में 332, तारामंडल के पास 235 और पटना सिटी में 233 दर्ज किया गया। एकबार फिर से राज्य के कई शहरों में चलने वाली हवा लोगों के स्वास्थ्य के लिए खराब हो गई है। हवा में तेजी से धूलकण घुल रहा है। पटना, भागलपुर, सीवान सहित राज्य के 7 शहर रेड जोन में शामिल हैं। यहां का एक्यूआई लेवल 300 और 400 के बीच रिकॉर्ड किया गया है। बिहार का पूर्णिया देश में टॉप पर रहा। यहां का एक्यूआई लेवल 416 दर्ज किया गया।

बिहार पुलिस के महिला कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

पटना: बिहार पुलिस के कार्यालयों और थानों में महिलाओं के खिलाफ लैंगिक बाधाओं, उत्पीड़न जैसी संवेदनशील समस्याओं को लेकर महिला पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग दिया गया। इसका मुख्य उद्देश्य कानूनी अधिकार के बारे में जागरुक करना और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2013 के कानूनी प्रावधानों और इनके अनुपालन के संबंध में जानकारी देना था। कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 एक कानून है। जो सरकारी या गैर सरकारी और संगठित या असंगठित कार्यस्थलों पर महिलाओं के सामना किए जाने वाले यौन उत्पीड़न के कानूनी रोकथाम, निषेध और निवारण के प्रावधानों के बारे में बताया और लागू किया गया है। बिहार पुलिस के अपराध अनुसंधान विभाग (कमजोर वर्ग) कार्यस्थल पर कानूनी प्रावधानों का पालन कराने के उद्देश्य से सेंटर फॉर कैटालिजिंग चेंज नाम के संस्था को आमंत्रित किया गया है। सेंटर फॉर कैटालिजिंग चेंज नामक संस्था एक गैर सरकारी संगठन है, जो सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के अन्तर्गत निबंधित है। इसका कार्यालय नई दिल्ली में है। वर्तमान में यह संस्था भारत में 10 राज्य असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, झारखंड,, नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल में काम करती है। बिहार राज्य में ये संस्था वर्ष 2007 से अलग अलग विभागों और जिलों में प्रशिक्षण दे रही है। बिहार पुलिस के अपराध अनुसंधान विभाग (कमजोर वर्ग) के साथ तालमेल बैठाकर सेंटर फॉर कैटालिजिंग चेंज ने राज्य के 38 जिलों में पदस्थापित कर्मियों को कई चरणों में प्रशिक्षण दिया गया है। साथ ही इस बारे में बिहार पुलिस के अन्य इकाईयों जैसे- बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस, रेलवे, बिहार पुलिस अकादमी के सदस्यों को भी कई चरणों में प्रशिक्षित किया गया।

लूट का विरोध करने पर हथियार के बट से हमला

भागलपुर: भागलपुर के नाथनगर थाना क्षेत्र के पुरानी सराय मोड के समीप शुक्रवार की देर रात बाइक सावर बदमाशों ने हथियार के बल पर एक युवक से रुपए समेत एक मोबाइल लूट लिए। लूट का विरोध करने पर बदमाशों ने हथियार के बट से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक किसी तरफ नाथनगर थाना पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर नाथनगर पुलिस पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित युवक अपराधियों को पहचानता है, जिसके आधार पर पुलिस ने अपराधियों के घर पर भी छापेमारी की। तीनों अपराधी घर से फरार है। वारदात के बाद से इलाके के लोग डरे सहमे हुए हैं। घायल युवक ने बताया कि नाथनगर तरफ जा रहे थे, तभी बाइक पर तीन लोगों ने मेरा पीछा करने लगा जिसके बाद मुझे गाली गलौज करने लगा, फिर जेब में रखे रुपय और मोबाइल छीन लिया, लूट का विरोध किए तो हथियार के बट से मारकर घायल कर दिया। इधर, घटना के बाद नाथनगर पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर उनका इलाज जारी है। खबर लिखे जाने तक उक्त युवक ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज नहीं करवाई है। नाथनगर थाना अध्यक्ष आनंद किशोर राय ने बताया कि पीड़ित की तरफ से अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है लेकिन शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।।

22 केन्द्रों पर होगी दरोगा भर्ती परीक्षा

भागलपुर: पुलिस अवर निरीक्षक (दरोगा) पदों पर नियुक्ति के लिए रविवार को शहरी क्षेत्र के 22 परीक्षा केंद्रों पर प्रारंभिक लिखित प्रतियोगिता परीक्षा होगी। इसको लेकर जिला प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। शनिवार को समाहरणालय स्थित समीक्षा भवन में जिलाधिकारी के अध्यक्षता बैठक की गई। डीएम ने सभी सेंटरों पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट के अलावा जोनल, सुपर जोनल और सीनियर सुपर जोनल मजिस्ट्रेटों की तैनाती की है। परीक्षा दो पाली में होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक होगी। परीक्षा में कुल 10 हजार 24 परीक्षार्थी बैठेंगे। परीक्षा के एक दिन पहले से केंद्र के आसपास धारा 144 लगाने का आदेश एसडीओ को दिया गया है। डीएम ने बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देश से सभी दंडाधिकारियों को अवगत कराते हुए निर्देश दिया है। डीएम सुब्रत कुमार सैन ने बताया कि पुलिस अवर निरीक्षक (दरोगा) की परीक्षा रविवार को होनी है। जिसको लेकर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया गया है। 22 केंद्रों पर करीब 10 हजार अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इसको लेकर हम लोग पुख्ता इंतजाम कर रहे हैं। परीक्षा शांति सद्भाव में हो इसको लेकर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया गया है। वहीं एसएसपी आनंद कुमार ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

मैट्रिक की परीक्षा में छात्र से अधिक छात्राए

बेगूसराय : बेगूसराय में बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा फरवरी में आयोजित होने वाले मैट्रिक की परीक्षा के लिए 37 और इंटर के परीक्षा के लिए 34 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। मैट्रिक की परीक्षा में 54 हजार 919 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। मैट्रिक की परीक्षा दो शिफ्ट में आयोजित होगी। प्रथम पाली में 27 हजार 528 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। वहीं, दूसरी पाली में 27 हजार 391 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रथम पाली में लड़कों की संख्या 12 हजार 383 एवं लड़कियों की संख्या 15 हजार 145 है। वहीं, द्वितीय पाली में लड़कों की संख्या 12 हजार 343 एवं लड़कियों की संख्या 15 हजार 48 है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि मैट्रिक की परीक्षा में छात्राओं की संख्याओं में प्रतिवर्ष इजाफा होते जा रहे हैं जो कहीं ना कहीं सरकार के कल्याणकारी योजनाओं का लाभ का ही असर कहा जा सकता है। प्रथम पाली में लड़कों की तुलना में 2762 छात्राएं अधिक परीक्षा में शामिल होंगी। वहीं द्वितीय पाली में भी 2705 छात्राएं छात्रों की तुलना में अधिक है। जबकि इंटर की परीक्षा के लिए बेगूसराय जिले में 34 परीक्षा केन्द्रों पर 37 हजार 119 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगी। जिसमें विज्ञान संकाय में 20 हजार 52 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। जबकि, कला संकाय में 16 हजार 446 तथा वाणिज्य संकाय में 621 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा को लेकर प्रशासनिक तैयारी शुरू हो गई है। जिला मुख्यालय के अलावा सभी अनुमंडल मुख्यालय में भी परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। इसके लिए संभावित परीक्षा केंद्रों की सूची बिहार विद्यालय परीक्षा समिति को भेज दी गई है। छात्राओं के लिए आदर्श परीक्षा केंद्र भी बनाए जा रहे हैं।

चाय खेती के विकास के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा

किशनगंज : बिहार के एकमात्र चाय उत्पादक किशनगंज जिले के किसानों के अच्छे दिन आने आने वाले है। मालूम हो की जिले में चाय की खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 50% अनुदान कृषि यंत्रों पर प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में पोठिया प्रखण्ड स्थित किसान भवन में चाय की खेती के विकास के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा आयोजित की गई। जिसमें बिहार सरकार की कृषि विभाग अंतर्गत उद्यान निदेशालय की चाय विकास योजना के तहत चाय की खेती पर आश्रित किसानों को अधिक से अधिक लाभ कैसे पहुंचाया जाए, इस पर विस्तार से चर्चा हुई। इस बैठक की अध्यक्षता, पटना से आए चाय के नोडल पदाधिकारी मृत्युंजय चौबे ने की, साथ ही राहुल रंजन, उद्यान सहायक निदेशक कार्यक्रम में मौजूद थे। चौबे ने राज्य सरकार की ओर से चाय की खेती के नए क्षेत्र विस्तार पर और मौजूदा चाय बागान के लिए विभिन्न हॉर्टिकल्चर यंत्रों पर 50% तक सहायता अनुदान की जानकारी दी और चाय किसानों को क्षेत्र विस्तार के लिए प्रेरित किया। सहायक निदेशक राहुल रंजन ने योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन की प्रक्रिया की जानकारी किसानों को दी। राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए राजबाड़ी चाय के निदेशक मनीष दफ्तरी ने चाय की पत्तियों के बेहतर मूल्य वर्धन के लिए टिप्स बताए। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रमुख चाय किसान मुखिया शमीम अख्तर की मुख्य भूमिका रही। इस बैठक में मुमताज, जावेद आलम, साहिद रजा, मोमेरा मुर्मू आदि सहित अनेकों चाय किसानों की मौजूदगी रही।

अवैध टिकट बनानेवाला युवक गिरफ्तार

जमुई :झाझा आरपीएफ ने गुप्त सूचना के आधार पर आईआरसीटीसी के बेवसाईड से अवैध रूप से टिकट बनाने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान जमुई जिले के मनियडडा इलाके के अमित राज के रूप में हुई है। आरपीएफ पुलिस ने युवक के पास एक लैपटॉप, एक मोबाइल बरामद किया है। आरपीएफ पुलिस गिरफ्तार युवक से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। जानकारी के अनुसार झाझा रेलवे आरपीएफ के पदाधिकारी ने गुप्त सूचना के आधार पर जानकारी मिली कि जमुई के एक दुकान से फर्जी तरीके से रेलवे ई टिकट बनाया जा रहा है। सूचना मिलने के

बाद झाझा आरपीएफ इंस्पेक्टर निधि दीक्षित के नेतृत्व में एएसआई विकास कुमार, एएसआई मुशर्फी एवं आरक्षी के साथ एक टीम गठित कर जमुई के मनियडडा के वार्ड संख्या 14 में संचालित हो रहे शिवा इंटरप्राईजेज में पहुंचकर छापेमारी की गई। इस मामले को लेकर आरपीएफ इंस्पेक्टर निधि दीक्षित ने बताया कि फर्जी तरीके से रेलवे ई-टिकट बनाने के मामले में पकड़े गये युवक की पहचान मनियडडा निवासी अमित राज के रूप में हुई है। पकड़े गये युवक पर झाझा आरपीएफ थाना में प्राथमिकी दर्ज कर युवक से आरपीएफ के द्वारा पूछताछ करते हुये आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने पहले से बनाए दस रेलवे ई टिकट भी बरामद किया है। जिसकी कुल किमत 7701 रुपए है।

संक्षिप्त डायरी

चांदी की पालिका पर चरण पादुका

गया : गया के प्रभु श्रीराम का विवाह रविवार को विष्णुपद मंदिर में होने जा रहा है। इसकी सारी तैयारी पूरी हो चुकी है। विवाह के एक दिन पहले शनिवार को भगवान राम की भव्य बारात निकाली गई। बारात विष्णुपद मंदिर प्रबंध कारिणी समिति की ओर से निकाली गई। विवाह और बारात को लेकर शहर के लोगों के बीच गजब का उत्साह है। विष्णुपद मंदिर के पंडा और ब्राह्मण भी अपने अनन्य के विवाह में खासे व्यस्त हैं। हर एक काम विधि विधान और पारंपरिक विधी विधान से किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष शम्भू लाल बिट्ठल का कहना है कि रविवार की शाम प्रभु श्रीराम का विवाह धूमधाम से मांगलिक गीतों और निपुण ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच होगा। उन्होंने बताया कि चांदी की पालकी पर भगवान की बारात बैंड-बाजा ऊंट-घोड़ा सहित विष्णु पद मंदिर से निकलकर दक्षिण दरवाजा, नारायण चुआं, चांदचौरा, नई सड़क, रामसागर रोड, कोइरीबाड़ी, पीर मंसूर, गोदाम केपी रोड, टेकारी रोड, आजाद पार्क, गोल पत्थर, लहरिया टोला, टावर चौक, रमना और कोइरीबाड़ी होते हुए विष्णुपद मंदिर लौटेगी। प्रभु राम की बारात में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। जगह-जगह बारात और बारातियों के ऊपर फूलों की बारिश कि जा रही है। बैंड बाजे की धुन पर लोग झूमते चल रहे हैं। बारात में झांकी भी साथ चल रही है। जिस भी रास्ते से बारात गुजर रही है। उस इलाके में वातावरण भक्तिमय हो जा रहा है। प्रभु राम का विवाह समारोह 18 दिसम्बर तक चलेगा।

हथियार के साथ गिरफ्तार बंदी पुलिस गिरफ्त से भागायुवक को पैर लगी गोली

समस्तीपुर: समस्तीपुर के सरायरंजन थाने की पुलिस द्वारा हथियार के साथ गिरफ्तार हुआ आरोपी शनिवार को सदर अस्पताल में मेडिकल जांच के दौरान फरार हो गया। हंगामा करते हुए पीछा कर रही पुलिस ने उसे एसपी आवास रोड से कुछ देर बाद गिरफ्तार कर लिया। पकड़े जाने के बाद पुलिसकर्मियों ने उसकी जमकर पिटाई भी कर दी। इसके बाद उसे न्यायालय भेज दिया गया। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान मोहम्मद अरमान के रूप में की गई है। बताया जाता है कि उसे सरायरंजन थाना पुलिस ने आर्म्स एक्ट के एक मामले में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिसकर्मी उसे मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंची थी। मेडिकल जांच कराने के बाद पुलिसकर्मी उसे गाड़ी पर बैठाने के लिए ले जा ही रहे थे कि इसी बीच अभियुक्त हाथ से हथकड़ी निकाल कर भाग खड़ा हुआ। घटना के बाद पुलिस महकमे में भी कुछ देर के लिए खलबली मच गई। पुलिसकर्मी शोर मचाते हुए उसके पीछे दौड़े। इसी बीच अभियुक्त भाग कर हॉस्पिटल गोलंबर से एसपी आवास की ओर चला गया। जहां कुछ दूर भागने पर चर्च के पास उसे दबोच लिया गया। मात्र कुछ मिनटों में ही अभियुक्त के पकड़े जाने के बाद पुलिसकर्मियों ने राहत की सांस ली। सदर डीएसपी संजय पांडे ने बताया कि मोहम्मद अरमान को सरायरंजन पुलिस में आर्म्स एक्ट के मामले में गिरफ्तार किया था। जिसके बाद उसे आज मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया था। वहीं वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था हालांकि उसे कुछ देर बाद ही गिरफ्तार कर लिया गया उसे जेल भेज दिया गया है।

6 थाना के नए थानाध्यक्ष की हुई पोस्टिंग

मोतिहारी: एसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने पिछले दिनों आठ थाना में से दो थानाध्यक्ष को इस थाना से दूसरे थाना भेजा था जबकि छह को लाइन क्लोज किया था। उन सभी खाली थाना में शनिवार को चंपारण रेंज के डीआईजी के अनुमोदर के बाद एसपी ने छह थानाध्यक्ष का पोस्टिंग की है। एसपी ने बताया कि छह थाना जो खाली हुआ था, उसमें आज पोस्टिंग कर दी गई है। पुलिस केंद्र से शिकारगंज थाना के थानाध्यक्ष बने मो. शाहरुख, मुफ्फसिल थाना के क अ नी राकेश राय को दरपा थाना के थानाध्यक्ष बनाया गया है। केसरिया थाना के क अ नी रामसरन साह को नकरदेई थाना के थानाध्यक्ष बनाया गया है। क्यूआरटी रक्सौल प्रभारी राजेश कुमार को डुमरिया घाट थाना के थानाध्यक्ष बनाया गया है। अभियोजन शाखा पुलिस कार्यालय से राजीव कुमार को छौड़ादानों के थानाध्यक्ष बनाया गया है। पकड़ीदयाल थाना के क अ नी मनोज राम को जय बजरंग ओपी प्रभारी बनाया गया है। जिन लोगों की थाने में पोस्टिंग की गई है, उन्हें 24 घंटे के योगदान ले कर सूचना देने का निर्देश दिया है।

15 केंद्रों पर होगी SI की परीक्षा

बक्सर: बक्सर में 15 केंद्रो पर पुलिस अवर निरीक्षक की लिखित परीक्षा 17 दिसंबर से होने वाली है। जिसे लेकर प्रशासनिक तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कदाचार मुक्त परीक्षा विधि व्यवस्था संधारण हेतु डीएम और एसपी द्वारा संयुक्त आदेश जारी किया गया है। परीक्षा दो पालियों में सम्पन्न कराया जाएगा। दोनों पालियों को मिलाकर कुल 16 हजार अभ्यर्थियों को भाग लेने वाले है। प्रथम पाली में 8 हजार दो दूसरी पाली में आठ हजार भाग लेंगे।

बक्सर जिला जन संपर्क पदाधिकारी विनोद कुमार से मिली जानकारी के अनुसार परीक्षा 17 दिसंबर को प्रथम पाली 10:00 बजे पूर्वाह्न से 12:00 बजे दोपहर तक एवं द्वितीय पाली 2:30 दोपहर से 4:30 शाम तक आयोजित की जाएगी। दोनों पालियों के लिए अलग-अलग अभ्यर्थी होंगे एवं दोनों पालियां की लिखित परीक्षा में अलग-अलग प्रश्न पत्र होगा। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों पर प्रथम पाली के लिए 9:30 बजे सुबह तक एवं द्वितीय पाली के लिए 2:00 बजे दोपहर तक प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। बक्सर एसपी और डीएम ने संयुक्त आदेश जारी कर कहा है की परीक्षा केंद्र के 200 मीटर की दूरी तक अनुमंडल दंडाधिकारी बक्सर धारा 144 दंड प्रक्रिया संहिता लागू करेंगे। परीक्षा केंद्रों के आस पास फोटो स्टेट दुकानों को परीक्षा समाप्ति तक बंद करना अनुमंडल दंडाधिकारी बक्सर सुनिश्चित करेंगे।अनुमंडल पदाधिकारी/अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर सोशल मीडिया पर साइबर सेनानी व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से लगातार नजर बनाए रखेंगे आपत्तिजनक टिप्पणी प्राप्त होने पर तत्क्षण कार्रवाई करेंगे। परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम दो घंटा पूर्व केंद्रधीक्षक एवं परीक्षा कार्य में प्रतिनियुक्ति वीक्षक एवं कर्मी परीक्षा केंद्र पर अवश्य पहुंच जाएंगे। जिला नियंत्रण कक्ष बक्सर समाहरणालय परिसर स्थित जिला आपदा शाखा में चिन्हित भवन में कार्यरत होगा जिसका दूरभाष संख्या 06183-223333 है। जिला नियंत्रण कक्ष के संपूर्ण प्रभार में श्री विनोद कुमार सिंह जिला योजना पदाधिकारी बक्सर (मो० 8318580831) रहेंगे एवं उनके सहयोग हेतु सुश्री शशि सिंह सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी बक्सर (मो० 7007680226) रहेंगे।परीक्षा तिथि को यातायात सुगम रूप से संचालित हो साथ ही परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की कोई ट्रैफिक जाम न हो इसे प्रभारी यातायात बक्सर अलर्ट किया गया है।

सर्द रातों में कोई भी खुले में न सोए : सीएम योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को हिदायत दी है कि सर्द रातों में कोई भी खुले आसमान तले न सोने पाए। जो भी सड़क किनारे खुले में सोता मिले, उसे रैन बसेरों में लाया जाए। रैन बसेरों में ठहरने के बेहतरीन इंतजाम होने चाहिए। मकर सक्रांति पर गोरखनाथ मंदिर में लगने वाले ऐतिहासिक खिचड़ी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को भी उनकी आवश्यकता के अनुसार रैन बसेरों में व्यवस्थित किया जाए। सभी रैन बसेरों में पर्याप्त संख्या में बिस्तर व कंबल का इंतजाम हो। साफ सफाई का भी पूरा ध्यान रखा जाए। साथ ही यदि किसी के पास भोजन की व्यवस्था नहीं है तो उसे भोजन भी उपलब्ध कराया जाए। सीएम योगी शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में अधिकारियों के साथ शीतकाल में जरूरी नागरिक सुविधाओं की स्थिति और खिचड़ी मेला की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रात में पुलिस पैट्रोलिंग बहुत जरूरी है। पैट्रोलिंग के दौरान यदि कोई व्यक्ति खुले में सोते मिले तो पुलिसकर्मी उसे सम्मानपूर्वक निकटतम रैन बसेरे तक पहुंचा दें। कोई भी बेसहारा या जरूरतमंद सड़कों पर ठिठुरता न दिखाई दे।

उनके ठहरने की सम्मानजनक व्यवस्था कराई जाए। सीएम योगी ने कहा कि सड़कों पर यदि कोई मानसिक रूप से विक्षिप्त हो तो उसे मानसिक मंदित आश्रय स्थलों पर भेजा जाए। यदि कोई व्यक्ति रात में बार-बार सड़क किनारे पाया जा रहा है तो उसके बारे में गहन जांच भी जरूरी है। जांच में उसकी गतिविधि या संलिप्तता असामाजिक कार्यों में मिले तो प्रभावी कार्रवाई भी की जाए। सर्द मौसम और खिचड़ी मेले के दौरान मुख्यमंत्री ने हर जगह पर पर्याप्त अलाव की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। खिचड़ी मेला की तैयारियों की जानकारी लेते हुए सीएम योगी ने कहा कि खिचड़ी मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा व सहूलियत प्राथमिकता होनी चाहिए। यह ध्यान रखा जाए कि श्रद्धालुओं को कहीं कोई दिक्कत न हो।

भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया देना होगा। समय रहते मंदिर मार्ग की सभी स्ट्रीट लाइट का परीक्षण कर कोई दिक्कत मिलने पर उसे दुरुस्त कर लिया जाए। इस दौरान पीडब्ल्यूडी, नगर निगम, पुलिस, बिजली विभाग, दूरसंचार, स्वास्थ्य विभाग, आपूर्ति विभाग, वन विभाग व वन निगम, पूर्वोत्तर रेलवे, परिवहन विभाग ने खिचड़ी मेला को लेकर अपनी तैयारियों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। बैठक में महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, एडीजी जोन अखिल कुमार, कमिश्नर अनिल ढींगरा, आईजी रेंज जे. रविंद्र गौड़, जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश, एसएसपी गौरव ग्रोवर, नगर आयुक्त गौरव सोगरवाल, सीएमओ डॉ आशुतोष दूबे, समेत प्रशासन, पुलिस, पीडब्ल्यूडी, बिजली समेत कई विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़कों को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त करने की हिदायत देते हुए कहा है कि स्ट्रीट वेंडर्स का सुव्यवस्थित पुनर्वासन भी सुनिश्चित किया जाए। स्थान चयनित कर उन्हें पुनर्वासित किया जाए ताकि उनके कारोबार पर असर न पड़े।

संक्षिप्त डायरी

पति ने पत्नी को चाकू मार कर किया घायल

संवाददाता

कसया,कुशीनगर। कसया थाना क्षेत्र के गोबरही चौराहें पर शनिवार को अपने भाई के साथ मायके जा रही पत्नी को उसके पति ने ही चाकू से वार कर दिया। आसपास के लोगों ने घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया। मिली जानकारी के अनुसार रामकोला थाना क्षेत्र के टेकुआटार बड़वाछापर निवासी बिरेन राजभर अपने लडकी मनीषा की शादी नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के सिरसिया वीरभान निवासी शैलेष राजभर से करीब दो वर्ष पूर्व किए थे। पति पत्नी में शादी के बाद से किसी न किसी बात को लेकर अनबन हुआ करता था। जिसके वजह से पत्नी अपने भाई को बुलाकर मायके जा रही थी कि कसया थाना क्षेत्र के गोबरही पेट्रोल पंप के समीप पहुंचे ही थे कि पीछे से उसका पति भी आ गया और दोनों के बीच कहासुनी होने लगी। इसी दौरान पति ने चाकू से पत्नी पर वार कर दिया। मौके पर जुटे लोगों ने घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया। जहां उसका इलाज चल रहा है। इस संबंध में घायल महिला के पति शैलेश का कहना है की शुक्रवार की शाम को मुझे बाहर कमाने के लिए जाना था। जिसे लेकर मेरी पत्नी अपने मायके जाना चाहती थी मां से भी झगड़ा कर ली थी। 2 महीने पहले भी मायके से घर पर आई हुई थी। बार बार मायके कैसे भेज दू। आज सुबह किसी को फोन कर बाइक से निकल गई पता करने पर पता चला की पडरौना में है। पूरा पडरौना ढूंढ लिया पर कही नही मिली। ससुराल में भी फोन कर पता किया परंतु वहा भी नही पहुंची थी। मेरे पूरे गांव में शोर हो गया की किसी लड़के के साथ भाग गई। जब मैं उसे ढूंढते हुए गोबरही के पास पहुंचा तब वह वहा दिखी। सीओ कसया कुंदन सिंह ने बताया की अभी तहरीर नहीं मिला है। आरोपी युवक को पुलिस हिरासत में लेकर जांच पड़ताल कर रही है।

मृत्यु व दिव्यांग पर आई-श्रम कार्ड धारकों को मिलेगा आर्थिक लाभ : सूरज पाल सिंह

संवाददाता

अमरोहा। श्रम विभाग की ओर से ई-श्रम कार्ड धारक की मृत्यु या दिव्यांग होने की स्थिति में उन्हें विभाग की ओर से आर्थिक मदद प्रदान की जाएगी। इसके लिए कार्ड धारक का पंजीकरण 26 अगस्त सन 2021 से 31 मार्च सन 2022 के बीच हुआ हो योजना का लाभ लेने के लिए पीड़ित स्वजन को श्रम विभाग कार्यालय में मृत्यु प्रमाण पत्र, ई-श्रम कार्ड, पंचनामा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, आधार कार्ड व बैंक पासबुक की छाया प्रति के साथ आवेदन करना होगा। श्रम विभाग की ओर से असंगठित श्रमिकों के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिनमें उन्हें परेशानी के समय में आर्थिक दिक्कतों का सामना करना ना पड़े। ऐसे में भारत सरकार के श्रम व रोजगार मंत्रालय द्वारा संगठित श्रमिकों का पोर्टल पर पंजीकरण कराते हुए उनको ई-श्रम कार्ड जारी किया गया था। जिससे उन्हें सरकारी योजना का आसानी से लाभ मिल सके। वही जनपद अमरोहा के श्रम प्रवर्तन अधिकारी डॉक्टर सूरज पाल सिंह ने बताया कि विभाग की ओर से पोर्टल पर 16 अगस्त सन 2021 से 31 मार्च सन 2022 तक पंजीकरण करने वाले ई-श्रम कार्ड धारक की मृत्यु या दिव्यंगता की स्थिति में स्वजन को आर्थिक मदद दी जाएगी। परंतु इसके साथ ही वह इस दौरान आयकरदाता ईपीएफ या ईएसआईसी का सदस्य ना हो। तभी उसे योजना का पात्र माना जाएगा। इसके लिए घायल होने की स्थिति में पंजीकृत श्रमिक या उसके स्वजन को श्रम विभाग में आवेदन करने के साथ ही मेडिकल रिपोर्ट में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। जब मृत्यु की स्थिति में श्रमिक का मृत्यु प्रमाण पत्र, ई-श्रम कार्ड, पंचनामा पोस्टमार्टम रिपोर्ट, आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छाया प्रति के साथ आवेदन करना होगा।

विजय दिवसः शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर वीर शहीदों को किया याद

संवाददाता

कुशीनगर। शनिवार को समय 11 बजे विंग कमांडर आलोक सक्सेना, अप्रा, जिला सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास अधिकारी, कुशीनगर की अध्यक्षता में विजय दिवस के उपलक्ष्य में शहीद स्मारक पर रिट भेंट कर तथा माल्यापर्ण कर भव्यता के साथ जलकल भवन, पडरौना में मनाया गया। जिसके विशिष्ठ अतिथि विनय जायसवाल नगर पालिका अध्यक्ष, पडरौना रहे। उन्होंने बताया कि 16 दिसंबर को विजय दिवस के अवसर पर जिला सैनिक कल्याण व पुनर्वास कार्यालय में भी शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर उन वीर शहीदों को याद किया गया जो 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में भारत की ऐतिहासिक जीत के लिए उत्तरदायी थे। उन्होंने बताया कि आज ही के दिन भारत पाक युद्ध में 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों को अस्त्र-शस्त्र सहित आत्मसमर्पण के लिए भारतीय सशस्त्र सेना ने मजबूर कर दिया था और उसी उपलक्ष्य में विजय दिवस का आयोजन किया जाता है। उक्त अवसर पर मनीष जायसवाल, पूर्व सैनिक कैप्टन लाल बहादुर त्रिपाठी, कैप्टन शमसुद्दीन अंसारी, कैप्टन आर०एस० पाण्डेय, अनिल सिंह, ओम प्रकाश एवं अन्य पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

विद्यालय को निपुण बनाने में अभिभावकों की सहभागिता अहमः रामवीर

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के गंगेश्वरी विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में अभिभावक शिक्षक गोष्ठी (ढळट) का आयोजन किया गया।जिसकी अध्यक्षता ग्राम प्रधान राजकुमार ने की एवं संचालन विद्यालय के प्रधान अध्यापक रामवीर सिंह ने किया। बैठक उपरांत ग्राम वासियों को चल रहे सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत शपथ भी दिलाई गई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि विद्यालय को निपुण बनाने में अभिभावकों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। छात्र-छात्राओं को नियमित रूप से विद्यालय भेजने के साथ-साथ शत प्रतिशत उपस्थिति भी बेहद जरूरी है। उन्होंने कम उपस्थिति वाले छात्र छात्राओं के अभिभावकों को से उनकी उपस्थिति शत प्रतिशत करने की अपील की। साथ ही पूर्ण गणवेश में छात्र-छात्राओं को विद्यालय में भेजने के लिए अभिभावकों भी प्रेरित किया। कहा कि विद्यालय के विकास में विद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राओं के अभिभावकों की महती भूमिका रहती है। अंत में प्रधान अध्यापक रामवीर सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत वर्तमान सप्ताह चल रहा है। इस अवसर पर उन्होंने वाहन चालकों से हेलमेट लगाकर ही दो पहिया वाहन चलाने,सीट बेल्ट लगाकार गाड़ी चलाने, शराब पीकर वाहन न चलाने, अधिक तेज गति से वाहन न चलाने और रात्रि में कोहरे के चलते दृश्यता कम होने के वजह से वाहन न चलिने की शपथ उपस्थित अभिभावकों एवं अध्यापकों को दिलाई। इस अवसर पर अभिभावक इन्द्र सिंह,जगदीश सिंह, संजय कुमार, रूपराम सिंह, हुकम सिंह, विजय सिंह, विनोद कुमार,सोमपाल सिंह,सतवीर सिंह,विद्यालय के सहायक अध्यापक अमित कुमार, अजय सागर, मनीष कुमार, राशिद अली, योगेश कुमार, संतराम सिंह, रजनी, रिंकी, पूनम,हेमलता, संतोष,प्रेमवती,सत्यवती, पुष्पा,राधा,अंशू आदि मौजूद रहे।

प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में पारदर्शिता बरतें अधिकारीः जिलाधिकारी

संवाददाता

कुशीनगर। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी उमेश मिश्रा व पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने जनपद के तहसील खड्डा के सभागार में फरियादियों की समस्याओं को सुना। जिलाधिकारी श्री मिश्रा ने कहा कि तहसील दिवस के प्रार्थना पत्रों को ग्राम पंचायतों में जाकर प्रार्थना पत्रों का अधिकारी/ कर्मचारी स्वयं संज्ञान लेते निस्तारण करें तथा ऐसे मामले जिनके निस्तारण में व्यवधान हो उनके सम्बन्ध में अपने उच्च अधिकारियों को अवश्य अवगत कराएं तथा दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास करें। प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में लापरवाही क्षम्य नही होगी। अधिकारी एवं कर्मचारी गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखे। उन्होंने कहा कि जिन शिकायतों का निस्तारण आज नहीं हो सका है उनका समय के अंतर्गत शासन की मंशानुसार सुचिता एवं पारदर्शिता के साथ गुणवत्ता पूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण शत प्रतिशत निस्तारण हो जाना चाहिए तथा फीडबैक अवश्य लें। निस्तारण योग्य प्रकरण है तो अपने स्तर पर विशेष सूची में नोट करते हुए निस्तारित करना सुनिश्चित करें। डीएम द्वारा शिकायत निस्तारण पंजिका का अवलोकन भी किया गया तथा स्वयं शिकायतकर्ता से दूरभाष पर संपर्क कर निस्तारण की गुणवत्ता का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक श्री जायसवाल ने पुलिस विभाग से जुडे मामलों की सुनवायी की व पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं थानाध्यक्षो को प्राप्त सभी सन्दर्भो का निस्तारण सुनिश्चित कराये जाने का निर्देश दिये। राजस्व के 19 में तीन का निस्तारण हुआ। राजस्व व पुलिस के संयुक्त मामले 4, पुलिस विभाग के 09, विकास के 07 तथा अन्य विभाग के 14 मामलों में से 3 का निस्तारण तत्काल किया गया। कुल 53 मामलों में 6 निस्तारण हुआ। शेष मामले सम्बंधित विभाग निस्तारण के लिए भेज दिए गए। तत्पश्चात पकड़ियार महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर फीता काट कर किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में इस अवसर पर जनपद के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

घर से लापता विवाहिता का कुएं में मिला शव, चार बच्चों के सिर से उठा मां का साया

वाराणसी। जिले के जैतपुरा थाना क्षेत्र के अमानुल्लाहपूरा इलाके में रहने वाली 33 वर्षीय विवाहिता का शव शनिवार को राजापुरा स्थित एक कुएं में मिला। जिसके बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। इस बीच घटना की सूचना किसी ने पुलिस को दे दी। मौके पर जैतपुर पुलिस और विवाहिता के परिजन पहुंचे। पुलिस की मौजूदगी में विवाहिता का शव कुएं से बाहर निकाला गया। मृतका के पति मोहम्मद अमीन ने बताया कि उसकी पत्नी सलमा दिमागी रूप से अस्वस्थ थी। बीते 14 दिसंबर से वह लापता थी। जैतपुरा थाने में उसकी गुमसुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इस बीच शनिवार की सुबह सूचना मिली कि राजापुरा इलाके में कुएं में एक महिला का शव मिला है। वहां पहुंचकर देखा तो शव का शिनाख्त सलमा के रूप में हुआ। पति अमीन ने बताया कि सलमा का इलाज चल रहा था।

यातायात सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अन्तर्गत

जागरुकता प्रचार रैली का आयोजन

संवाददाता

अमरोहा। माननीय मुख्य मंत्री उत्तर प्रदेष सरकार एवं परिवहन आयुक्त उ0प्र के आदेषानुसार द्वितीय सड़क सुरक्षा पखवाड़ा 2023-23 के द्वितीय दिवस जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह जनपद के निर्देषन में प्रातः 11.30 बजे एक यातायात एवं सड़क सुरक्षा जागरुकता प्रचार रैली का आयोजन किया गया। जिसके अर्न्तगत एक दर्जन से अधिक पी0ओ सिस्टम लगे प्रचार वाहन रवाना किये गये, उक्त प्रचार वाहनों को उत्तर प्रदेष मॉटी कलां बोर्ड के अध्यक्ष (दर्जा मंत्री) माननीय ओम प्रकाश गोला जी ने हरी झण्डी दिखाकर कर

रवाना किया उक्त कार्यक्रम में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन/सड़क सुरक्षा) समाजसेवी एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति के गैर सरकारी सदस्य श्री अनिल कुमार जग्गा, सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिक वैभव सोती, चौधरी महावीर सिंह,डा0 वी0के0सैनी, लेखराज सैनी, मनोज बसोइवाल, यातायात प्रभारी धमेन्द्र खोकर प्रदीप सिंह, चौधरी सुधीर, प्रान्तीय रक्षा दल तथा होमगार्ड तथा यातायात पुलिस के जवानो द्वारा प्रतिभाग किया तथा बड़ी संख्या में लाइसेंस आवेदक एवं वाहन स्वामी उपस्थित रहें। प्रचार रैली रवाना करने से पूर्व माननीय ओम प्रकाश गोला जी एवं सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) महेश कुमार शर्मा ने उपसंभागीय परिवहन कार्यालय में उपस्थित आवेदको एवं वाहन स्वामीयों को सड़क दुर्घटनाओं को कम करने तथा सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को मदद कर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिये क्या करें तथा क्या ना करें तथा गुड सेमेरिटन के लिये बनी नियमावली से अवगत कराया गया तथा सड़क दुर्घटनायें रोकने में सजग रहने के लिए प्रेरित किया तथा अन्त में सभी उपस्थित जन को सड़क सुरक्षा षपथ ग्रहण कराई गयी।

ग्राम पंचायत मखदुमपुर में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन का आयोजन

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के विकासखंड अमरोहा के ग्राम पंचायत मखदुमपुर में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन का आयोजन। जिसमे मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद यूपी डॉक्टर अनिल अग्रवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष उदय गिरी गोस्वामी, अमरोहा ब्लॉक प्रमुख सरदार गुरेंदर सिंह, आदि मौजूद रहे। सभी अथितियो ने भगवान गणेश जी की स्मृति पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत कि ग्राम प्रधान मधु चौधरी ने सम्मेलन में उपस्थिति सभी का बुके भेट कर फूल मालाओं का साथ जोरदार

स्वागत किया। इस दौरान महिला सशक्तिकरण सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए राज्य सभा सांसद डॉक्टर अनिल अग्रवाल ने कहा कि भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार गरीब लोगों को तरह-तरह की योजना का लाभ दिलाने का काम किया है। प्रदेश सरकार मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रत्येक जागरुक कर रही है। जिससे कि आए दिन हो रहे महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों को रोका जा सके। इसी के साथ उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने महिलाओं को निशुल्क राशन , आयुष्मान कार्ड, शहरी ग्रामीण आवास, समूह के माध्यम से महिलाओं को रोजगार, आदि योजनाओं का लाभ गरीब लोगों को उपलब्ध करने का काम किया है। आज देश हो या प्रदेश सभी गरीब लोग भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार की छोटी बड़ी योजनाओं से गरीब लोग आगे बढ़ रहे हैं। जैसा कि सरकार का सपना है सबका साथ, सबका विकास, सभी के विश्वास को लेकर जनता के बीच कार्य कर रही है। इसी के साथ मखदुमपुर ग्राम पंचायत की ग्राम प्रधान मधु चौधरी ने बाहर से आए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया है।

कृष्णा साहा व विमलेश मल्ल स्मारक क्रिकेट प्रतियोगिता आज से

पटना और आजमगढ़ के बीच होगा उद्घाटन मैच

संवाददाता

कुशीनगर। शहर के यूनएनपीजी कॉलेज के खेल मैदान में पडरौना क्रिकेट क्लब की ओर से स्व.कृष्णा साहा व स्व.विमलेश मल्ल की स्मृति में 16 वें वर्ष ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता का रविवार को भव्य कार्यक्रमों के बीच शुभारंभ किया जाएगा। प्रतियोगिता का खेल मैदान पर विविध कार्यक्रमों के बीच उद्घाटन मैच का शुभारंभ पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री आरपीएन सिंह व भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय द्वारा किया जाएगा।

उद्घाटन मैच रविवार को दिन के 10 बजे से पटना और आजमगढ़ की

टीम के बीच खेला जाएगा। प्रतियोगिता को लेकर सभी तरह की तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं। खेल मैदान सजकर तैयार हो चुका है। दोनों टीमों के लिए पवेलियन छोर बनाए गए हैं। पैनल के अंपायर 25 - 25 ओवर के मैच को पूरा कराएंगे। उदित नारायण पीजी कॉलेज के छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कृष्णा साहा व छात्रनेता विमलेश मल्ल की याद में प्रति वर्ष पडरौना क्रिकेट क्लब द्वारा ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। आयोजन समिति के सदस्य सतीश साहा ने बताया कि रविवार की सुबह 9 बजे से खेल मैदान से प्रभात फेरी निकाली जाएगी। खेल मैदान से तिलक चौक तक प्रभात फेरी निकालकर स्व.कृष्णा साहा व स्व. विमलेश मल्ल को श्रद्धांजलि दी जाएगी। प्रतियोगिता के मीडिया प्रभारी प्रिंस तिवारी ने बताया कि उद्घाटन मैच पटना और आजमगढ़ के बीच खेला जाएगा। मीडिया प्रभारी ने बताया कि ग्रुप ए में पटना, आजमगढ़, भदोही व गोपालगंज की टीमें शामिल हैं। वहीं ग्रुप बी में मुजफ्फरपुर, लखनऊ, पडरौना व समस्तीपुर की टीमें शामिल हैं।

स्वर्गीय मिश्र एक आदर्श जनप्रतिनिधि थेः दुर्गेश राय

पूर्व सांसद स्व0 रामनगीना मिश्रा की मनी पुण्यतिथि

संवाददाता

कुशीनगर। पडरौना लोकसभा से पांच बार सांसद रहे स्वर्गीय रामनगीना मिश्र की द्वितीय पुण्यतिथि पर शनिवार को रामकोला रोड स्थित एक मैरेज हॉल में श्रद्धांजलि सभा आयोजित किया गया। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सांसद रहते हुए राम मंदिर आंदोलन में आहुति देने वाले राम नगीना मिश्र के जीवन में राम मंदिर का निर्माण सबसे बड़ी प्राथमिकता थी। जिसके लिए वे आजीवन प्रयासरत रहे और कभी कोई समझौता नहीं किया। स्व0 मिश्र ने मंदिर आंदोलन को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोकसभा में भाजपा के जब मात्र दो सदस्य थे। तब राममंदिर के मुद्दे पर उन्होंने जाके प्रिय न राम बैदेही कह कर संसद में भूचाल ला दिया था। मंदिर के लिए कांग्रेस पार्टी छोड़ने के उनके फैसले से राजीव गांधी की प्रचंड बहुमत की सरकार की चूलें हिल गई थीं।

उन्होंने कहा कि स्वर्गीय मिश्र एक आदर्श जनप्रतिनिधि थे जो आजीवन क्षेत्र की जनता और पार्टी कार्यकताओं की हितों की रक्षा के लिए तत्पर और प्रयासरत रहे। पूर्व जिलाध्यक्ष जगदम्बा सिंह, लल्लन मिश्र, पडरौना नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल, पूर्व विधायक मदन गोविंद राव, दीपलाल भारती, बंका सिंह, हरिवंश मिश्र,

डॉ संजय मिश्र, एडवोकेट किशोर यादव, धन्नजय तिवारी द्वितीय, हरिशंकर राय, संजीव दीक्षित, अमित पाण्डेय, सुनील दूबे अटल ने भी स्वर्गीय मिश्र व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कार्यक्रम संयोजक व मां नारायणी सामाजिक कुम्भ के संयोजक मनोज पाण्डेय ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया और संचालन प्रभाकर पाण्डेय ने किया।इस अवसर पर प्रवीण मिश्र गुंजन, रविन्द्र प्रसाद, रामकोला नगर पंचायत अध्यक्ष सतीश चौधरी,मार्कण्डेय दूबे,हरिओम कुशवाहा, बिपिन बिहारी मिश्र, धर्मेंद्र राव, महेश रौनियार, रामदेव कुशवाहा, अनूप श्रीवास्तव, राजेश गुप्ता, अमित दुबे,सूरज गुप्ता,गिरीश चतुवेर्दी, रोशनलाल भारती, राकेश मद्देशिया,सर्वेश पाठक,यशपाल दीक्षित, भुवनेश्वर त्रिपाठी,वेद व्यास तिवारी, अवधेश पाण्डेय, हरिलाल कुशवाहा,गया प्रजापति, दुर्गेश मिश्र,सूरज गोविंद राव,सत्यम शुक्ल, रितिक सिंह सहित सैंकड़ों लोग उपस्थित थे।

मथुरा की सुनवाई

मथुरा धर्मस्थल विवाद में तेजी आ गई है। धर्मस्थल विशेष के सर्वे को उत्तर प्रदेश उच्च न्यायालय ने मंजूरी दी थी, जिसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। मगर अब सर्वोच्च न्यायालय ने सर्वे पर रोक लगाने से मना कर दिया है। अब लोगों की निगाह उच्च न्यायालय के आगामी फैसले पर है, जो अगले सप्ताह आएगा, जिसमें सर्वे के बारे में स्पष्ट दिशा-निर्देश संभावित हैं। जहां तक सर्वोच्च न्यायालय का प्रश्न है, तो जनवरी के मध्य में ही वहां इस मामले की सुनवाई होगी। सर्वोच्च न्यायालय में यह मामला पहले से ही लंबित है और उच्च न्यायालय में भी सर्वे को लेकर सुनवाई चल रही है। याचिकाकर्ताओं की कोशिश है कि इस मामले की सुनवाई सर्वोच्च न्यायालय ही करे और उच्च न्यायालय को किसी आदेश-निर्देश से रोका जाए। बहरहाल, ईदगाह पक्ष को निराशा हाथ लगी है, क्योंकि अब यह लगभग तय हो गया है कि मथुरा धर्मस्थल का सर्वे होगा। ध्यान रहे, काशी का ज्ञानवापी सर्वे मामला भी लगातार सुर्खियों में बना हुआ है और अब मथुरा ईदगाह मामला भी सुर्खियों में पहुंच गया है। इसमें कोई दोराय नहीं कि ये मामले बेहद संवेदनशील हैं और इनमें अदालतों को अपना काम करने देना चाहिए। कानून के तहत अदालतों को जो उचित प्रतीत होगा, उसे सभी को स्वीकार करना चाहिए। वास्तव में, विवाद पुराना है और इसका सबसे दुखद पक्ष इस पर होने वाली राजनीति ही है। अदालतों में जो सुनवाई होती रही है, वह कागजों या साक्ष्यों के आधार पर अगर चलती रहे, तो किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। अंततः यह देश किसी समुदाय के पक्ष या विपक्ष में नहीं, बल्कि संविधान की रोशनी में ही आगे बढ़ना चाहिए। जिन अदालतों में ऐसे मामले हैं, उन्हें विशेष सावधानी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। राजनीति से प्रभावित होने के बजाय साक्ष्यों पर विश्वास करना ज्यादा सही है। धर्मस्थलों से जुड़े भावनात्मक ज्वार यह देश अनेक बार देख चुका है और कई ऐसे अप्रिय मंजर भी सामने आए हैं, जिनकी जिम्मेदारी लेने के लिए कोई तैयार नहीं होता है। अतः जब ऐसा कोई मामला जोर पकड़ता है, तो चिंता स्वाभाविक ही जाग जाती है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद जितनी जल्दी सुलझ जाए, उतना अच्छा है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने गुरुवार को मस्जिद परिसर के निरीक्षण के लिए एक आयोग की नियुक्ति की मांग करने वाले आवेदन को अनुमति दी है, तो आगे भी उच्च न्यायालय को ही यह भी सुनिश्चित करके चलना चाहिए कि आगे किसी तरह से अप्रिय स्थिति उत्पन्न न होने पाए। अदालतों में जो होगा, उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि क्या अदालतें इस मुद्दे पर किसी तरह की सियासत पर रोक लगा सकती हैं? क्या हमारे सियासी दल इस मुद्दे पर जरूरी संयम बरत सकते हैं? यह विवाद तो लगभग तीन सदी पुराना है और मथुरा की अदालतों में कम से कम एक दर्जन मामले दायर थे। इन सभी याचिकाओं में एक समान 13.77 एकड़ के परिसर से ईदगाह को हटाने की प्रार्थना है। खास बात यह है कि इस साल मई में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सभी याचिकाओं को उचित ही अपने यहां सुनवाई के लिए रख लिया।

जिम्मेदारी निभाए संसद

संसद में शीतकालीन सत्र के दौरान 13 दिसंबर को हुई सुरक्षा चूक पर पक्ष-विपक्ष का जो रुख देखने को मिल रहा है, वह निराश करने वाला है। हालांकि इस बात को लेकर हर पक्ष में सहमति है कि जिस तरह की चूक हुई है वह काफी गंभीर है लेकिन इसके बावजूद देश की संसद इस मसले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा नहीं कर पा रही। जब दर्शक दीर्घा से दो युवक सदन में कूदे और उन्होंने धुआं फैलाकर वहां अफरा तफरी मचा दी, उस समय सदन में पक्ष-विपक्ष का कोई भेद नहीं दिखा। न सिर्फ दोनों युवकों को पकड़कर सुरक्षाकर्मियों के हवाले करने में विपक्षी सांसद आगे रहे, बल्कि घटना के बाद उसका ब्योरा देने और मीडिया के जरिए देश के सामने पूरी स्थिति रखने में भी दोनों पक्षों में सामंजस्य दिखा। इससे यह उम्मीद पैदा हुई कि हमारी संसद इस महत्वपूर्ण घटना से निपटने में पूरी एकजुटता दिखाएगी और सामान्य राजनीतिक मतभेदों को मुद्दा नहीं बनने दिया जाएगा। मगर शाम होते-होते यह स्थिति बदल गई। पार्टी लाइन के हिसाब से रिएक्शन आने लगे। मुद्दा संसद की सुरक्षा में हुई चूक का था, लेकिन कई विपक्षी सांसद इसे नए संसद भवन से जोड़कर देखने लगे और पुराने आरोप-प्रत्यारोप दोहराए जाने लगे। यह सिलसिला अगले दिन और तेज हुआ जब विपक्ष गृहमंत्री के बयान की मांग पर अड़ते हुए हंगामे पर उतर आया। सत्तापक्ष की ओर से भी इसका जवाब कड़ी कार्रवाई के रूप में दिया गया। हालांकि कहने को बातचीत के प्रस्ताव भी दिए गए और मनाने की कोशिशें भी हुईं, लेकिन ये बेनतीजा रहीं। नतीजा विपक्ष के 14 सांसदों के निलंबन के रूप में सामने आया। कुल मिलाकर हालत यह बनी है कि संसद में हंगामा और शोर तो बहुत है, लेकिन इस अहम मसले पर उसके सामूहिक विवेक की कोई ऐसी आवाज नहीं आ रही जो देशवासियों के अलग-अलग हिस्सों में उभरते असमंजस को दूर कर सकती थी। समझना होगा कि भारतीय लोकतंत्र के लिए ये बड़े नाजुक पल हैं। घटना ऐसे समय हुई है जब विदेशी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी तत्वों की ओर से संसद पर हमले की चेतावनी दे दी गई थी। भले संसद में घुसे इन युवकों का पहली नजर में उन तत्वों से कोई रिश्ता न दिख रहा हो, पर जांच एजेंसियों की ओर से अभी उन्हें क्लीन चिट नहीं मिली है। ऐसे में पक्ष-विपक्ष का एक-दूसरे पर दोषारोपण करना बेमानी है।

Social Media Corner

सच के हक में...

भाजपा ने हमेशा आदिवासी समाज का मान रखा है। आजादी के बाद अलग झारखंड राज्य निर्माण के आंदोलन में आदिवासी समाज ने अग्रणी भूमिका निभाई लेकिन दशकों तक शासन करने वाली पार्टियों ने आदिवासी समाज को उपेक्षित रखा। केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार बनने के बाद झारखंड राज्य का निर्माण किया गया, जनजातीय कल्याण मंत्रालय बनाया गया और संथाली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया। प्रधानमंत्री जी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर हमारे समाज को सम्मान दिया है।

(पूर्व प्रधानमंत्री बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

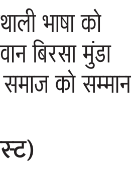

आज रांची में झामुमो के विभिन्न जिलों के वरिष्ठ नेताओं और जुझारू कार्यकर्ताओं के साथ कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में शामिल हुआ। झारखण्ड के वीर शहीदों और आंदोलनकारियों के अथक संघर्ष और बलिदान के बाद हमें अलग राज्य मिला। उसी को आपकी सरकार संवारने का काम कर रही है। आप देख रहे हैं पूरे राज्य में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर उत्सव सा माहौल है। लाखों लोगों को योजनाओं का लाभ मिला है। लाखों लोग विभिन्न योजनाओं से भी जुड़ रहे हैं। आप सभी अपने क्षेत्रों में आमजन को राज्य सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देने का काम करें। जरूरतमंद लोगों को शिविरों के जरिए योजनाओं से जोड़ने का भी काम करें।

(मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

अब कौन नुकसान पहुंचाएगा सरकारी संपत्ति को

ANALYSIS

आर.के. सिन्हा

संसद की स्थायी समिति की ओर से सुझाए गए संशोधनों को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मानसून सत्र में सदन में पेश किए गए भारतीय न्याय संहिता विधेयक, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक, 2023 और भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023 को वापस लेने का प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने मंजूरी दी। इसके बाद उन्होंने नए विधेयकों को पेश किया। भारतीय न्याय संहिता विधेयक की धारा 113(1) में प्रावधान है कि अगर कोई व्यक्ति ऐसी मंशा या हरकत करता है, जिससे देश की संप्रभुता, एकता, अखंडता को नुकसान या खतरा पैदा होता है, या आतंकी घटना की मंशा रखता हो, आतंकी हमले करता हो, इसके लिए बम, हथियार, केमिकल, बॉयोलॉजिकल हथियार और जहर आदि का इस्तेमाल करता हो, जिससे जान-माल का नुकसान हो तो ऐसे मामले में दोषी शख्स को उम्रकैद या फांसी की सजा तक हो सकती है। भारतीय न्याय संहिता विधेयक की धारा 113(5) में कहा गया है कि अगर कोई शख्स भारत की रक्षा परिसंपत्ति को नुकसान पहुंचाता हो या अन्य तरह की सरकार की ऐसी संपत्ति को नुकसान पहुंचाता हो तो वह आतंकवाद यानी टेरर एक्ट माना जाएगा। इसी कानून की धारा 113(बी) में कहा गया- अगर कोई संवैधानिक पद पर बैठे या पब्लिक फंक्शनरी पर हमला करता है या अगवा करता है या ऐसी मंशा रखता है तो ऐसे मामले को भी टेरर एक्ट माना जाएगा।

जिस बात का देश से प्रेम करने वाले हरेक नागरिक को दशकों से इंतजार था, वह अब हो गई है। अब किसी आंदोलन के दौरान कथित आंदोलनकारी सरकारी या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचा सकेंगे। यदि नुकसान पहुंचाया तो उन्हें सख्त सजा होगी। हमारे यहां सरकार से अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन करने वाले आमतौर पर सरकारी बसों, इमारतों, रेलों और दूसरी सार्वजनिक संपतियों को बेशर्मी से तोड़ते रहे हैं। कहना न होगा आजाद भारत में इस कारण से सत्तर सालों में अरबों-खरबों रुपये का नुकसान हुआ। जिन्होंने नुकसान किया उन्हें किसी ने कुछ नहीं कहा। वे दशकों से मौज करते रहे। उनमें से कई बड़े नेता भी बन गए। पर अब आगे किसी ने सरकारी संपत्तियों को हानि पहुंचाई तो लेने के देने पड़ जाएंगे। इसलिए ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की ओर से पिछले मंगलवार को संसद में पेश भारतीय न्याय संहिता विधेयक, 2023 के अपडेटेड वर्जन में आतंकवाद के कृत्यों से निपटने वाली धारा 113 में संशोधन किया गया है। इसमें आतंकवादी कृत्य में देश की आर्थिक सुरक्षा और मौद्रिक स्थिरता पर हमले भी शामिल किए गए हैं। संसद की स्थायी समिति की ओर से सुझाए गए संशोधनों को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मानसून सत्र में सदन में पेश किए गए भारतीय न्याय संहिता विधेयक, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक, 2023 और भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023 को वापस लेने का प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने मंजूरी दी। इसके बाद उन्होंने नए विधेयकों को पेश किया। भारतीय न्याय संहिता विधेयक की धारा 113(1) में प्रावधान है कि अगर कोई व्यक्ति

ऐसी मंशा या हरकत करता है, जिससे देश की संप्रभुता, एकता, अखंडता को नुकसान या खतरा पैदा होता है, या आतंकी घटना की मंशा रखता हो, आतंकी हमले करता हो, इसके लिए बम, हथियार, केमिकल, बॉयोलॉजिकल हथियार और जहर आदि का इस्तेमाल करता हो, जिससे जान-माल का नुकसान हो तो ऐसे मामले में दोषी शख्स को उम्रकैद या फांसी की सजा तक हो सकती है। भारतीय न्याय संहिता विधेयक की धारा 113(5) में कहा गया है कि अगर कोई शख्स भारत की रक्षा परिसंपत्ति को नुकसान पहुंचाता हो या अन्य तरह की सरकार की ऐसी संपत्ति को नुकसान पहुंचाता हो तो वह आतंकवाद यानी टेरर एक्ट माना जाएगा। इसी कानून की धारा 113(बी) में कहा गया- अगर कोई संवैधानिक पद पर बैठे या पब्लिक फंक्शनरी पर हमला करता है या अगवा करता है या ऐसी मंशा रखता है तो ऐसे मामले को भी टेरर एक्ट माना जाएगा। इससे मौत होने पर उम्रकैद और फांसी की सजा का प्रावधान है। आपको याद होगा कि नागरिकता संशोधन एक्ट (सीएए) के खिलाफ देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हुए थे। कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन ने हिंसक रुख भी अख्तियार कर लिया। दिल्ली में जामिया मिलिया इस्लामिया के छात्रों ने भी विरोध प्रदर्शन के दौरान बसें और दूसरी गाड़ियां जला दीं थीं। तब सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन कोर्ट ने प्रदर्शन के दौरान हुए सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान पर नाखुशी जाहिर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि छात्रों को बसें जलाने का अधिकार किसने दे दिया? कोर्ट ने छात्रों को चेतावनी देते हुए कहा कि अपनी बात रखने के लिए उन्हें सड़क पर उतरने का अधिकार तो है लेकिन, वो अगर सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान करेंगे तो कोर्ट उनकी बात नहीं सुनेगा। अकसर विरोध प्रदर्शनों में सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान होता है। कभी बसें जला दी जाती हैं, कभी ट्रेनों पर पथराव होता है, कभी सरकारी इमारतों में तोड़-फोड़ होती है, तो कभी सरकारी ट्रांसपोर्ट व्यवस्था का नुकसान किया जाता है। ये सवाल बार-बार पूछा जाता था कि अगर विरोध प्रदर्शन में सरकारी संपत्ति का नुकसान होता है तो इसका जिम्मेदार कौन है? अब स्थिति साफ हो गई है। अब किसी ने सरकारी संपत्ति को हानि पहुंचाई तो लेने के देने पड़ जाएंगे। कहना ना होगा कि विरोध प्रदर्शन के कारण भारतीय रेलवे को तो हमेशा बलि का बकरा ही समझा जाता है। रेलवे को पिछले तीन सालों में लगभग 262 करोड़ रुपये का नुकसान झेलना पड़ा है और रेलवे को सबसे ज्यादा नुकसान 2022 में हुआ है। केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कुछ समय पहले संसद में बताया था कि बीते तीन सालों में यानी कि 2020, 2021 और 2022 में भारतीय रेलवे को 1.78, 0.68 और 259.44 करोड़ रुपये का नुकसान विरोध प्रदर्शनों के दौरान रेलवे संपत्ति को क्षति पहुंचाने के कारण हुआ है। 2022 में भारतीय सेना द्वारा सेना में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना लाई गई थी जिसका देश के कई राज्यों में काफी विरोध हुआ था। उस समय रेलवे की संपत्ति में तोड़फोड़ की कई घटनाएं सामने आई थीं। वहीं कई ट्रेनों को भी प्रदर्शनकारियों ने आग के हवाले कर दिया था। दरअसल सरकारी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कानून पहले भी था। उसे सार्वजनिक संपत्ति नुकसान रोकथाम अधिनियम 1984 कहते थे। इसके प्रावधानों के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति सरकारी या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का दोषी साबित होता है तो उसे 5 साल की सजा हो सकती थी। इसमें जुमार्ने का भी प्रावधान था। ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर सजा और जुमार्ना दोनों हो सकता था। पर पुराना कानून कमजोर पड़ रहा था या कहें कि उसका असर नहीं हो रहा था। इसलिए नए और सख्त कानून की दरकार थी। सुप्रीम कोर्ट को भी हमेशा लगता रहा कि इस मामले में और भी उपाय किए जाने की जरूरत है। 2007 में सार्वजनिक संपत्ति के भीषण नुकसान की खबरों पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। उस वक्त हिंसक विरोध प्रदर्शन, बंद और हड़ताल में सरकारी संपत्ति का खूब नुकसान हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में कानून में बदलाव के लिए दो कमेटी बनाई थी। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज केटी थॉमस और सीनियर वकील फली नरीमन को कमेटियों का प्रमुख बनाया गया था। 2009 में इन दोनों कमेटियों की सलाह पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी और सार्वजनिक संपत्ति को लेकर कुछ गाइड लाइंस जारी किए थे। कहना न होगा कि अब एक उम्मीद पैदा हुई है कि सरकारी संपत्ति से तोड़फोड़ करने से पहले देश के दुश्मन 10 बार सोचेंगे।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

देश में क्या खूंखार डॉग्स को पालने में लगेगी रोक?

दिल्ली हाई कोर्ट डॉग बाइट और अटैक (कुत्तों के काटने और हमले) की घटनाओं पर सख्त हुआ है। वह अक्टूबर में खतरनाक कुत्तों को रखने के मुद्दे पर अहम आदेश दे चुका है। हाई कोर्ट ने पिटबुल, टेरियर, अमेरिकन बुलडॉग और रॉटविलर जैसे खतरनाक नस्ल के कुत्तों को रखने के लाइसेंस पर प्रतिबंध लगाने और रद्द करने के मुद्दे पर केंद्र सरकार को तीन माह के अंदर निर्णय लेने के लिए कहा। अदालत ने याचिकाकर्ता बैरिस्टर लॉ फर्म के प्रतिवेदन पर जल्द से जल्द विचार करने को कहा है। दरअसल देश में कुत्तों के काटने और हमला करने से कई लोगों की जान जा चुकी है। चिंता की बात यह है कि कुछ लोग तो बिना लाइसेंस के ही खतरनाक नस्ल के कुत्तों को पाल लेते हैं हैं। याचिका में कहा गया था कि ऐसे नस्ल के कुत्तों ने अपने मालिकों सहित अन्य लोगों पर भी हमला किया है। इस लॉ फर्म ने अदालत का ध्यान दिलाया कि ब्रिटेन के खतरनाक कुत्ते अधिनियम (1991) में पिटबुल और टेरियर को लड़ाई के लिए सूचीबद्ध किया गया था। टाइम मैगजीन के अनुसार अमेरिका में पिटबुल और टेरियर्स की संख्या कुत्तों की आबादी का केवल छह प्रतिशत है लेकिन वर्ष 1982 से कुत्तों के 68 प्रतिशत हमलों और 52 प्रतिशत मौतों के लिए इसी नस्ल के डॉग जिम्मेदार हैं। याचिका के अनुसार आमतौर पर पिट बुल ऐंड टेरियर्स अन्य कुत्तों से ज्यादा आक्रामक होते हैं। ऐसे कुत्तों को प्रतिबंधित करना और उनके पालन-पोषण के लाइसेंस को रद्द करना समय की मांग है। याचिका में दावा किया गया कि यह केंद्र और राज्य सरकार का कर्तव्य है कि लोगों के हित में काम करे और ऐसे खतरनाक नस्लों के कुत्तों के काटने की किसी भी बड़ी घटना के जोखिम से नागरिकों के जीवन को बचाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करें। दरअसल ऐसे डॉग्स से मानव जीवन पर प्रहार हो रहा है। जो लोग खतरनाक नस्ल के कुत्ते पालते हैं, उनसे दूसरो को तो खतरा होता ही है, उनकी अपनी जान का भी खतना बना रहता है। स्ट्रीट डॉग से भी बाहरी लोगों का लगातार खतरा रहता है। कुत्तों की संख्या में लगातार वृद्धि होने से मानव जीवन पर संकट आ गया है। बिना वजह लोगों का मरना चिंता विषय है। सुप्रीम कोर्ट भी इस पर संज्ञान ले चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर सरकार को एक्शन लेने आदेश दिया था। कुत्तों के काटने के कारण हुई मौतों में करीब 36 फीसदी लोगों की मौत रेबीज की वजह से होती है। बड़ा तथ्य यह है कि अधिकांश मामले तो रिपोर्ट ही नहीं होते। भारत में सबसे ज्यादा लावारिस कुत्ते हैं। हमारे यहां ऐसा कानून है ऐसे डॉग्स को मारा नहीं जा सकता। इसकी वजह से इनकी संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इससे मानव जीवन पर संकट बना हुआ है। इसके अलावा लावारिस पशुओं की वजह से हर रोज कई लोगों की जान जा रही है। इसके बचाव लिए सरकारों के पास कोई भी प्लान नही हैं। दुखद यह है कि वाघ बकरी के मालिक पराग देसाई भी डॉग अटैक का शिकार होकर चल बसे। इस हाई प्रोफाइल व्यक्ति की मौत पर कई दिनों तक चर्चा हुई। हालांकि देश में हर रोज ऐसी सैकड़ों मौतें होती हैं। कुछ समय पहले दिल्ली में एक प्रोफेसर को कुत्तों ने नोच-नोच कर मार डाला था। दरअसल ऐसी मौतों को हत्या नहीं माना जा सकता, लेकिन यदि इसकी गंभीरता को समझा जाए तो यह सवालों के घेरे में संबंधित विभाग आता है, क्योंकि लावारिस कुत्तों को नियंत्रित करने के लिए अच्छा खासा बजट होता है। कई बार तो ऐसी खबरें सामने आई हैं जब छोटे बच्चों को भी कुत्तों ने नोच कर खा लिया। बीते दिनों एक खाना देने वाले डिलीवरी ब्वॉय को पीछे कुत्ते पड़ गए। वह जान बचाकर भागा। मोटरसाइकिल की गति तेज कर दी। इससे बैलेंस नहीं बन पाया और एक खंभे से टकरा कर बेमौत मारा गया। एनिमल बर्थ कंट्रोल रूल्स की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में सबसे ज्यादा लावारिस कुत्तों के हमले भारत में होते हैं। इस मामले में याचिकाकर्ता बैरिस्टर लॉ फर्म ने आरोप लगाया था कि खतरनाक नस्लों के कुत्ते भारत सहित 12 से अधिक देशों में प्रतिबंधित हैं, लेकिन दिल्ली नगर निगम अभी भी इनका पंजीकरण पालतू जानवर के रूप में कर रहा है। ऐसे कुत्तों की खरोद-फरोख्त करने वालों को भी यह समझना होगा कि वह इन नस्लों को आगे न बढ़ाएं और पालें। दरअसल देशभर के तमाम लोग खतरनाक कुत्तों को प्रजनन करके उनको बेचने का व्यापार करते हैं। यदि सरकार इनको रखने के लिए लाइसेंस नहीं भी देगी तो वह चोरी से इनको रखेंगे। इसलिए सरकार को इसके लिए विशेष अतिरिक्त विभाग बनाकर बड़ा काम करना होगा। यह काम जितना आसान लग रहा है, उतना है नहीं। सबसे पहले तो इसके प्रजनन पर प्रतिबंध लगाना होगा। जब ही नस्ल आगे नहीं बढ़ेगी, तो यह खत्म हो जाएगी। दूसरा खरीद-फरोख्त पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना भी बड़ा उपाय हो सकता है। कानून-कायदों का उल्लंघन करने पर कड़ी सजा का प्रावधान भी कारगर हो सकता है।

'कविता एक थैरेपी भी है'

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस बार हिन्दुस्तान टाइम्स साहित्य उत्सव-2023 में कविता की गूंज सुनाई दी। कविता पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। उत्सव का आयोजन कार्यक्रम के प्रमुख सहयोगी आईटीएल पब्लिक स्कूल द्वारका के सभागार में किया गया। ख्यातिलब्ध कवियों और लेखकों का रचना पाठ और संवाद तो प्रभावी ही रहा। लेखकों की कार्यशाला, पेंटिंग, कथावाचन और डूडल गतिविधि ने भी श्रोताओं का ध्यान खींचा। इस उत्सव का आगाज कविता की समाज में भूमिका के आरंभिक सत्र से हुई। एपीजे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग के प्रोफेसर प्रोफेसर आनंद खत्री, प्रख्यात कवि-ललित निबंधकार, आलोचक तथा प्रोफेसर एवं नव नालंदा महाविहार सम विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रोफेसर परिचय दास, द्विभाषी कवयित्री एवं लेखिका सुनीता सिंह और रचना पंत ने इस संदर्भ में अपनी प्रासंगिक कविताएं सुनाईं। पैनल चर्चा के बाद संवाद सत्र में विद्यार्थियों और युवा कवियों ने अतिथियों से दिलचस्प सवाल पूछे। प्रोफेसर आनंद खत्री ने काव्य-चेतना पर चर्चा की। सुनीता सिंह ने कविता को मन व जीवन की जरूरत बताया। प्रोफेसर परिचय दास ने अपने ललित वक्तव्य में कविता को अपने आप में एक उत्सव के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि कविता मनुष्य के अन्तर्मन की विषनाशिका और मुक्तिदायिनी है। कविता आत्मालाप व सामाजिक संवाद यानी दोनों की हेतु है। यह भीतर के उपचार का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने कविता को सबको जोड़ने, नकार से विरत होने व भावना की संसिद्धि कहा। प्रो. परिचय दास ने कहा कि वह अंदर की लय है। इसलिये सबसे बड़ी थैरेपी है। उन्होंने कहा कि अपनी रचना-प्रक्रिया में मैंने आत्म संघनन व बाहर के वैषम्य को प्रमुख आधार के रूप में देखा है। रचना पंत ने विद्यार्थियों को याद दिलाया कि साहित्य और कविता परामर्श की आवश्यकता को दूर कर देती है। इसलिए बच्चों को सिर्फ तकनीक की ओर नहीं भागना चाहिए। भावनात्मक रूप से परिपक्व होने और जीवन और भावनाओं को समझने की बारीकियों के लिए साहित्य आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि छात्रों को एक समान बने रहने के लिए रुडयार्ड किपलिंग की कविता पढ़नी चाहिए। इस सत्र के बाद इन बिटवीन द लाइंस नाम से एक और इंटरैक्टिव पैनल- चर्चा हुई। इसमें अतिथि लेखकों में सुनीता पंत बंसल, डॉ. हर्षाली सिंह, उपभोक्ता मंच की सदस्य न्यायाधीश और कवयित्री प्रेरणा जैन ने हिस्सा लिया। सत्र का संचालन वेंकटेश्वर इंटरनेशनल स्कूल द्वारका की प्रिंसिपल मनीषा शर्मा ने किया। डॉ. हर्षाली सिंह ने अपनी आने वाली किताब 'अनारकली' के बारे में बात की और बताया कि कैसे वह इस विषय के प्रति आकर्षित हुईं। सुनीता पंत बंसल ने पौराणिक कहानियों के साथ अपनी यात्रा के बारे में बात की। इस उत्सव का आकर्षक कार्यक्रम 'द ह्यूमन लाइब्रेरी' रहा। यह ऐसा मंच है जिसमें छात्र अपनी अनूठी कहानियों और अनुभवों को साझा करते हुए 'मानव पुस्तक' बन जाते हैं। यह मंच रूढ़िवादिता को तोड़ता है। लोगों को व्यक्तिगत कथाओं के माध्यम से जुड़ने की अनुमति देकर समझ को बढ़ावा देता है। इसे सहयोगात्मक स्टोरी टेलिंग डूडल गतिविधि के रूप में देखा गया। दिल्ली इन्टरनेशनल स्कूल द्वारका की प्राचार्य अनुभा श्रीवास्तव ने कहा कि कथा-वाचन की कला को और भी गति देने की आवश्यकता है। सीबीएसई संकल्प सहोदय (एसडब्ल्यू) दिल्ली की अध्यक्ष और आईटीएल पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. सुधा आचार्य ने साहित्य उत्सव का हिस्सा बनाने के लिए आयोजक और सूत्रधार अखबार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि साहित्य हमेशा आत्मा का भोजन होता है। इस उत्सव ने इस तरह के आयोजन से आने वाले नए विचारों और जुड़ाव को देखने का एक अवसर और मंच प्रदान किया।

युद्ध विराम जरूरी है

गाजा में तत्काल युद्धविराम पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में बुधवार को लाए गए प्रस्ताव के पक्ष में वोट देकर भारत ने अहम कूटनीतिक संदेश जरूर दिया है, लेकिन संतुलन बनाए रखने की अपनी नीति नहीं छोड़ी है। इस युद्ध को लेकर अंतरराष्ट्रीय जनमत कैसा रूप ले रहा है इसका अंदाजा संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव पर हुई वोटिंग के आंकड़ों से हो जाता है। कुल 153 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया और 23 वोटिंग से अलग रहे। अमेरिका और इस्राइल सहित कुल 10 ही देश ऐसे रहे जिनका वोट प्रस्ताव के खिलाफ पड़ा। 7 अक्टूबर से शुरू हुई इस जंग में यह पहला मौका है जब भारत ने युद्धविराम के किसी प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया है। उसके इस फैसले ने बहुतों को चौंकाया भी। लेकिन युद्ध में जान-माल का जैसा नुकसान हो रहा है और मानवाधिकारों की जैसी धज्जियां उड़ रही हैं, उनके मद्देनजर तत्काल युद्धविराम की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। हमास के हमलों में अब तक 1200 इस्राइली मारे जा चुके हैं और हजारों घायल हुए हैं। दूसरी ओर गाजा में 18000 फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। हालांकि सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के विपरीत संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव कानूनी तौर पर बाध्यकारी नहीं होते, इसलिए इस प्रस्ताव के पारित होने से जमीनी हकीकत में तत्काल किसी बदलाव की उम्मीद नहीं की जा सकती। लेकिन प्रस्ताव के पक्ष में एकजुट देशों की बढ़ती संख्या और भारत जैसे देशों का भी छूटता साथ एक ऐसी बात है जिसे अधिक समय तक नजरअंदाज नहीं किया जा सकेगा। खुद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी वोटिंग शुरू होने के ऐन पहले चेतावनी दी कि गाजा पर जिस तरह से अंधाधुंध बम बरसाए जा रहे हैं, उससे इस्राइल तेजी से अंतरराष्ट्रीय समर्थन खोता जा रहा है। इससे पहले भी अमेरिका कह चुका है कि इस्राइल को गाजा में मानवाधिकारों के उल्लंघन से बचने के लिए और प्रयास करने चाहिए। पहली नजर में ऐसा लग सकता है कि प्रस्ताव के पक्ष में वोट देकर भारत ने अपने रुख में बदलाव किया है, लेकिन बारीकी से देखें तो प्रस्ताव का समर्थन करते हुए भी भारत ने संतुलन का ध्यान रखा है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

नवंबर में भारत के निर्यात की रफ्तार पड़ी सुस्त, व्यापार घाटा कम हुआ

- नवंबर में निर्यात 2.8 फीसदी घटकर 33.9 अरब डॉलर रह गया

नई दिल्ली ।

अक्टूबर में 11 महीनों में सबसे तेज बढ़ोतरी के बाद नवंबर में भारत के वस्तु निर्यात के विकास की रफ्तार सुस्त पड़ गई। इससे वैश्विक मांग में अस्थिरता और असमान आर्थिक सुधार का संकेत मिलता है। वाणिज्य विभाग की ओर से जारी किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर में निर्यात 2.8 फीसदी घटकर 33.9 अरब डॉलर और आयात 4.3 फीसदी घटकर 54.5 अरब डॉलर रह गया। इससे व्यापार घाटा 20.6 अरब डॉलर दर्ज किया गया। त्योहारी मांग के कारण सोने और चांदी के आयात में जबरदस्त वृद्धि के कारण अक्टूबर में व्यापार घाटा बढ़कर रिकॉर्ड 31.5 अरब डॉलर हो गया था। वाणिज्य सचिव सुनील बड़थवाल ने कहा कि निर्यात में वृद्धि के संकेत अब थम गए हैं और नवंबर में निर्यात का समग्र रुझान सकारात्मक रहा। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार प्रभावित हो रहा है, लेकिन हम अभी भी अपनी पकड़ बनाए रखने में समर्थ हैं। व्यापार केवल एकतरफा नहीं होता। उसे वैश्विक संदर्भ के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। हमने कई देशों की जीडीपी वृद्धि देखी है जो अधिक नहीं है। मूल्य के लिहाज से अगस्त को छोड़ दिया जाए तो इस साल अप्रैल से ही भारत से निर्यात 33 से 34 अरब डॉलर के दायरे में रहा है। यह पिछले साल अप्रैल से नवंबर के बीच भारत के निर्यात के मुकाबले काफी कम है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से नवंबर की अवधि में निर्यात 7 फीसदी घटकर 278.8 अरब डॉलर रह गया, जबकि आयात में 9.5 की गिरावट आई और वह 445.1 अरब डॉलर रहा।भारतीय निर्यातकों के संगठन फियो के अध्यक्ष ए शक्तिवेल का कहना है कि निर्यात में गिरावट से बढ़ती अनिश्चितता का संकेत मिलता है। इससे वैश्विक आर्थिक सुधार में सुस्ती की भी झलक मिलती है। जिंस की कीमतों में साल 2022 के उच्च स्तर के मुकाबले नरमी ने भी गिरावट में योगदान किया। लगभग सभी देशों के निर्यात में गिरावट देखी जा रही है।

डॉमैस्टिक पैसेंजर व्हीकल की सेल में 4 प्रतिशत इजाफा

-सियाम ने अपनी सेल्स रिपोर्ट जारी की

नईदिल्ली ।

हाल ही में सियाम ने अपनी सेल्स रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार नवंबर में डॉमैस्टिक पैसेंजर व्हीकल की सेल में 4 प्रतिशत सालाना की बढ़त देखने को मिली है। जानकारी के अनुसार डीलरों को डिस्पैच हुए व्हीकल्स की सेल नवंबर में 3,34,130 यूनिट्स रही। ये अब तक नवंबर में हुई सबसे ज्यादा सेल थी। नंवबर 2022 के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो ये 3,22,268 यूनिट्स ही थीं। वहीं दोपहिया वाहनों की सेल ने तो रिकॉर्ड तोड़ा है। इस साल नवंबर में 16,23,399 यूनिट्स हो गईं। वहीं नवंबर 2022 में 12,36,282 यूनिट थी। ये करीब 31 प्रतिशत की बढ़त थी। ऐसा नहीं है कि कारों और टू व्हीलर की सेल में ही उछाल देखने को मिला। तिपहिया वाहनों की सेल में भी 31 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला है। थ्री व्हीलर का डिस्पैच देखा जाए तो ये नंवबर में 59,738 यूनिट्स रहा। जो पिछले साल नवंबर में 45,664 यूनिट्स था। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के प्रेसिडेंट विनोद अग्रवाल ने कहा कि अक्टूबर में के त्योहारी सीजन का असर नवंबर में भी देखने को मिला। नवंबर के पहले सप्ताह में त्योहारी सीन की तेजी देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल उद्योग को आगे भी ऐसी ही बढ़त की उम्मीद है। वहीं सियाम के डायरेक्टर जनरल राजेश मेनन ने कहा कि ये अब तक की सबसे तेज ग्रोथ रही है। आने वाले समय में भी ऑटोमोबाइल मार्केट में ऐसी ही तेजी देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि लगातार बेहतरीन गाड़ियों के साथ बाजार गुलजार हो रहा है और इसका स्वागत ग्राहक भी कर रहे हैं। बता दें कि देश में एक बाजार ऐसा भी है जो हर महीने तेजी से बढ़ रहा है।

सरकारी कर्मचारी जीपीएफ से ले सकते हैं बिना ब्याज का लोन

- लोन चुकाने की पूरी आजादी, ईएमआई भी नहीं भरनी पड़ेगी

नई दिल्ली ।

सरकारी कर्मचारियों को कई सहूलियतों के साथ लोन की भी एक विशेष सुविधा दी जाती है। अपनी नौकरी के दौरान लगभग हर सरकारी कर्मचारी इस सुविधा का लाभ भी ले सकता है। इसमें लोन चुकाने की पूरी आजादी मिलती है और इस पर बे याज भी नहीं वसूला जाता। दरअसल, साल 2004 से पहले सरकारी नौकरी करने वालों का जनरल प्रोविडंट फंड (जीपीएफ) खाता खोला जाता था। इस खाते में कर्मचारी के वेतन से हर महीने एक निश्चित राशि काटकर जमा की जाती थी, जो रिटायरमेंट या नौकरी के दौरान जरूरत पर मिलती है। इस खाते की खासियत यह है कि इससे निकाली गई राशि पर कर्मचारी को ब्याज नहीं चुकाना पड़ता है। हालांकि, 2004 से नई पेंशन स्कीम (एनपीएस) लागू होने के बाद सरकारी कर्मचारियों के लिए जीपीएफ खाते खुलने बंद हो गए हैं।

जीपीएफ खाते में सरकारी कर्मचारी की बेसिक और डीए सैलरी का 6 फीसदी हिस्सा हर महीने जमा किया जाता है। यह न्यूनतम राशि है, जबकि अधिकतम 100 फीसदी हिस्सा भी जमा कराया जा सकता है। यह पैसा एक तरह से भविष्य के लिए जमा किया जाता है। इस पर सरकार की ओर से हर साल ब्याज भी मिलता है। अभी जीपीएफ पर 7.1 फीसदी का सालाना ब्याज है, जो हर तिमाही बदलता रहता है। जीपीएफ से पहले खाते में जमा कुल राशि का 75 फीसदी तक लोन लिया जा सकता था। साल 2021 में सरकार ने इस पर लिमिट लगा दी और 10 फीसदी से 50 फीसदी तक राशि निकालने की ही सुविधा दी। हालांकि, बाद में इसकी लिमिट को वापस बदलकर 90 फीसदी कर दिया गया है। पैसे निकालने की लिमिट कर्मचारी के कुल सेवा काल के आधार पर तय की जाती है। हालांकि, लोन कितनी भी अवधि के लिए क्यों न लिया जाए, उस पर कर्मचारी को ब्याज चुकाने की जरूरत नहीं होती है।

जीपीएफ से 2 तरह का लोन लिया जा सकता है। अगर नौकरी के 15 साल बीत गए हैं तो कर्मचारी स्थायी लोन ले सकता है, जिसमें अधिकतम 75 फीसदी और कुछ मामलों में 90 फीसदी राशि निकाली जा सकती है। इस पर कोई ब्याज भी नहीं लगता और अगर आपके रिटायरमेंट में 10 साल से कम का समय बचा है तो इस पैसे वापस करने की भी जरूरत नहीं होती।

देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत बदली

- ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 76.55 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आ रही गिरावट के बीच देश में भी शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत में कुछ बदलाव हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार को देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल के भाव बदल दिए हैं। शे निवार को बिहार में तेल महंगा हो गया तो यूपी में सस्ता बिक रहा है।

हालांकि दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार गाजियाबाद में पेट्रोल 14 पैसे सस्ता हुआ और 96.44 रुपये लीटर हो गया है, जबकि डीजल 13 पैसे गिरकर 89.62 रुपये लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 15 पैसे महंगा होकर 107.74 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 15 पैसे चढ़कर 94.51 रुपये लीटर हो गया है। हरियाणा के गुरुग्राम में पेट्रोल 22 पैसे गिरकर 96.96 रुपये लीटर हो गया है, डीजल भी 22 पैसे सस्ता होकर 89.83 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में बदलाव हुआ है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 76.55 डॉलर प्रति बैरल के भाव चल रहा है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी वैश्विक बाजार में 71.43 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, गाजियाबाद में पेट्रोल 96.44 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.74 रुपये और डीजल 94.51 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 96.96 रुपये और डीजल 89.83 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

भारत की जीडीपी 2026 में 5,000 अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीद: पनगढ़िया

मुंबई ।

भारत 2026 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है और इसकी जीडीपी उस साल 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि आगे चलकर 2027 में अर्थव्यवस्था का आकार 5,500 अरब डॉलर से अधिक होगी। उन्होंने 18वें सीडी देशमुख स्मृति व्याख्यान में कहा कि यह संभव नहीं है कि जर्मनी या जापान की जीडीपी आने वाले तीन वर्षों में 5,000 अरब डॉलर के स्तर को पार कर जाएगी।

उन्होंने 125 पर भारतः खोए हुए गौरव को फिर प्राप्त करना और वैश्विक अर्थव्यवस्था का पुराने सामान्य स्तर पर लौटाना शीर्षक वाले अपने व्याख्यान में कहा कि जापान को 2022 के 4,200 अरब अमेरिकी डॉलर के स्तर से 2027 में 5,030 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने के लिए 3.5 प्रतिशत की दर से बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि चार प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ जर्मनी की जीडीपी 2023 में 4,400 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2026 में 4,900 अरब अमेरिकी डॉलर और 2027 में 5,100 अरब अमेरिकी डॉलर की होगी। पनगढ़िया ने कहो कि इन अनुमानों को देखते हुए, भारतीय जीडीपी कितनी जल्दी इन दोनों देशों की जीडीपी को पार कर सकती है? यही सवाल है। भारत इस समय डॉलर के मूल्य में 10.22 प्रतिशत की वार्षिक औसत दर से बढ़ा है। इस दर पर भारत की जीडीपी 2026 में 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर और 2027 में 5,500 अमेरिकी अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगी।

एनटीपीसी ने दो करोड़ 32.2 लाख टन कोयला उत्पादन किया

नई दिल्ली । एनटीपीसी माइनिंग ने वित्त वर्ष 2023-24 में अब तक दो करोड़ 32.2 लाख टन कोयला का उत्पादन किया है। यह पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में प्राप्त दो करोड़ 32 लाख टन के उत्पादन से कुछ अधिक है। उत्पादन का यह स्तर 257 दिनों में प्राप्त किया गया। यानी 2022-23 के मुकाबले 108 कम दिन में यह उत्पादन हासिल किया गया। सालाना आधार पर कोयला उत्पादन में 77 प्रतिशत और आपूर्ति में 88 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। एनटीपीसी की अनुषंगी एनटीपीसी माइनिंग ने एक बयान में कहा कि एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) ने वित्त वर्ष 2022-23 के दो करोड़ 32.03 लाख टन की तुलना में 2023-24 में 13 दिसंबर तक दो करोड़ 32.23 लाख टन उत्पादन किया।

अशनीर ग्रोवर को शेयर लेनदेन रोकने से दिल्ली हाई कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट ने डिजिटल भुगतान ऐप भारतपे के पूर्व प्रबंध निदेशक अशनीर ग्रोवर को कंपनी के सह-संस्थापक शाश्वत नकरानी द्वारा बेचे गए शेयरों की बिक्री, हस्तांतरण या कोई तीसरा पक्ष अधिकार देने पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि कोर्ट ने यह निर्देश दिया कि अगर ग्रोवर इन शेयरों के हस्तांतरण या देने का फैसला करते हैं तो उन्हें इस लेनदेन की पूर्व-सूचना अदालत को देनी होगी। इसके साथ ही न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने नकरानी की तरफ से दायर अर्जी पर कोई अंतरिम रोक लगाने से असहमति जताई। इसमें ग्रोवर को शेयरों की बिक्री, हस्तांतरण से रोकने की मांग की गई थी। नकरानी ने अपनी अर्जी में कहा था कि जुलाई, 2018 में ग्रोवर के साथ हुआ मौखिक समझौता कानून एवं अनुबंध के प्रावधानों पर खरा नहीं उतरता है। यह समझौता रिसिएलेंट इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड (आरआईपीएल) के 2,447 शेयरों से संबंधित है। नकरानी का कहना है कि इस समझौते में उन्हें ग्रोवर से नकदी या किसी अन्य रूप में कोई क्षतिपूर्ति नहीं मिली थी।

सॉवरेन गोल्ड बांड की इश्यू प्राइस 6,199 रुपए प्रति ग्राम तय

- इश्यू 18 दिसंबर से 5 दिनों के लिए खुलेगा

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि सॉवरेन गोल्ड बांड (एसजीबी) की अगली किस्त के लिए इश्यू प्राइस 6,199 रुपये प्रति ग्राम तय किया गया है। इश्यू 18 दिसंबर से 5 दिनों के लिए खुलेगा। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना 2023-24 सीरीज-3 निवेश के लिए 18-22 दिसंबर के दौरान खुली रहेगी। बता दें कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड आरबीआई सरकार की ओर से जारी करता है, इसलिए इसकी सरकारी गारंटी होती है। सरकार ने नवंबर 2015 में सॉवरेन गोल्ड बांड स्कीम की शुरुआत की थी। इसमें निवेश पर गारंटीडे रिटर्न मिलता है। इसमें निवेश पर सालाना 2.5 फीसदी ब्याज मिलता है। यह पैसा हर 6 महीने पर निवेशकों के बैंक अकाउंट में डाल दिया जाता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की बिक्री शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, क्लीयरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि मिटेड, डेजिग्नेटेड पोस्ट ऑफिस, एनएसई और बीएसई के जरिए की जाएगी। केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से उन निवेशकों को इश्यू प्राइस पर 50 रुपये प्रति ग्राम की छूट देने का निर्णय लिया है जो ऑनलाइन आवेदन करते हैं और भुगतान डिजिटल मोड के माध्यम से किया जाता है। ऐसे निवेशकों के लिए गोल्ड बांड का इश्यू प्राइस 6,149 रुपये प्रति ग्राम सोना होगा। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम में एक वित्त वर्ष में एक व्यक्ति अधिकतम 4 किग्रा गोल्ड के बांड खरीद सकता है। वहीं न्यूनतम निवेश एक ग्राम का होना जरूरी है। वहीं ट्रस्ट या उसके जैसी संस्थाएं 20 किग्रा तक के बॉन्ड खरीद सकती हैं। बता दें आवेदन कम से कम 1 ग्राम और उसके मल्टे टीपल में जारी होते हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार में 2.82 अरब डॉलर की हुई बढ़त

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार आठ दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 2.82 अरब डॉलर बढ़कर 606.86 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल मुद्रा भंडार 6.11 अरब डॉलर बढ़कर 604.04 अरब डॉलर हो गया था। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्राभंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। पिछले साल से वैश्विक गतिविधियों के कारण दबाव के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपए की विनिमय दर बनाए रखने के लिए मुद्राभंडार का उपयोग किया। इससे मुद्रा भंडार प्रभावित हुआ। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, आठ दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.08 अरब डॉलर बढ़कर 536.69 अरब डॉलर हो गई। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में घट-बढ़ के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आरबीआई के अनुसार स्वर्ण भंडार का मूल्य 19.9 करोड़ डॉलर घटकर 47.13 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 6.3 करोड़ डॉलर घटकर 18.19 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 1.1 करोड़ डॉलर घटकर 4.84 अरब डॉलर रह गया।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से ज्यादा रही तेजी

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से बीते सप्ताह शेयर बाजारों में शानदार तेजी देखी गई। बाजार के जानकारों ने कहा कि शेयर बाजारों में बुल्स के लिहाज से भी बीता सप्ताह रिकॉर्ड तोड़ रहा और शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी एक फीसदी से भी ज्यादा तेजी के साथ बंद हुए। बीते पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार में मामूली बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। सेंसेक्स 69,925.63 के लेवल पर खुला और 102.93 अंकों की बढ़त के साथ 69,928.53 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी शुरुआती कोराबार में 0.054 फीसदी की तेजी के साथ 20,980.80 पर खुला और 27.70 अंक की बढ़त के साथ 20,997.10 के स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार को बाजार के प्रमुख इंडेक्स नए ऑल टाइम पर पहुंचे। सेंसेक्स भी 70000 का लेवल पार कर खुला और 377 अंक गिरकर 69,551 पर बंद हुआ। निफ्टी पहली बार 21,031 के लेवल पर खुला और 90 अंक फिसलकर 20,906 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में प्रमुख इंडेक्स लाल निशान पर कारोबार करते दिखे। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 100 अंकों से अधिक की गिरावट के साथ 69,500 के नीचे खुला और 33.57 अंकों की बढ़त के साथ 69,584.60 पर बंद हुआ। निफ्टी 20900 के

नीचे कारोबार करता दिखा और 19.95 अंकों की मामूली बढ़त के साथ 20,926.35 के स्तर पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 769.76 अंकों की तेजी के साथ 70,379.71 के स्तर पर खुला और 929.60 अंकों की बढ़त के साथ 70,514.20 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 210.21 अंक मजबूत होकर 21,136.55 के लेवल पर खुला और 256.36 अंकों की मजबूती के साथ 21,182.70 के लेवल पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स पहली बार 500 अंकों की बढ़त के साथ 71000 का लेवल पर खुला और 969.55 (1.37 फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 71,483.75 पर बंद हुआ। निफ्टी भी पहली बार 21300 के पार खुला और 273.96 (1.29 फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 21,456.65 के स्तर पर बंद हुआ।

तेलंगाना की कंपनी का आईपीओ 20 दिसंबर को खुलेगा

- एंकर निवेशक 19 दिसंबर को लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली । तेलंगाना की कंपनी आजाद इंजीनियरिंग का आईपीओ अगले सप्ताह 20 दिसंबर को खुलने वाला है। क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने इसी साल मई में इस कंपनी में निवेश किया था। टर्बाइन और एयरोस्पेस पार्ट्स बनाने वाली आजाद इंजीनियरिंग एयरोस्पेस और डिफेंस, एनर्जी, तेल और गैस इंडस्ट्रीज को अपने उत्पाद सप्लाई करती है। कंपनी के ग्राहकों की सूची में जनरल इलेक्ट्रिक, हनीवेल इंटरनेशनल इंक, मित्सुबिशी हैवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, सीमेंस एनर्जी, ईटन एयरोस्पेस और मैन एनर्जी सॉल्युशंस एसई शामिल हैं। आईपीओ के लिए प्रति शेयर 499 रुपये से 524 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। यह आईपीओ 20 दिसंबर को खुलेगा और 22 दिसंबर को बंद होगा। एंकर निवेशक 19 दिसंबर को बोली लगा सकते हैं। 740 करोड़ रुपये के आईपीओ में नए शेयर जारी किए जाएंगे और ओएफएस के जरिए भी प्रमोटर शेयर बेचेंगे। कंपनी के पब्लिक इश्यू में 240 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। साथ ही ओएफएस के तहत प्रमोटरों और मौजूदा निवेशकों के 500 करोड़ रुपये तक के शेयर बेचे जाएंगे। आजाद इंजीनियरिंग के आईपीओ में 50 फीसदी हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए, 15 फीसदी हिस्सा हाई नेट वर्थ वाले व्यक्तियों के लिए और 35 फीसदी हिस्सा खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित किया गया है। निवेशक कम से कम 28 शेयरों के लॉट में बोली लगा सकते हैं। नए शेयरों के माध्यम से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने कैपिटल एक्सपेंडिचर के फाइनेंसिंग, कर्ज चुकाने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। आजाद इंजीनियरिंग में क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की भी हिस्सेदार है।

चीनी मिलों को गन्ने और शीरे से एथनॉल बनाने की मंजूरी मिली

- चालू आपूर्ति वर्ष में गन्ने के रस से पहले ही बनाया जा चुका है कुछ एथनॉल

नई दिल्ली ।

सरकार ने आपूर्ति वर्ष 2023-24 में चीनी मिलों को एथनॉल बनाने के लिए गन्ने के रस और बी-हैवी शीरा दोनों का उपयोग करने की मंजूरी प्रदान कर दी, लेकिन इसके लिए दी जाने वाली चीनी की अधिकतम सीमा 17 लाख टन तय की गई है। सरकार ने यह फैसला एथनॉल बनाने के लिए गन्ने के रस और चीनी शीरे के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के एक सप्ताह बाद किया है। दरअसल उद्योग जगत इस फैसले को वापस लेने की मांग कर रहा था। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि आपूर्ति वर्ष 2023-24 नवंबर-अक्टूबर में एथनॉल उत्पादन के लिए 17 लाख टन चीनी की कुल सीमा के भीतर गन्ने के रस और बी-हैवी शीरे दोनों का उपयोग करने का विकल्प चीनी मिलों को दिया गया है। उन्होंने कहा कि मंत्रियों की एक समिति ने हाल ही में बैठक के दौरान यह निर्णय लिया। मंत्रियों की समिति ने पिछले सप्ताह लगाए गए प्रतिबंध को वापस लेने के बारे में उद्योग जगत से आई मांगों पर गौर करने के बाद यह फैसला किया। सरकार ने सात दिसंबर को एथनॉल उत्पादन में गन्ने के रस और चीनी सिरप के इस्तेमाल पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी थी। हालांकि तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) से मिले मौजूदा प्रस्तावों के लिए एथनॉल की आपूर्ति की अनुमति दी थी। चोपड़ा ने कहा कि हम एथनॉल बनाने में इस्तेमाल किए जाने वाले गन्ने के रस और बी-हैवी शीरे के अनुपात पर निर्णय लेने के तौर-तरीकों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चालू आपूर्ति वर्ष में गन्ने के रस से पहले ही कुछ एथनॉल बनाया जा चुका है। खाद्य मंत्रालय के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि पिछला आदेश जारी करने से पहले गन्ने के रस से लगभग छह लाख टन एथनॉल बनाया जा चुका था। सरकार का अनुमान है कि चीनी सत्र 2023-24 में देश का चीनी उत्पादन घटकर 3.2-3.3 करोड़ टन रह जाएगा, जबकि पिछले पेराई सत्र में यह 3.7 करोड़ टन से अधिक रहा था।

गोयल ने की भारतीय अर्थव्यवस्था की सराहना, कहा- हम तेजी से बढ़ रहे

नई दिल्ली :

केंद्रीय मंत्री मंत्री पीयूष गोयल ने दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था की सराहना की। उन्होंने कहा है कि दुनिया के सामने बहुत सारी चुनौतियां हैं और अस्पष्ट चीजें चारों ओर हो रही हैं। इस सबके बीच हम अपनी अर्थव्यवस्था को बहुत अच्छी तरह से प्रबंधित करने में सफल रहे हैं। भारत मंडपम में लीड रिपोर्ट 2023 जारी करने के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह अस्थिरता और अनिश्चितताओं का दिन और युग है। दुनिया के सामने बहुत सारी चुनौतियां हैं और अस्पष्ट चीजें चारों ओर हो रही हैं। इस **VUCA** (अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और अस्पष्टता) की दुनिया में, मुझे लगता है कि भारत एक उज्ज्वल सितारे और एक ऐसे देश के रूप में खड़ा है जिसने पीएम मोदी के नेतृत्व में अर्थव्यवस्था को बहुत अच्छी तरह से प्रबंधित किया है। हम लगातार सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं और भविष्य में कई वर्षों तक ऐसा ही रहने की उम्मीद है। भारत मंडपम में लीड्स रिपोर्ट 2023 जारी करने पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, लॉजिस्टिक्स क्षेत्र भारत को 2047 तक 3.5 ट्रिलियन से 35 ट्रिलियन तक 10 गुना स्तर पर ले जाने के हमारे प्रयास में आधारशिला होगा जो सामूहिक मिशन है। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र संभवतः ऐसा करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

हॉबी तो होनी ही चाहिए

अगर तुम अपनी हॉबी को पूरे मन से करोगे और उसके बारे में और जानने-सीखने का प्रयास करोगे तो तुम्हें इसका काफी फायदा होगा। अगर तुम्हारी कोई हॉबी नहीं है तो आज बना लो। कैसे बनाओगे हॉबी और इसके फायदों के बारे में जानते हैं

हर बच्चे की कम से कम एक हॉबी होना बहुत जरूरी है। अगर तुम्हारी कोई हॉबी नहीं है तो गर्मियों की इन छुट्टियों में कोई हॉबी चुनो। हॉबी का मतलब है ऐसा काम, जिसे करने में तुम्हें मजा आए, जिसके बारे में तुम और जानना-सीखना चाहो। तुम नृत्य, गायन, संगीत, पेंटिंग, स्पोर्ट्स, राइटिंग आदि में से किसी को भी चुन सकते हो।

इन्हें बना सकते हो हॉबी

डांस - डांस करना एक अच्छी हॉबी है। इससे आत्मविश्वास, अनुशासन सीखते हैं। जिन बच्चों की डांस में रुचि है, उन्हें 4-5 साल की उम्र में डांस क्लास ज्वॉइन कर लेनी चाहिए, क्योंकि इस उम्र में शरीर बहुत लचीला होता है और डांस सीखने में आसानी होती है। डांस सीखने के कई फायदे हैं। यह तुम्हें फिट रखता है और आजकल टीवी पर आने वाले रियलिटी शो भी डांसर्स के लिए अच्छा प्लेटफॉर्म है। बड़े होकर कोरियोग्राफर, एक्टर, डांसर के रूप में करियर बनाने में भी मदद मिलती है।

गायन

संगीत को एक बहुत उच्चकोटि की कला माना जाता है। गायन सीखने के लिए सुर और ताल की समझ होना जरूरी है। इसके लिए रोज रियाज करना पड़ता है। यह रियाज किसी गुरु की देखरेख में करना जरूरी है। अगर तुम्हें गायन में रुचि है तो जल्दी ही रियाज करना शुरू कर दो। मम्मी-पापा से कहकर किसी योग्य गुरु को चुनो। फिर तो तुम स्कूल के वार्षिकोत्सव और परिवारिक समारोहों में खूब वाहवाही बटोरोगे। साथ ही गाना गाना फेफड़ों को मजबूत बनाता है और तनाव कम करता है।

पेंटिंग

तुम में से कई बच्चों को पेंटिंग करना पसंद होगा। तुम नहीं करते हो तो अब शुरू करो। जो महसूस करते हो, उसे कागज पर उतारो। स्केचिंग क्लास भी ज्वॉइन कर सकते हो। पेंटिंग से रचनात्मकता बढ़ती है। निरंतर प्रयास करने से, धैर्य रखने का गुण विकसित होता है और राइटिंग अच्छी होती जाती है।

लेखन

लिखना एक बेहतरीन हॉबी है। लिखते समय तुम्हारी कल्पना कहीं भी जा सकती है। तुम यह न सोचना कि लिखने के लिए तुम्हारी उम्र अभी कम है। तुमने सुना ही होगा कि पाकिस्तान की मलाला यूसुफजई सबसे कम उम्र की है, जिसे नोबल शांति पुरस्कारों के लिए नामित किया गया है। जानते हो, उसने 11 साल की उम्र में ही डायरी लिखना शुरू कर दिया था। वह नाम बदलकर बीबीसी के लिए ब्लॉग भी लिखती थी। लिखने के इसी शौक और हौसले ने उसे पूरी दुनिया में मशहूर कर दिया। तुम भी एक डायरी बनाओ और जो मन में है, उसे वैसा ही कागज पर उतार दो। हर रविवार को उस डायरी को पढ़ो, कुछ दिन बाद तुम खुद ही हैरान रह जाओगे कि क्या यह सब तुमने लिखा है।

मम्मी-पापा के लिए टिप्स...

बाल मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, जिन बच्चों की कोई हॉबी नहीं होती उनमें आत्मविश्वास की कमी होती है। माता-पिता को भी अपने बच्चों को कोई हॉबी विकसित करने में सहायता करनी चाहिए। बच्चा जिस भी चीज को मन से करे, उसे वह करने की प्रेरणा देनी चाहिए।

हॉबी के हैं कई फायदे..

- पढ़ाई के बाद बचे समय का सही इस्तेमाल कर पाओगे।
- बड़े होने पर करियर बनाने में मदद मिलेगी।
- एक्टिव रहोगे, दूसरे बच्चों से घुलोगे-मिलोगे, क्रिएटिविटी बढ़ेगी।
- यह आत्मविश्वास बढ़ाती है।
- हॉबी से रचनात्मकता बढ़ती है, कुछ नया जानने-करने की प्रेरणा मिलती है।

हजारों साल पुराना राशिचक्र

राशियों का तिलिस्म मानव को सदियों से उलझाता रहा है। पुरातत्वविदों ने क्रोएशिया में एड्रिआटिक सागर के समीप एक गुफा में दो हजार साल से अधिक पुराने राशिचक्र के अंशों का पता लगाया। राशिचक्र के करीब 30 टुकड़े मिले हैं जो हाथी दांत से बने हैं और उन पर हैलेनिक शैली में राशियां उकेरी गई हैं। कर्क, मिथुन और मीन राशियों को स्पष्ट तौर पर पहचाना जा सकता है लेकिन धनु राशि अधिक स्पष्ट नहीं है।

खुदाई के दौरान नाकोवाने की गुफा में ईसा पूर्व चौथी से पहली शताब्दी के बीच की एक शरणस्थली मिली जिसका संबंध इलीरिया नामक भारतीय यूरोपीय लोगों से था। ब्रह्मांड के रहस्य सुलझाने में लगे वैज्ञानिकों ने इस साल 'डीडीओ 190' नामक एक बहुत ही छोटी, अव्यवस्थित और अस्पष्ट सी आकाशगंगा का पता लगाया है। नासा-ईएस हबल अंतरिक्ष दूरबीन से प्राप्त तस्वीरों के जरिए इसका पता चला। डीडीओ 190 हमारे सौर मंडल से नब्बे लाख प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित है।

इसे मेसियर 94 आकाशगंगा समूह का छिटपुट हिस्सा ही माना जा रहा है, जो आकाशगंगा के स्थानीय समूहों से बहुत ज्यादा दूर नहीं है। अनबूझे रहस्य सुलझाने में लगे वैज्ञानिकों ने अगस्त में प्रोटीन के भीतर एक ऐसे सूक्ष्म कण का पता लगाया, जिससे इस ब्रह्मांड में मानव सबसे ज्यादा बुद्धिमान बन पाया। ब्रिटेन के कोलोराडो विश्वविद्यालय के अध्ययनकर्ताओं ने प्रोटीन के डीयूएफ 1220 नामक कण का पता लगाया। जानवरों की तुलना में हमारा दिमाग इतना बड़ा और ज्यादा जटिल क्यों है, इसका जवाब इस कण में छिपा है। डीयूएफ 1220 एक प्रोटीन डोमेन है, जो बड़ी संख्या में पाया जाता है। अन्य प्रजातियों की तुलना में मानवों में इसकी मौजूदगी अधिक है। कनाडा के योहो नेशनल पार्क के बर्गेस शाले जीवाश्म तल पर मार्च में करीब 50.5 करोड़ वर्ष पुराने जीव का जीवाश्म मिला। यह अब तक मिला सबसे प्राथमिक कशेरूकी है। इस विशेषता के कारण इसे मानव समेत सभी कशेरूकियों का पूर्वज कहा गया। वैज्ञानिकों ने अगस्त में यह भी कहा कि करीब 20 लाख वर्ष पहले हमारी पूर्वज प्रजाति 'होमो इरेक्टस' के दौर में दो और आदि मानव प्रजातियां मौजूद थीं। उन्होंने केन्या की तुर्काना झील के पूर्व से नए जीवाश्म खोजे और उन्हें एक चेहरा, पूरा निचला जबड़ा और एक अन्य निचले जबड़े का हिस्सा मिला। बहरहाल, बड़े मस्तिष्क के आकार और सपाट चेहरे वाली खोपड़ी ने इस विवाद को एक बार फिर हवा दे दी है कि अभिनूतन युग में 'होमो इरेक्टस' के साथ और कितनी आदि मानव प्रजातियां मौजूद थीं। मिशिगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अगस्त में फिलीपीन में उल्लुओं की दो नई प्रजातियों का पता लगाया। इन उल्लुओं की पहचान उनकी आवाज के अध्ययन के बाद की गई।

शौकिया तौर पर गुफाओं की खोज करने वालों ने अगस्त में दक्षिणी ओरेगन में मकड़ियों का नया परिवार खोज लिया। इनके डरावने पंजों के कारण वैज्ञानिकों ने इसे 'ट्रोग्लोरैप्टर' नाम दिया जिसका मतलब होता है गुफा का लुटेरा। वर्ष 1870 के बाद उत्तरी अमेरिका से इस तरह की यह पहली मकड़ी मिली है।

यह थे भविष्य के सबसे भयानक हथियार जो न ले सके आकार

मानव सभ्यता के साथ हथियार अत्यंत आवश्यक चीज मानी जाती हैं। अगर हथियार न होते तो इंसान अपने लिए भोजन नहीं जुटा पाता, जंगली जानवर उसके काबू में कभी नहीं आते। इसलिए आदिकाल से लेकर आज के समय में बेहतर हथियारों की होड़ बदस्तूर जारी है। यह हथियार किसी धर्म, देश आदि से खुद को बचाने के लिए इस्तेमाल किए गए। इसी कड़ी में देशों की सरकारें भी पीछे नहीं रहीं। उन्होंने बहुत सारा पैसा हथियारों के ऐसे महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट में लगा दिया, जिनकी कल्पना करना भी न के बराबर है। यह हथियार सनकी आइडिया के मामले में तो बेहतर थे, लेकिन कभी बन नहीं पाए।

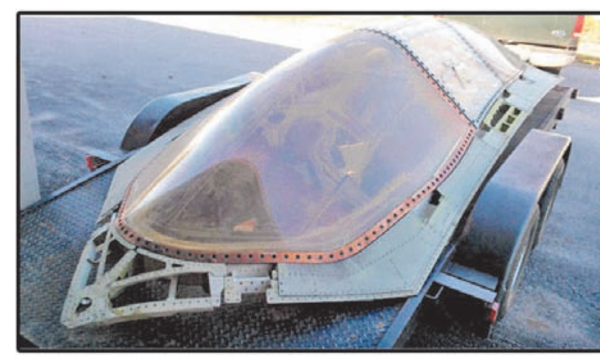

लूनर न्यक्लियर बम (चंद्र परमाणु बम)

सोवियत यूनियन द्वारा अंतरिक्ष में पहला कदम रखने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए इज्जत का सवाल हो गया कि वह उससे बेहतर क्या कर सकते हैं। इस खुफिया योजना को प्रोजेक्ट 119-ए कहा जाता है, जिसका मिशन चंद्रमा पर परमाणु बम गिराना था। वह ऐसा करके अपने देशवासियों का मनोबल बढ़ाना चाहता था।

हालांकि ऐसा कभी हो नहीं सका। क्योंकि उन्होंने आंकड़ों पर नजर डालने के बाद तय किया कि चांद पर परमाणु बम गिराने से अच्छा उस पर कदम रखना है। इस तरह अमेरिका ने अपना पहला अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग चंद्रमा पर भेजा।

आइसबर्ग एयरक्राफ्ट कैरियर

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जहां जर्मन सेना ब्रिटेन और फ्रांस को पटखनी दे रही थीं। वहीं, ब्रिटेन एक बेहद ही खुफिया प्रोजेक्ट हबाकक पर काम कर रहा था। यह बर्फ और लकड़ी की छीलन से बना एयरक्राफ्ट था, लेकिन ब्रितानी सरकार ने लंबे अध्ययन के बाद पाया कि यह संसाधनों का दुरुपयोग ही होगा। इस तरह यह प्रोजेक्ट साकार नहीं ले पाया।

द फ्लाइंग डोरिटो

ए-12 एवेंजर-2 को फ्लाइंग डोरिटो के नाम से जाना जाता है। यह सभी मौसम के लिए उपयुक्त था। यह स्टील्थ बॉम्बर अमेरिकी नेवी और मरीन कॉर्प्स में इस्तेमाल होने वाले ग्रममैन ए-6 इंट्रूडर की जगह उपयोग में लाया जाना था। ए-12 के विकास पर लगने वाला पैसा और समय से अमेरिकी सरकार ने इसे बंद करना ही बेहतर समझा।

सोवियत डूम्स डे

इसके आज भी एक मिथ के रूप में देखा जाता है। 1990 में सोवियत मिलिटी पूर्व हाई रैंकिंग सदस्यऔर कम्युनिस्ट पार्टी की सेंट्रल कमेटी के लोगों ने अमेरिकी रक्षा ठेकेदारों को इंटरव्यू सीरीज के दौरान डेड हैंड होने की बात बताई थी। इसका मतलब यह था कि रूस के पास फुली ऑपरेशनल न्यूक्लियर कंट्रोल सिस्टम था। इससे ऑटोमेटिकली रशियन इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) लांच की जा सकती है। इस न्यूक्लियर हमले का पता भूकंप कंपन, रोशनी, रेडियोएक्टिव, घातक शक्ति संतुलन आदि में ही पहचाना जा सकता है।

द अनलैंडेंड प्लेन

अमेरिका अपने विमान वाहक पोत का इस्तेमाल ऐसे एयरक्राफ्ट के लिए करना चाहता था, जिसे लैंड करने की जरूरत न हो। इसके लिए उसने एसएफवी सालमन प्लेन का निर्माण किया। यह विमान अपनी टेल (पूंछ) पर खड़ा होता था। इससे बाकी प्लेन के लिए जगह बचती थी। लेकिन पायलट के लिए सबसे बड़ी समस्या इसे सीधा लैंड करना था। यह बाकी प्लेन के मुकाबले भी काफी धीमा था और उड़ाना और मुश्किल। ऐसे में इसका आइडिया रद्द कर दिया गया।

इंट्रूडर फॉम द फ्यूचर

बी-70 को परमाणु बम ले जाने के लिए डिजाइन किया गया था। यह 15 मील की ऊंचाई तक उड़ सकता था और ध्वनि की गति से भी तेज था। यह विमान एविएशन ड्रीम की तरह था। अत्यधिक खर्च के कारण इसे टाल दिया गया। हालांकि इनके दो प्रोटोटाइप इस्तेमाल किया जा रहा है। इनमें से एक 1966 में हवा में विस्फोट के साथ ध्वस्त हो गया।

द थंडरस्क्रीच

एक्सएफ-84 एक्सपेरिमेंटल टबरेप्रोप है, जो टर्बाइन इंजन सुपरसोनिक प्रोपलर से बना है। लेकिन इसके शोर के कारण इंजन को 25 मील दूर तक इसकी आवाज सुनी जा सकती थी।

महिला टीम ने इंग्लैंड को बुरी तरह हराकर अपने नाम किया वर्ल्ड रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की महिला क्रिकेट टीम ने दीप्ति शर्मा के ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर टेस्ट मैच में इंग्लैंड पर बड़ी जीत हासिल की है। मेजबान भारतीय टीम की ओर से रखे गए विशाल लक्ष्य के सामने मेहमान टीम ने आसानी से हार मान ली। दीप्ति शर्मा की फिरकी की जाल में इंग्लैंड के बैटर्स आसानी से फंसते गए। मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए इस टेस्ट मैच को भारतीय टीम ने तीसरे दिन ही 347 रन से अपने नाम कर लिया। इससे पहले दोनों टीमें 3 मैचों की टी20 सीरीज में टकराई थीं जहां भारत को 1-2 से हार मिली थी। टीम इंडिया ने टेस्ट मैच को जीतकर उस हार का हिसाब भी बराबर कर लिया। महिला क्रिकेट में रनों के लिहाज से यह किसी भी टीम की सबसे बड़ी जीत है। बता दें कि भारत ने पहली पारी में 428 रन बनाए थे। डेब्यूटेंट शुभा सतीश ने 69 रन की पारी खेली जबकि दीप्ति शर्मा ने 67 रनों का योगदान दिया। विकेटकीपर यास्तिका भाटिया 66 रन बनाकर पवेलियन लौटीं वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 49 रन का योगदान दिया था। जेमिमा रोड्रिग्स 99 गेंदों पर 68 रन बनाकर आउट हुई थीं। जवाब में इंग्लैंड ने पहली पारी में 136 रन बनाए।

इस दौरान मेहमान टीम की ओर से नेट शीवर ने सबसे अधिक 59 रन बनाए। भारत की ओर से पहली पारी में दीप्ति शर्मा ने 5 विकेट लिए। टीम इंडिया ने अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 186 रन पर घोषित की। भारत को पहली पारी में 292 रन की बढ़त हासिल थी। वहीं हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली महिला टीम ने इस जीत के साथ वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया। महिला क्रिकेट में यह किसी भी टीम की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले श्रीलंका ने साल 1998 में पाकिस्तान के खिलाफ 309 रन से जीत हासिल की थी जो महिला क्रिकेट में अब तक की सबसे बड़ी जीत थी। इस लिस्ट में न्यूजीलैंड अब दूसरे से तीसरे नंबर पर खिसक गया है। वहीं इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में 131 रन बनाकर हार गई।

बीसीसीआई ने राहुल द्रविड़ को टीम इंडिया के हेड कोच से किया मुक्त

–वनडे सीरीज में किया बदलाव, सितांशू कोटक होंगे भारतीय टीम के हेड कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने राहुल द्रविड़ को टीम इंडिया के हेड कोच के पद से मुक्त कर दिया है। उनके स्थान पर अब सितांशू कोटक हेड कोच की भूमिका निभाएंगे। गौरतलब है कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ रविवार 17 दिसंबर से खेली जाने वाली 3 मैचों की वनडे सीरीज से पहले कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार राहुल द्रविड़ वनडे सीरीज में टीम इंडिया के हेड कोच नहीं होंगे। इस सीरीज के लिए टीम इंडिया के पास नया कोचिंग स्टाफ होगा। हालांकि भारतीय बोर्ड का यह फैसला चौंकाने वाला है। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल वनडे विश्व कप 2023 तक था लेकिन बीसीसीआई से इसे बढ़ा दिया था। द्रविड़ के मार्गदर्शन में टीम इंडिया ने हाल ही में साउथ अफ्रीका दौरे पर टी20 सीरीज में हिस्सा लिया था। वह वनडे सीरीज में कोच नहीं होंगे लेकिन इस दौरे पर खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज में वह बतौर कोच लौट आएंगे। राहुल द्रविड़ अपना पूरा ध्यान टेस्ट सीरीज पर लगाना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने भारत बनाम साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज से दूर रहने का फैसला किया है। वहीं बीसीसीआई ने भी द्रविड़ के आग्रह को मान लिया है।

हालांकि हर बार की तरह इस बार भी द्रविड़ की गैरमौजूदगी में वीवीएस लक्ष्मण हेड कोच की जिम्मेदारी नहीं संभालेंगे। वनडे सीरीज में भारतीय टीम के हेड कोच सितांशू कोटक होंगे। नए कोचिंग स्टाफ में भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर अजय रात्रा को भी जोड़ा गया है जो फील्डिंग कोच की भूमिका में होंगे वहीं राजीब दत्त गेंदबाजी कोच का रोल अदा करेंगे। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच सीरीज का पहला वनडे 17 दिसंबर को जोहांसबर्ग के न्यू वांडरर्स स्टेडियम में भारतीय समयानुसार दोपहर 1ः30 बजे से खेला जाएगा। वनडे सीरीज में भारतीय टीम की कमान केएल राहुल के हाथों में होगी। इसके बाद भारतीय टीम मेजबानों के साथ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में भिड़ेगी। सीरीज का पहला टेस्ट मैच 26 दिसंबर से न्यू लैंड्स में खेला जाएगा जबकि दूसरा और आखिरी टेट 3 जनवरी से केप टाउन में खेला जाएगा।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम टेस्ट सीरीज पर कब्जा करना चाहेगी। हालां?कि साउथ अफ्रीका में भारतीय टीम ने अभी तक कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। ऐसे में टीम इंडिया आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जाने वाली इस सीरीज को जीतकर साउथ अफ्रीका में इतिहास बनाना चाहेगी। भारतीय टीम 2021-22 में साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीतने के नजदीक पहुंच गई थी। उसने पहले टेस्ट में मेजबानों को हराकर सीरीज की बेहतरीन शुरुआत की थी लेकिन आखिरी 2 टेस्ट में उसे हार का सामना करना पड़ गया था।

आईसीसी टी20 विश्व कप में रोहित शर्मा को मिल सकती है कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्टार कप्तान रोहित शर्मा को टी20 की कमान मिल सकती है। गौरतलब है कि उन्होंने पिछले कई सालों से टी20 इंटरनेशनल नहीं खेला। अब उनको अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप में कप्तानी दी जा सकती है। ऑस्ट्रेलिया में 2022 के टी20 विश्व कप सेमीफाइनल के बाद भारत टूर्नामेंट से बाहर हुआ था। इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के बाद से रोहित शर्मा इस फॉर्मेट में भारत की तरफ से खेलने नहीं उतरे। टीम इंडिया के कप्तान और विस्फोटक ओपनर रोहित शर्मा की फटाफट क्रिकेट में वापसी कब होगी यह सभी जानना चाहते हैं। नवंबर 2022 में रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ इंग्लैंड में अपना आखिरी टी20 मुकाबला विश्व कप के दौरान खेला था। दो साल से ज्यादा वक्त हो चुका है और रोहित ने इस फॉर्मेट में टीम इंडिया की तरफ से नहीं खेला। तब से हार्दिक पंड्या, जसप्रीत बुमराह और सूर्यकुमार यादव टीम की कमान संभाल रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम जिस एक सीरीज में खेलने वाली है उसमें भी रोहित शर्मा की वापसी नहीं होने जा रही। अफगानिस्तान के खिलाफ ही एक मात्र सीरीज है जिसमें टीम इंडिया को खेलना है। 3 मैचों की सीरीज के लिए चुनी जाने वाली टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली के नाम को शामिल नहीं किया जाएगा। अगले साल 11, 14 और 17 जनवरी को तीन टी20 मुकाबले में अफगानिस्तान की टीम खेलेगी। भारतीय टीम के सीनियर खिलाड़ियों को चयनकर्ताओं ने टी20 फॉर्मेट से बाहर रखा है। पिछली कई सीरीज में युवाओं को ही लगातार टीम में मौका दिया जा रहा है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे से नई शुरुआत करने उतरेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व कप के फाइनल में पराजय का कड़वा स्वाद चखने के बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच से इस प्रारूप में नई शुरुआत करने के लिए उतरेगी, जिसमें नई पीढ़ी के उसके कई खिलाड़ी अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराने के लिए बेताब होंगे। अब जबकि टी20 विश्व कप पास में है तब वनडे श्रृंखला की प्रासंगिकता को लेकर सवाल उठाए जा सकते हैं लेकिन 2025 में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को देखते हुए भारत ही नहीं दक्षिण अफ्रीका के लिए भी अपने नए खिलाड़ियों को आजमाने का यह बेहतरीन मौका होगा।

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने पिछले डेढ़ दशक में सीमित ओवरों की क्रिकेट में अपनी विशेष छाप छोड़ी है, लेकिन अब उनका करियर अवसान पर है और ऐसे में उनकी विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी पर है। इन परिस्थितियों में सबसे ज्यादा ध्यान केएल राहुल पर रहेगा जो तीन मैच की श्रृंखला में टीम की अगुवाई करेंगे। वह पहले भी भारतीय टीम की कप्तानी कर चुके हैं लेकिन इस श्रृंखला में सफलता मिलने पर उन्हें लंबी अवधि के लिए वनडे टीम की कमान सौंपी जा सकती है।

राहुल, अस्वस्थ होने के कारण टी20 श्रृंखला में नहीं खेल पाने वाले रुतुराज गायकवाड़ और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी पहले भी अपने कौशल का परिचय दे चुके हैं, लेकिन कुछ अन्य खिलाड़ी अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए बेताब होंगे। इन खिलाड़ियों में रिंकू सिंह भी शामिल है जिन्होंने इस साल टी20 क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ी है। टीम प्रबंधन उन्हें 50 ओवरों के प्रारूप में भी आजमाना चाहेगा और इसलिए बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को कल वनडे में पदार्पण का मौका मिल सकता है। रजत पाटीदार को भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने का मौका मिल सकता है।

इसी तरह से भारद्वाज साईं सुदर्शन और तिलक वर्मा को भी मध्यक्रम मैं जगह मिल सकती है। भारतीय टीम प्रबंधन को उम्मीद रहेगी कि ये खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के आक्रमण के सामने अच्छा प्रदर्शन करेंगे, जो कैगिसो रबाडा और एनरिक नोर्किया की अनुपस्थिति के कारण कमजोर है। भारत भी वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले तीन तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज के बिना इस श्रृंखला में उतरेगा।

बुमराह और सिराज टेस्ट श्रृंखला में खेलेंगे लेकिन शमी को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की चिकित्सा टीम की तरफ से फिटनेस को लेकर मंजूरी नहीं मिली है। इन प्रमुख तेज गेंदबाजों की अनुपस्थिति में भारत का दारोमदार आवेश खान, मुकेश कुमार और अर्शदीप सिंह पर टिका रहेगा। जोहानिसबर्ग की पिच से गुरुवार को तीसरे टी20 मैच में स्पिनरों को मदद मिल रही थी और अगर यही स्थिति बनी रहती है तो भारत कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और युजवेंद्र चहल के रूप में तीन स्पिनरों के साथ उतर सकता है। भारत वाशिंगटन सुंदर को भी मौका दे सकता है जो शीर्ष क्रम में बल्लेबाज की भूमिका भी निभा सकते हैं। चहल को अगर मौका मिलता है तो वह चयनकर्ताओं को प्रभावित करने की कोशिश करेंगे।

यह 33 वर्षीय लेग स्पिनर वनडे विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं था। राहुल की मौजूदगी में संजू सैमसन को रिजर्व विकेटकीपर के रूप में टीम में रखा गया है। इस सत्र में अधिकतर समय उनकी अनदेखी की गई लेकिन यहां उन्हें बल्लेबाज के रूप में मौका मिलने की उम्मीद रहेगी।

क्रिकेट की लंबी पारी खेलने में बेजोड़ हैं सूर्यकुमार यादव का बल्ला

नई दिल्ली। भारतीय टीम के धुरंधर प्लेयर सूर्यकुमार यादव क्रिकेट की लंबी पारी खेलने में बेजोड़ हैं। उन्होंने करीब ढाई साल के इंटरनेशनल करियर में ही क्रिकेट जगत में खास मुकाम बनाया था। विकेट के किसी भी कोने में शॉट खेलने की क्षमता के कारण उन्हें एबी डिविलियर्स के बाद विश्व क्रिकेट का दूसरा '360 डिग्री बैटर' कहा जाने लगा है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुरुवार को जोहानिसबर्ग के तीसरे टी20आई में सूर्या ने 56 गेंदों पर 100 रन की धमाकेदार पारी खेली और कुलदीप यादव के साथ भारतीय टीम को मैच में जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की।

सूर्यकुमार अब तक 60 मैचों में ही चार शतक लगा चुके हैं। टी20आई फॉर्मेट में शतक लगाने में उन्होंने भारत के रोहित शर्मा और ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल के रिकॉर्ड की बराबरी की है। यहां गौरतलब है कि मैक्सवेल ने 100 और रोहित ने 148 टी20आई मैचों में चार-चार शतक लगाए हैं जबकि सूर्या 60 मैचों में इस आंकड़े तक पहुंच गए हैं। वैसे टी20आई में सबसे अधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड भले ही संयुक्त रूप से सूर्यकुमार यादव, ग्लेन मैक्सवेल और रोहित शर्मा के नाम पर हो लेकिन इस फॉर्मेट में लंबी पारी खेलने के मामले में ऑस्ट्रेलिया के एरोन फिंच बेजोड़ हैं। बता दें कि टी20आई की टॉप तीन सबसे बड़ी पारियों में से दो फिंच के नाम पर हैं। जबकि सर्वाधिक निजी स्कोर का रिकॉर्ड भी ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व ओपनर के नाम हैं। क्रिकेट से संन्यास ले चुके फिंच ने जिम्बाब्वे के खिलाफ जुलाई 2018 में महज 76 गेंदों पर 172 रन की पारी खेली थी जिसमें 16 चौके और 10 छक्के शामिल थे। हालांकि वे अगस्त 2013 में इंग्लैंड के खिलाफ इस फॉर्मेट में 156 रन की पारी भी खेल चुके हैं। इस पारी में फिंच में 63 गेंदों का सामना करते हुए 11 चौके और 14 छक्के जड़े थे। ऑस्ट्रेलिया टीम ने इस दोनों ही मैचों में जीत हासिल की थी।

जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप : भारत कांस्य पदक के प्लेऑफ में स्पेन से 1-3 से हारा

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत की शनिवार को यहां जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के कांस्य पदक के प्लेऑफ में सम्मान बचाये रखने की उम्मीद स्पेन से 1-3 से मिली हार से टूट गई। स्पेन के लिए निकोलस अल्वारेज ने 25वें और 51वें मिनट में और पेटचामे पाउ ने 40वें मिनट में गोल दागा। भारत के लिए एकमात्र गोल सुनील जोजो ने 28वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से किया और दो बार की जूनियर विश्व चैम्पियन की पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील नहीं कर पाने की कमजोरी शनिवार को फिर सामने आई।

टूर्नामेंट के इस चरण में भारत को स्पेन से दूसरी बार हार का सामना करना पड़ा। पूल चरण में भी भारत इस यूरोपीय टीम से 1-4 से हार गया था। भारत भुवनेश्वर में 2021 में हुए पिछले चरण में चौथे स्थान पर रहा था। स्पेन ने उत्तम सिंह की अगुआई वाली टीम पर जीत से इस वैश्विक टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की। उसने रोटरडम में 2005 चरण में भारत को पेनल्टी पर 6-5 से हराकर कांस्य पदक जीता था।

स्पेन ने मैच में पूरी तरह से दबदबा बनाया हुआ था और अगर भारतीय गोलकीपर मोहित शशिकुमार ने पहले हाफ के बाद कुछ बेहतरीन बचाव नहीं किए होते तो हार का अंतर और बड़ा हो सकता था। मोहित ने 33वें मिनट में दो शानदार बचाव किये जिससे स्कोर 1-1 से बराबर रहा। स्पेन के लिए अल्वारेज ने गोल की शुरूआत की और तीन मिनट बाद भारत ने सुनील जोजो के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से बराबरी हासिल की जबकि पहले प्रयास में स्पेनिश गोलकीपर ने इसे बचा लिया था।

भारत पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में फिर बुरी तरह विफल रहा और यह जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल की तरह रहा जिसमें टीम ने दर्जनों प्रयास खराब कर दिए थे और उसे 1-4 से हार मिली थी। जोजो के 28वें मिनट के प्रयास को छोड़कर पेनल्टी कॉर्नर के आठ प्रयास नाकाम रहे। स्पेन ने पेटचामे पाउ के 40वें मिनट में किये गोल से बढ़त बना ली। भारत के बिखरे हुए रक्षण के खिलाफ 51वें मिनट में काब्रे वर्डेल्स के शॉट पर अल्वारेज ने गोल कर दिया।

भारतीय खेमे में हताशा बढ़ती जा रही थी जिससे कुछ टक्कर भी हुई और पेटचामे हूटर से तीन मिनट पहले लंगड़ा रहे थे। स्पेन के पेरे अमात को भी टीम फिजियो की मदद लेनी पड़ी। भारत ने 2016 में टूर्नामेंट के लखनऊ चरण में स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले 2001 में होबार्ट में देश ने खिताब जीता था। भारत 1997 में इंग्लैंड में उप विजेता रहा था। पिछले चरण का उप विजेता जर्मनी फाइनल में फ्रांस से खेलेगा।

रीयल कश्मीर एफसी ने शिलांग लाजोंग एफसी को 3-1 से हराया

श्रीनगर। रीयल कश्मीर फुटबॉल क्लब ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए शनिवार को आई-लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के पहले दौर के अपने आखिरी घरेलू मैच में शिलांग लाजोंग एफसी को 3-1 से हराया कमल इसाह ने मैच के पांचवें मिनट में ही रीयल कश्मीर का खाता खोल दिया लेकिन 16वें मिनट में करीम साम्ब ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। ग्नोहरे क्रिजो (55वां मिनट) और मोहम्मद इनाम (69वां मिनट) ने दूसरे हाफ में गोल किए जिससे टीम की बढ़त को 3-1 हो गयी। टीम मैच के आखिर तक इस बढ़त को बनाए रखने में सफल रही। आरकेएफसी 10 मैचों में छह जीत, दो ड्रॉ और दो हार से 20 अंक के साथ तालिका में तीसरे पायदान पर है। शिलांग लाजोंग 16 अंक के साथ पांचवें पायदान पर है।

ऑस्ट्रेलिया के 487 रन के जवाब में पाकिस्तान के जमाल ने किया कमाल

–टेस्ट मैच में 6 विकेट लेकर आस्ट्रेलिया को आगे बढ़ने से रोका

पर्थ (एजेंसी)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज आमिर जमाल ने अपने शुरुआती टेस्ट मैच की पारी में छह विकेट लेने का कारनामा किया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में शुक्रवार को यहां 500 रन तक पहुंचने से रोका। जिसके बाद पाकिस्तान ने शुरूआत करते हुए दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 53 ओवर में दो विकेट पर 132 रन बनाए। मैच में ऑलराउंडर मिशेल मार्श ने 90 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन जमाल ने 111 रन देकर छह विकेट लिए, जिससे पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 487 रन ही बनाने दिए। उसकी पहली पारी का आकर्षण सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर का शतक रहा। उन्होंने पहले दिन 211 गेंद पर 164 रन की पारी खेली थी। हालांकि पाकिस्तान की टीम अभी ऑस्ट्रेलिया से 355 रन पीछे है। उसके बल्लेबाजों ने किसी तरह का जोखिम नहीं लिया। अब्दुल्ला शफीक (42) और इमाम उल हक ने पहले टिकट के लिए 36।2 ओवर में 74 रन जोड़कर पाकिस्तान को अच्छी शुरुआत दिलाई। ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने शफीक को वॉर्नर के हाथों कैच कराकर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। पाकिस्तान के आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज कप्तान शान मसूद को तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने विकेट के पीछे कैच कराया। हालांकि स्टंप उखड़ने के समय इमाम 38 और नाइट वॉचमैन खुर्रम शहजाद सात रन पर खेल रहे थे।

कगिसो रबाडा सहित कई गेंदबाज चोटिल...दक्षिण अफ्रीका टीम पर गहराया संकट

डरबन। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी गेंदबाज कगिसो रबाडा के चोट से उबरने की मंद गति से दक्षिण अफ्रीका का टीम प्रबंधन चिंतित दिख रहा है। रबाडा को विश्व कप के सेमीफाइनल मैच में एड़ी में चोट लगी थी, इसके बाद वह मैच के अंतिम ओवरों में गेंदबाजी नहीं कर सके थे। मेजबान टीम को 26 दिसंबर से भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है, मगर रबाडा की चोट को देखकर उनके अंतिम एकादश में शामिल होने को लेकर संशय के बादल मंडरा रहे हैं। दरअसल, द.अफ्रीका की टेस्ट टीम कप्तान तेम्बा बवूमा और रबाडा को लायंस की टीम की तरफ से शुरू हो रहे एक मैच में हिस्सा लेना था, लेकिन लायंस के टीम प्रबंधन ने साफ किया है कि दोनों खिलाड़ी इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं। लायंस के बयान में कहा गया है कि बवूमा निजी कारणों से इस मैच में हिस्सा नहीं ले रहे हैं, और रबाडा की एड़ी में दिक्कत है। अगर रबाडा पूरी तरह से चोट से नहीं उबर सके तब दक्षिण अफ्रीका के लिए यह बहुत बड़ी चिंता का विषय है। दक्षिण अफ्रीका के ज्यादातर मुख्य तेज गेंदबाज टीम से बाहर हैं। अनरिख नॉर्खिए पहले से ही पीठ में लगी चोट के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं। वहीं, लुंगी एनगिडी को भी टखने में चोट लगी है, जिसके कारण वह टी20 सीरीज का हिस्सा नहीं बन पाए थे। 2 अन्य तेज गेंदबाज जेराल्ड कोएत्जी और मार्को यानसन को मौजूदा टी20 सीरीज के टीम से भी रिलीज कर दिया गया है। साथ ही वे वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। दोनों तेज गेंदबाज प्रथम श्रेणी मैचों में हिस्सा ले रहे हैं, ताकि वह टेस्ट सीरीज के लिए तैयारी कर सकें। बवूमा ने वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल के बाद कोई भी मैच नहीं खेला है। 16 नवंबर को हुए उस मैच में भी वह हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे थे। हालांकि चोट के बावजूद भी बवूमा ने उस मैच को खेला था। उन्होंने आखिरी बार मार्च में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था। उस सीरीज के दौरान बवूमा ने वांडरर्स में 172 रनों की पारी खेली थी, जो सीरीज जीत में काफी अहम साबित हुई थी।

पाकिस्तान से बाहर होगी चैंपियंस ट्रॉफी? पीसीबी ने मेजबानी अधिकार पर किए हस्ताक्षर

कुआलालंपुर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने दुबई में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के साथ 2025 चैंपियस ट्रॉफी के लिए मेजबानी अधिकार समझौते को आधिकारिक तौर हर हस्ताक्षर किए। अब ये तय हो गा है कि 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान ही रहेगा। पीसीबी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जका अशरफ और आईसीसी जनरल काउंसिल जोनाधन हॉल द्वारा चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी समझौते हस्ताक्षर हुए।

आखिरी बार पाकिस्तान में आईसीसी इवेंट 1996 में हुआ था, जो क्रिकेट वर्ल्ड कप था। 2009 में लाहौर में श्रीलंकाई टीम पर आतंकवादी हमले के बाद से पाकिस्तान में कई आईसीसी टूर्नामेंट नहीं हुआ, बल्कि सुरक्षा चिंताओं के कारण कई सालों तक किसी देश ने भी पाकिस्तान का दौरान नहीं किया था। 2009 चैंपियंस ट्रॉफी और 2011 वर्ल्ड कप के कुछ मैचों की मेजबानी करने से भी पाकिस्तान चूक गया था।

पाकिस्तान में एशिया कप 2023 का आयोजन भी होना था लेकिन सुरक्षा के कारण बीसीसीआई अपनी टीम वहां नहीं भेजना चाहती थी। पाकिस्तान को इसके बाद इसे हाइब्रिड मॉडल में आयोजित करना पड़ा था, जिसके तहत भारत ने अपने सारे माच श्रीलंका में खेले थे, जबकि इसका सेमीफाइनल और फाइनल भी पाकिस्तान नहीं हुआ। हालांकि, इसका मेजबान पाकिस्तान ही था और जो लोग ये सोच रहे हैं कि इस समझौते से पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान में ही होगी वो पूरी तरह से इस मामले में सही नहीं है।

दरअसल, भारतीय टीम सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान नहीं जाना चाहती है और यही कारण है कि चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भी संशय था कि क्या 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी अधिकार पाकिस्तान से छीन लिए जाएंगे, लेकिन पीसीबी और आईसीसी द्वारा अनुबंध पर हस्ताक्षर के बाद तय हो गया है कि पाकिस्तान ही टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा लेकिन फिलहाल वो मेजबानी पाकिस्तान में होगी या बाहर इस पर अभी फैसला साफ नहीं है।

बता दें कि, पीसीबी और आईसीसी के बीच हुए अनुबंध के मायने क्या है यहां समझे। दरअसल, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी के साथ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी अधिकार हासिल तो कर लिए हैं, लेकिन इसका पूरी तरह से मतलब भी नहीं है कि चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में ही होगी। अभी ये स्पष्ट नहीं है कि अनुबंध में क्या बातें लिखी है।

इसलिए संभव है कि चैंपियंस ट्रॉफी अभी भी पाकिस्तान से बाहर हो सकती है या भारत अपने मैच पाकिस्तान के बाहर खेल सकता है या इसे हाइब्रिड मॉडल में किया जा सकता है। हां चैंपियंस ट्रॉफी अभी भी बाहर हो सकती है बस इसका मेजबान पाकिस्तान रहेगा, जैसे एशिया कप में देखने को मिला था मैच श्रीलंका में हुए लेकिन मेजबान पाकिस्तान ही था।

गिरिराज सिंह ने कहा- बिहार जंगल राज पार्ट-2 में चल रहा है

बक्सर । केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह एक दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को बक्सर में थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार में बिहार जंगल राज पार्ट-2 में चल रहा है। जब लालू मुख्यमंत्री थे तो सिम्मी का ऑफिस पटना में था। इसीलिये बिहार आज उग्रवादी और आतंकियों की नर्सरी है। दानापुर अनुमंडल दानापुर कोर्ट परिसर में पेशी के लिए लाए गए अपराधी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस पर गिरिराज सिंह ने कहा कि कैदी की गोली मारकर हत्या की गई है वह नई बात नहीं है। जब इंस्पेक्टर को गोली मार दी जाती है। कोई ऐसा दिन नहीं जब 20-25 तक मर्डर बिहार में ना हों। इसके बाद भी मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री कहते हैं कि हमारा क्राइम का डेटा कम है। लालू जी अब साथ आ गए हैं। इसलिए अपराधियों का मनोबल बढ़ गया है। संसद की सुरक्षा में सेंधमारी पर दोनों सदनों में हंगामा हो रहा है। इस पर गिरिराज सिंह ने कहा कि उग्रवादी की कोई जात नहीं होती यह ओवैसी के लिए हो सकता है यह कांग्रेस के लिए हो सकता है। यह टुकड़े-टुकड़े गैंग के लिए हो सकता है। भारत सरकार के लिए और लोकसभा के अध्यक्ष के लिए आतंकवादी आतंकवादी ही है। उन्होंने कहा कि सरकार की नजर में आतंकवादी आतंकवादी होता है। आतंकवादी की कोई जात नहीं होती है। कुछ महीने पहले सरकार को तबाह और बदनाम करने के लिए किसान आंदोलन किया गया था। जिसका टूल किट कहीं और से जुड़ा था। वह दिन दूर नहीं जिस दिन सब के चेहरे बेनकाब होंगे।

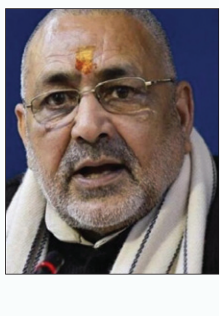

फिर विपश्यना पर जाएंगे अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 19 दिसंबर को दिल्ली में इंडिया ब्लॉक की चौथी बैठक के दिन 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान पाठ्यक्रम के लिए एक अज्ञात स्थान पर रवाना होने वाले हैं। विपश्यना एक प्राचीन भारतीय ध्यान तकनीक है जिसमें अभ्यासकर्ता अपनी मानसिक भलाई को बहाल करने के लिए लंबे समय तक बात करके या इशारों के माध्यम से किसी भी संचार से दूर रहते हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि वह इंडिया ब्लॉक की चौथी बैठक में शामिल होने वाले हैं या नहीं। केजरीवाल लंबे समय से विपश्यना का अभ्यास कर रहे हैं। हर साल, वह 10-दिवसीय विपश्यना पाठ्यक्रम के लिए जाते हैं और प्राचीन ध्यान प्रणाली का अभ्यास करने के लिए पिछले वर्षों में बेंगलुरु और जयपुर सहित कई स्थानों पर गए हैं। केजरीवाल किसी अज्ञात स्थान पर कोर्स के लिए रवाना होने वाले हैं। चौथी बैठक में विपक्षी इंडिया गुट एकता की थीम मैं नहीं, हम पर काम करना चाहता है। बैठक में सीट-बंटवारे के विषय पर चर्चा होने की संभावना है जो कि इंडिया ब्लॉक के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन जाएगा। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले संयुक्त चुनाव अभियान पर भी चर्चा हो सकती है। 27 गठबंधन सहयोगियों की आखिरी बैठक सितंबर में मुंबई में हुई थी जिसमें समन्वय समितियों का गठन किया गया था।

हिमाचल में आज बर्फबारी की संभावना

शिमला । हिमाचल में शनिवार से मौसम बदल सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण मध्य व उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में वर्षा व हिमपात होने की संभवना है। 17 से 21 दिसंबर तक मौसम साफ रहेगा। मौसम बदलने से शीतलहर में इजाफा हो सकता है। जिला कुल्लू, लाहौल-स्पीति और रोहतांग दर्रा, बारालाचा, कुंजुम दर्रा, सेवन सिस्टर पीक, हनुमान टिब्बा सहित अन्य ऊंचाई वाली जगहों पर बर्फ के फाहे गिरने से ठंड बढ़ गई है। शुक्रवार को राजधानी शिमला सहित कई इलाकों में आसमान पर बादलों ने डेरा डाले रखा जिससे धूप न खिलने के कारण ठंड बढ़ गई है।

राज्यसभा में राघव चड्ढा होंगे आम आदमी पार्टी के नेता, संजय सिंह की जगह संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली। संजय सिंह की अनुपस्थिति में राघव चड्ढा को राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) का नेता नियुक्त किया गया है। आम आदमी पार्टी सांसद फिलहाल दिल्ली शराब नीति मामले में सलाखों के पीछे हैं। राज्यसभा सभापति को लिखे पत्र में, आप पार्टी नेतृत्व ने कहा है कि संजय सिंह की अनुपस्थिति में, जिन्हें 'स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं' हैं, राघव चड्ढा अब से उच्च सदन में पार्टी के नेता होंगे। राज्यसभा सचिवालय के सूत्रों ने पुष्टि की कि चड्ढा को सदन का नेता नियुक्त करने के संबंध में आप की ओर से एक पत्र प्राप्त हुआ है। चड्ढा राज्यसभा के सबसे युवा सदस्यों में से एक हैं। राज्यसभा ने 4 दिसंबर को पंजाब से उच्च सदन के सदस्य चड्ढा के निलंबन को समाप्त करने के लिए भाजपा सदस्य जीवीएल नरसिम्हा राव द्वारा पेश प्रस्ताव को ध्वनि मत से अपनाया था। सांसद को विशेषाधिकार समिति ने मीडिया के सामने 'भ्रामक' तथ्य पेश करने का दोषी ठहराया था, और उनका निलंबन वापस लेने के बाद उन्हें सदन की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति दी गई थी। चड्ढा 11 अगस्त से निलंबित थे, जब कुछ सांसदों, जिनमें से अधिकांश सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के थे, ने उन पर उनकी सहमति के बिना एक प्रस्ताव में अपना नाम जोड़ने का आरोप लगाया था। प्रस्ताव में विवादास्पद दिल्ली सेवा विधेयक की जांच के लिए एक चयन समिति के गठन की मांग की गई। वर्तमान में उच्च सदन में आप के कुल 10 सदस्य हैं। राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बाद सदस्यों की संख्या के हिसाब से आप चौथी सबसे बड़ी पार्टी है।

हनी ट्रैप में फंसाने के आरोप में एक दम्पत्ति सहित चार गिरफ्तार

बेंगलुरु । एक उद्योगपति को हनी ट्रैप में फंसाने के आरोप में सेंट्रल सिटी क्राइम ब्रांच (सीसीबी) की विशेष शाखा ने एक विवाहित जोड़े सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच से पता चला कि पत्नी को विधवा के रूप में दर्शाने वाले पति ने पैसे ऐंठने और मामले में फंसाने के लिए पत्नी को एक उद्योगपति के साथ भेजा था। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान खलीम, सबा, ओबेद रकीम और अतीक के रूप में की गई है। खलीम और सबा विवाहित जोड़े ने एक उद्योगपति अतीउल्लाह को फंसाने का प्रयास किया। खलीम ने अपनी पत्नी सबा का परिचय अतीउल्ला से विधवा के रूप में कराया और उसकी देखभाल करने को कहा। जल्द ही अतीउल्लाह और सबा के बीच शारीरिक नजदीकियां बढ़ गईं। उन्होंने अतीउल्लाह को आरआर नगर इलाके में एक होटल का कमरा बुक करने के लिए आधार कार्ड के साथ आने के लिए कहा। जब अतीउल्लाह होटल के कमरे में दाखिल हुआ, तो आरोपी अंदर घुस आया और उसके परिवार से उसके अफेयर को छुपाने के लिए उससे 6 लाख रुपये की मांग की। जब आरोपी हंगामा कर रहे थे, तो सीसीबी पुलिस को सूचना मिली और उन्होंने होटल पर छापा मारा। अधिकारियों ने आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया और हिरासत में ले लिया। पुलिस को संदेह है कि आरोपी हनी ट्रैपिंग और जबरन वसूली के कई मामलों में शामिल हो सकते हैं। आरआर नगर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है।

मुंबई में मंप्स के तेजी से बढ़ रहे मामले, ज्यादातर बच्चे हो रहे प्रभावित

नई दिल्ली । देश में इस समय मंप्स का प्रकोप बच्चों को प्रभावित कर रहा है। दरअसल महाराष्ट्र, हैदराबाद और तेलंगाना राज्यों के बच्चों में तेजी से मंप्स के मामले बढ़ रहे हैं। इस बीमारी के मामलों में होती बढ़ोतरी ने सभी विशेषज्ञों को चिंता में डाल रखा है। अब इससे निपटने के प्रयास तेज हो गए हैं। अब इससे बचाव के लिए सही कदम उठाने तथा इस गंभीर बीमारी के बारे में सही जानकारी हासिल करने की कोशिश की जा रही है। क्लीवलैंड क्लिनिक के मुताबिक मंप्स एक संक्रामक रोग है, जो मंप्स वायरस के कारण होता है, जो पैरामाइक्सोवायरस नामक वायरस के ग्रुप से संबंधित है। यह बीमारी सिरदर्द, बुखार और थकान जैसे हल्के लक्षणों से शुरू होती है, लेकिन फिर यह आम तौर पर कुछ सलाइवरी ग्लैंड्स (पैरोटाइटिस) में गंभीर सूजन की वजह बन जाता है, जिसके कारण गाल फूल जाते हैं और जबड़ा सूजा हुआ हो जाता है। मंप्स बचपन की एक बहुत ही आम बीमारी हुआ करती थी। हालांकि, 1967 में इसका टीका उपलब्ध होने के बाद, इसके मामलों की संख्या में काफी कमी आई। मंप्स के शुरुआती लक्षण अक्सर हल्के होते हैं। बहुत से लोगों में कोई लक्षण नहीं होते और उन्हें पता भी नहीं होता कि वे संक्रमित हैं। मंप्स के हल्के लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, थकान, भूख में कमी और मांसपेशियों में दर्द शामिल है। कुछ दिनों बाद पैरोटिड ग्लैंड्स में दर्दनाक सूजन हो सकती है। चेहरे के एक या दोनों तरफ यह हो सकती है। मंप्स का यह क्लासिक संकेत चिपमंक गाल जैसा दिखता है, क्योंकि इसमें रोगी के गाल फूल जाते हैं और जबड़ा सूज जाता है। मंप्स के 70 प्र ?तिशत से अधिक मामलों में पैरोटाइटिस होता है। इसमें कई अलग-अलग वायरस और बैक्टीरिया पैरोटाइटिस का कारण बन सकते हैं।

पीएम मोदी ने भारतीय राजनीति को बदल दिया हैं, कांग्रेस इस बात को समझ लेः नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन राज्यों में मिली चुनावी जीत के बाद भाजपा का उत्साह चरम पर हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश के दौरे पर हैं। बिलासपुर में नड्डा के अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया था। इस मौके पर नड्डा ने कहा कि 3 राज्यों की हमारी इस जीत ने तथाकथित राजनीति पंडितों को भी स्तब्ध किया है। क्योंकि वहां राजनीति के गणित को पहचान नहीं पाते, राजनीति की गहराइयों को जान नहीं पाते। वहां समझ नहीं पाते कि ये कैसे हो गया।

नड्डा ने कहा कि वर्तमान समय में राजनीति करने के अर्थ बदल चुके हैं। कांग्रेस के लोग इस जल्दी समझ लें, तब अच्छा है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने राजनीति की संस्कृति बदल दी है। मोदी जी ने कहा है कि जो कहा था, वहां किया है और जो नहीं कहा था, वहां भी करके दिया है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जनता रिपोर्ट कार्ड की राजनीति पर विश्वास करती है। अब दुनिया में ये साबित हो गया है कि मोदी की गारंटी, गारंटी पूरा होने की भी गारंटी है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी की सरकार ने हर घर तक नल से जल पहुंचाया है। मुझे खुशी है कि नरेंद्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने मुझे स्वास्थ्य मंत्री बनाया। उसके बाद हम लोगों ने दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ योजना आयुष्मान भारत योजना शुरू की। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में देश के 13.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। अब भारत में अति गरीबी 1 प्रतिशत से भी कम रह गई है। ये है मोदी जी की गारंटी।

नड्डा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन विधेयक के माध्यम से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का काम मोदी जी ने किया है। 2027 में जब हिमाचल प्रदेश में चुनाव होने पर यहां विधानसभा में 33 प्रतिशत बहनें होंगी और 2029 में संसद में भी 33 प्रतिशत महिलाएं होंगी। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने हिमाचल को हमेशा अपना समझा है। जब यहां आपदा आई, तब मोदी जी के निर्देश पर हम यहां आए थे। 10 जुलाई को हमने 180 करोड़ रुपये की पहली किस्त यहां दी और फिर 20 जुलाई को भी 180 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त हिमाचल के लिए दी गई। नड्डा ने कहा कि अभी 4 दिन पहले 633 करोड़ रुपये हिमाचल को दिए गए हैं। हिमाचल में सिर्फ राहत के रूप में 1,782 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता दी गई। 11 हजार घर बनाने के लिए 2,500 करोड़ रुपये अलग से हिमाचल प्रदेश सरकार को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता हमारे लिए गरीब जनता की सेवा करने और उस गरीब को ताकत देने का माध्यम है।

सुरक्षा में सेंध के मामले पर विदेशी कनेक्शन खंगाल रहीं है पुलिस

नई दिल्ली। 13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले आरोपियों से लगातार पूछताछ की जा रही है। पुलिस हर एक पहलू पर जांच कर रही है। कहीं कोई विदेशी कनेक्शन तो नहीं है, इसको लेकर भी जांच पड़ताल की जा रही है। दिल्ली की एक अदालत से सात दिन की रिमांड के दौरान पुलिस, मास्टर माइंड ललित झा को लेकर राजस्थान जाने की योजना बना रही है। इसके लिए पुलिस उसी स्थान पर झा को लेकर जाएगी जहां उसने सारे सबूत नष्ट किए थे। मोबाइल फोन जलाया था, इसके बाद ही दिल्ली लोटा था। दिल्ली पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट में दावा किया कि झा ने स्वीकार किया है कि संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने की साजिश रचने के लिए आरोपी कई बार एक-दूसरे से मिले थे। संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के आरोप में गिरफ्तार ललित झा पूरे षड्यंत्र का सरगना है और वह तथा अन्य आरोपी देश में अराजकता फैलाना चाहते थे, ताकि वे सरकार को अपनी मांगें मनवाने के लिए मजबूर कर सकें. सूत्रों ने कहा कि पुलिस 13 दिसंबर को हुई इस घटना का नाट्य रूपांतरण करने के लिए संसद से अनुमति मांग सकती है. यह घटना 2001 में संसद पर हुए हमले की बरसी पर हुई थी. पश्चिम बंगाल के रहने वाले ललित झा को गुरुवार रात गिरफ्तारी के बाद शुक्रवार को सात दिन के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने कहा कि इसके अलावा आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने की जरूरत है कि क्या उसका किसी दुश्मन देश या आतंकवादी संगठन से कोई संबंध है। जांच की दिशा के बारे में बात करते हुए पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वे झा को राजस्थान ले जाएंगे, ताकि उस स्थान का पता चल सके जहां उसने अपना फोन फेंका था और दूसरों के फोन जला दिए थे। उन्होंने कहा, 'घटना के बाद वह राजस्थान भाग गया था, जहां वह दो दिन तक रहा और रात दिल्ली लौट आया।' अधिकारी ने कहा कि मामले में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि पुलिस के पास आरोपियों के मोबाइल फोन नहीं हैं, जिससे साजिश का पता लगाने और अधिक लोगों की संलिप्तता के बारे में जानकारी जुटाने में मदद मिल सके. उन्होंने कहा कि पुलिस सुबह से दो और लोगों ,कैलाश और महेश से पूछताछ कर रही है। उन्होंने कहा कि अब तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया है।

तेलंगाना में भाजपा को अब किसी की जरुरत नहीं, अकेले लड़ेगी लोकसभा

हैदराबाद (एजेंसी)। 2018 के तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को सिर्फ एक सीट मिली थी। फिर उप चुनाव हुए और दो सीटों पर भाजपा जीत गई। उसे लगा कि तेलंगाना में कमल खिलने का पूरा मौका है। इसी सोच के साथ 2023 के विधानसभा चुनाव में 119 में से 111 सीटों पर चुनाव लड़ लिया। संयोग से 8 सीटों पर सफलता भी मिल गई। अब भाजपा का लगता है कि तेलंगाना का ताज उससे दूर नहीं है। क्योंकि सीटें और वोट प्रतिशत में बढोत्तरी हुई है इसलिए पार्टी ने निर्णय लिया है कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में अकेले ही ताल ठोकेगी।

तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने साफ किया कि भाजपा किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं करेगी। भाजपा नेता आगामी लोकसभा चुनाव में अपना प्रदर्शन बेहतर करने को लेकर आश्वस्त हैं। उनका मानना है कि मोदी फैक्टर के कारण लोकसभा में वोटिंग पैटर्न अलग होगा। लोकसभा चुनाव की तैयारियों के तहत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा दिसंबर के अंत में तेलंगाना का दौरा करेंगे। किशन रेड्डी ने पार्टी पदाधिकारियों, जिला अध्यक्ष और लोकसभा क्षेत्रों के

प्रभारियों के साथ बैठक की। उन्होंने और तेलंगाना के प्रभारी भाजपा महासचिव तरुण चुघ ने बैठक को संबोधित किया और पार्टी नेताओं को चुनाव के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। उनसे आज से शुरू हो रहे विकसित भारत अभियान के तहत केंद्र की भाजपा नीत सरकार द्वारा लागू की जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने के लिए कहा गया। किशन रेड्डी ने दावा किया कि भाजपा के पास तेलंगाना में बढ़ने के बड़े अवसर हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि नतीजे चुनाव सर्वेक्षणों के अनुमान से अधिक होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) दोनों से लड़ेगी।

गत 30 नवंबर को हुए तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अभिनेता-राजनेता बने पवन कल्याण की जन सेना पार्टी (जेएसपी) के साथ गठबंधन किया था। जेएसपी ने आठ सीटों पर चुनाव लड़ा लेकिन उसे कोई सीट नहीं मिली। राज्य की कुल 119 में से 111 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली भाजपा को आठ सीटें मिलीं। भगवा पार्टी को 2018 के चुनाव में सिर्फ एक सीट पर जीत मिली थी। बाद में उपचुनावों में दो सीटें जीतने के बाद इसकी संख्या में सुधार हुआ और यह तीन हो गई। भाजपा अपना वोट शेयर भी 2018 के 6.98 प्रतिशत से दोगुना कर लगभग 14 प्रतिशत करने में सफल रही। हालांकि, 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में उसका वोट शेयर कम हुआ है। भाजपा को 2019 में 19.45 प्रतिशत वोट मिले थे और राज्य की 17 लोकसभा सीटों में से चार पर जीत हासिल की थी। उसने अकेले चुनाव लड़ा था और यह दो दशकों में पार्टी द्वारा जीती गई सीटों की सबसे अधिक संख्या थी। संयुक्त आंध्र प्रदेश में भाजपा को 1998 में चार सीटें और 1999 में सात सीटें मिलीं। 2004 और 2009 में इसका प्रदर्शन शून्य रहा। 2014 में, भाजपा ने एक सीट जीती थी, जब बंडारू दत्तात्रेय ने सिकंदराबाद से विजयी रहे थे। पिछले लोकसभा चुनावों में प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ, भाजपा ने न केवल सिकंदराबाद सीट पर कब्जा बरकरार रखा, बल्कि निज़ामाबाद, करीमनगर और आदिलाबाद में भी जीत हासिल की।

जम्मू-कश्मीर में हो रहे विकास के कारण बदला है माहौलः शंकराचार्य

मथुरा (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ शनिवार को जम्मू-कश्मीर की चार दिवसीय यात्रा पूर्ण कर गोवर्धन स्थित आदि शंकराचार्य आश्रम में पहुंचे, जहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि जम्मू-कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों में वर्ष 1997 से वह लगातार भ्रमण करते रहे हैं। पिछले तीन साल में वहां भौतिक विकास के साथ-साथ संस्कृत भाषा और संस्कृति का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। शांतिपाठ और वेदमंत्रों की गूंज राज्य में सुनाई दे रही है। राष्ट्र विरोधी शक्तियों का दमन हुआ है। देश की अंतिम सीमा तक सड़कों का जाल बिछ गया है और निर्भयता तथा आपसी सदभाव का वातावरण कायम हुआ है। उन्होंने कहा कि लोगों में न केवल सुरक्षा की भावना बढ़ी है बल्कि वहां का प्रेम और सदभाव लौट रहा है। उन्होंने इसका श्रेय वहां के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को दिया जिन्होंने नये कश्मीर की कल्पना को साकार करने के लिए न केवल विभिन्न प्रकार की योजनाएं बनवाईं बल्कि उन पर अमल होना भी सुनिश्चित किया। जगद्गुरु ने बताया कि जम्मू-कश्मीर की पावन भूमि आदि शंकराचार्य की साधनास्थली रही है। इसी भूमि में प्रत्यभिज्ञान दर्शन के संस्थापक आचार्य अभिनव गुप्त, महाकबि कल्हण, महाकवि बिल्हड, सहित अनेक प्राचीन संस्कृत मनीषियों का उद्भव हुआ है। उपराज्यपाल के अथक प्रयास के बाद राज्य के विश्वविद्यालयों में अब संस्कृत और भारतीय दर्शन पढ़ाया जा रहा है। वहां चूड़ामणि संस्कृत संस्थान बसोहली, और श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट जैसे संस्थान संस्कृत भाषा और वैदिक साहित्य के विस्तार के लिए अच्छा प्रयास कर रहे हैं। पत्रकार वार्ता में मौजूद आदि शंकराचार्य आश्रम प्रभारी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट जम्मू ने हाल ही में अपना 11वां स्थापना दिवस मनाया है। इस समारोह की अध्यक्षता शंकराचार्य अधोक्षजानंद देवतीर्थ ने की है और राज्य के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि जम्मू कश्मीर के बारे में उक्त निष्कर्ष पर पहुंचने के पहले जगद्गुरू न केवल वहां के तमाम संगठनों के प्रतिनिधियों से मिले बल्कि कुछ स्थानो पर जाकर वहां के हालात के बारे में जानकारी भी ली।

हाड़ कंपा देने वाली ठंड का कहर जारी

- चक्रवाती परिसंचरण से शीतलहर और बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मैदानी इलाकों में शीतलहर की दस्तक से तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 5-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा जिसके और नीचे गिरने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर में हाड़ कंपा देने वाली ठंड जारी है, लेकिन शुक्रवार को शीत लहर की स्थिति में मामूली सुधार के बाद न्यूनतम तापमान में हल्की वृद्धि दर्ज की गई। घाटी में बीती रात पारा जमाव बिंदु से कई डिग्री नीचे रहा, लेकिन पिछली रात की तुलना में न्यूनतम तापमान में मामूली सुधार हुआ, जिससे लोगों को कुछ राहत मिली। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में गुरुवार की रात न्यूनतम तापमान शून्य से 3.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। बुधवार को यहां का तापमान 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो इस मौसम की सबसे ठंडी रात थी।

आईएमडी के अनुसार बंगाल की दक्षिण-पश्चिमी खाड़ी और निचले क्षोभमंडल स्तर पर निकटवर्ती भूमध्यरेखीय हिंद महासागर पर स्थित चक्रवाती परिसंचरण से तमिलनाडु, केरल लक्षद्वीप में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा और दक्षिण के तमिलनाडु केरल के अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके अलावा अगले 5 दिनों में सुबह के दौरान पंजाब और हरियाणा के अलग-अलग हिस्सों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। हिमाचल के ऊना सहित कई जिलों के लिए पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ती ठंड के मद्देनजर जिला प्रशासन ने परामर्श जारी किया है। ऊना उपायुक्त राघव शर्मा ने कहा कि घटते तापमान को देखते हुए आगामी दिनों में और ठंडी हवाएं, शीतलहर एवं घना कोहरा, धुंध पड़ने के आसार देखे जा सकते हैं।

आज से दो दिवसीय दौरे पर काशी आ रहे पीएम मोदी, 19 हजार करोड़ की सौगातें देंगे

-काशी तमिल संगमम के दूसरे संस्करण का शुभारंभ

वाराणसी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी आ रहे हैं। यात्रा के दौरान पीएम मोदी काशी और पूर्वांचल के लिए 19 हजार करोड़ से अधिक की 37 परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी करने वाले हैं। प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी दौरे के पहले दिन शाम को नमोघाट से काशी तमिल संगमम के दूसरे संस्करण का शुभारंभ करने वाले हैं। पीएम मोदी यहीं से कन्याकुमारी से बनारस के लिए काशी तमिल संगमम एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने वाले है।

17 से 31 दिसंबर तक आयोजित होने वाले काशी तमिल संगमम के दूसरे संस्करण के दौरान तमिलनाडु एवं पुडुचेरी के 1,400 गणमान्य वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या की यात्रा करने वाले हैं। साथ ही तमिलनाडु और काशी की कला, संगीत, हथकरघा, हस्तशिल्प, व्यंजन एवं अन्य विशेष उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। साथ ही

काशी और तमिलनाडु की संस्कृतियों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा।

काशी तमिल संगमम के दूसरे संस्करण में साहित्य, प्राचीन ग्रंथ, दर्शन, अध्यात्म, संगीत, नृत्य, नाटक, योग और आयुर्वेद पर व्याख्यान भी होगा। इसके अलावा इनोवेशन, ट्रेड, नॉलेज एक्सचेंज, एडुटेक एवं नेक्स्ट जेन टेक्नोलॉजी पर सेमिनार भी आयोजित किये जाएंगे। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. एल मुरुगन भी मौजूद रहने वाले हैं।

प्रधानमंत्री मोदी अपने दौरे के दूसरे दिन सोमवार को सेवापुरी विकासखंड के बरकी ग्राम सभा में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में शामिल होने वाले हैं। पीएम मोदी यहीं से काशी और पूर्वांचल को 19,155 करोड़ की 37 परियोजनाओं की सौगात देने वाले हैं। इसमें सड़क एवं सेतु, स्वास्थ्य एवं शिक्षा, पुलिस कल्याण, स्मार्ट सिटी एवं नगर विकास परियोजनाएं, रेलवे, एयरपोर्ट सहित विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास शामिल हैं। इसमें 10 हजार करोड़ से अधिक की न्यू पंडित दीनदयाल उपाध्याय से न्यू भाऊपुर तक डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना भी शामिल है।

इसके अलावा 166 करोड़ की लागत से बनकर तैयार लहरतारा-फुलवरिया-शिवपुर फोर लेन सड़क का भी लोकार्पण होना है। सोमवार को ही प्रधानमंत्री वाराणसी के चौबेपुर उमरहा स्थित स्वर्वेद महामंदिर धाम का भी लोकार्पण करने वाले हैं। इस दौरान पीएम मोदी आयोजित 25,000 कुंडी स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ के आयोजन में भी शामिल होने वाले हैं। इस कार्यक्रम में देश-विदेश से तीन लाख लोगों के जुटने की संभावना है। पीएम मोदी श्रीकाशी विश्वनाथ धाम और काल भैरव मंदिर में दर्शन पूजन भी कर सकते हैं।

चार साल बाद भी मुस्लिम बहुल घाटी में नहीं चल पा रहा पीएम मोदी का मैजिक

- जम्मू संभाग में भाजपा को बढ़त की उम्मीद

श्रीनगर (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2014 के चुनावों के बाद पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के साथ गठबंधन में जम्मू-कश्मीर पर शासन किया, जब तक कि वह 2018 में गठबंधन से बाहर नहीं हो गई। 2014 के विधानसभा चुनावों में, जिसने खंडित जनादेश दिया, 87 विधायकों की तत्कालीन विधानसभा में भाजपा के पास 25 सीटें और पीडीपी के पास 28 सीटें थीं। पिछली जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भाजपा की सभी सीटें जम्मू संभाग से आई थीं, वहीं पीडीपी की अधिकांश सीटें घाटी से आई थीं।

केंद्र में सत्ता में होने के बावजूद, भाजपा ने मुस्लिम बहुल घाटी में ज्यादा बढ़त नहीं बनाई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीडीपी को घाटी में भारी जन समर्थन जारी है, हालांकि इसका परीक्षण केवल चुनावों में ही किया जा सकता है, जब यहां विधानसभा चुनाव होते हैं।

पूर्व मंत्री अल्ताफ बुखारी की अध्यक्षता वाली अपनी पार्टी और एक अन्य पूर्व मंत्री सज्जाद गनी लोन की अध्यक्षता वाली पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (पीसी) के रूप में नई राजनीतिक ताकतें एनसी और पीडीपी के लिए चुनौतियों के रूप में सामने आई हैं। भाजपा, सब कुछ कहने और करने के बावजूद, घाटी में एक सीमांत राजनीतिक ताकत बनी हुई है। जम्मू क्षेत्र में भी स्थानीय बीजेपी नेतृत्व के खिलाफ नाराजगी है। जम्मू के लोगों का मानना है कि विकास निधि और सरकारी नौकरियों का बड़ा हिस्सा अभी भी मुस्लिम बहुल घाटी को गया है। जम्मू संभाग में मतदाता खुलकर भाजपा के खिलाफ बोलता है। लेकिन पार्टी के लिए उम्मीद की किरण यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जम्मू के मतदाताओं के बीच सबसे लोकप्रिय नेता बने हुए हैं।

आम तौर पर यह माना जाता है, और यह उचित भी है, कि एक बार चुनाव होने के बाद, मोदी की लोकप्रियता आम मतदाता की स्थानीय भाजपा नेतृत्व के बारे में आशंकाओं को दूर कर देगी। इस प्रकार, यह मानना तर्कसंगत है कि भाजपा अगले विधानसभा चुनावों के दौरान जम्मू संभाग के हिंदू बहुल इलाकों में अच्छा प्रदर्शन करेगी। जहां तक लोकसभा चुनाव के लिए मतदाताओं की पसंद का सवाल है, मोदी का नाम और प्रसिद्धि पार्टी को जम्मू संभाग की दो लोकसभा सीटें जिता सकती है। अनुसूचित जाति, जनजाति, पहाड़ी और वाल्मिकी समुदाय के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने के बाद, भाजपा को इन समुदायों के प्रभुत्व वाले विधानसभा क्षेत्रों में फायदा होगा। भाजपा को उम्मीद है कि घाटी की 46 विधानसभा सीटों में से भी पार्टी को कुछ फायदा होगा, लेकिन इस केवल एक बोनस के रूप में माना जाना चाहिए, न कि ऐसा कुछ जो पार्टी कर सकती है, क्योंकि उसने घाटी में पैठ बना ली है।

संक्षेप में, भाजपा को अपने स्थानीय नेतृत्व के खिलाफ सार्वजनिक आपत्तियों के बावजूद, जम्मू संभाग की 44 सीटों में से बहुमत मिलने की संभावना है। जम्मू संभाग में भाजपा के लिए चुनौतियां मुस्लिम बहुल पुंछ, राजौरी और डोडा जिलों में नेकां से मिलेगी। कांग्रेस का मानना है कि जम्मू संभाग में उसका स्कोर बेहतर होगा, लेकिन जब पीएम मोदी और अमित शाह के चुनाव अभियान की

अगुवाई की बात आती है, तब यह कोई गंभीर चुनौती नहीं बन सकता है। लब्बोलुआब यह है कि पिछले चार वर्षों से अधिक समय से राज्य की राजनीतिक सत्ता पर नियंत्रण रखने के बावजूद, भाजपा घाटी में कोई उल्लेखनीय बढ़त नहीं बना सकी है।

मंगल पर हवा-पानी का कोई निशान नहीं, हर तरफ पड़े हैं पत्थर ही पत्थर

वॉशिंगटन । वैज्ञानिक ये जानने में जुटे है कि धरती की तरह और भी किसी ग्रह पर हवा-पानी या ऐसी परिस्थितियां हैं क्या कि वहां जीवन जिया जा सके। आपने पृथ्वी की ज़मीन देखी होगी, जो काफी हरी-भरी है। यहां हवा चलती रहती है और धूप भी दिखती है लेकिन आज आपको दर्शन कराएंगे मंग्रह की ज़मीन का। हम यहां बसने के ख्वाब संजो रहे हैं लेकिन इसकी धरती पर हवा-पानी का नामोनिशान नहीं है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें मंगल की सतह को 360 डिग्री व्यू में देखा जा सकता है। वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि एक रोवर मंगल ग्रह की सतह का वीडियो ले रहा है। सतह का 360 डिग्री व्यू देखने के बाद आप देखेंगे कि हर तरफ लाल रंग की मिट्टी दिख रही और बड़े-बड़े पत्थर दिख रहे हैं। यहां हवा-पानी का कोई निशान नहीं है बल्कि रोवर के व्हील का निशान भी दिख रहे हैं। ये व्यू नावकॉम ऑफ नासा प्रीजर्वरेंस रोवर ने लिया है, जो 5 अप्रैल, 2023 का है। इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स अकाउंट से शेयर किया गया है। वीडियो को 13 लाख से भी ज्यादा लोग देख चुके हैं। इस पर कमेंट करते हुए लोगों ने कहा कि ये तो मौत की घाटी जैसा है। एक यूज़र ने कहा कि ये बंजर है तो एक ने कहा कि हम यहां बस्तियां बसाने की सोच रहे हैं, वहां कुछ है भी नहीं। बता दें कि अंतरिक्ष की दुनिया रहस्यों से भरी हुई है। यहां के तमाम राज़ पर से विज्ञान पर्दा उठा ही चुका है लेकिन कुछ मिस्ट्री ऐसी हैं, जिनके बारे में वैज्ञानिक ज्यादा से ज्यादा जानने में जुटे हुए हैं। कुछ ऐसा ही रहस्य है, दूसरे ग्रहों के वातावरण का।

शिक्षिका पर गोली चलाने वाले छह वर्षीय छात्र की मॉ को 4 साल की सजा

वर्जीनिया। वर्जीनिया की सर्किट अदालत के न्यायाधीश क्रिस्टोफर पैपीले ने शुक्रवार को एक शिक्षिका को गोली मारने वाले छह वर्षीय छात्र की मां को पालन-पोषण में लापरवाही के आरोप में दो साल कारावास की सजा सुनाई है। गौरतलब है कि देजा टेलर की शॉर्ट गन से उनके पुत्र ने अपनी अध्यापिका पर गोली चला दी थी। 'सूत्रों ने बताया कि इस घटना में टेलर को दूसरी बार सजा सुनाई गई है। मामले में अभियोजकों और टेलर के वकीलों ने छह महीने की सजा की सिफारिश की थी लेकिन अदालत से इससे अधिक सजा सुनाई। टेलर को बंदूक रखते हुए भांग का उपयोग करने के लिए नवंबर में संघीय मामले में 21 महीने की सजा सुनाई गई थी। राज्य के मामले और संघीय मामले में टेलर को कुल चार साल की सजा सुनाई गई है। टेलर के बेटे ने प्राधिकारियों को बताया था कि वह अपनी मां के पर्स में रखी 9एमएम की बंदूक को अपने बस्ते में छिपाकर स्कूल ले गया था और उसने पहली कक्षा की अध्यापिका एबी ज्वेनर को गोली मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थीं।

कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच मंत्रालय ने की मास्क लगाने की अपील

सिंगापुर सिटी । देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने लगातार बढ़ रहे कोविड-19 मामले के मद्देनजर लोगों से भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर मास्क लगाने सहित सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की है। मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि तीन से नौ दिसंबर तक कोविड-19 के मामले बढ़कर 56,043 हो गए, जो पिछले सप्ताह 32,035 थे, इस प्रकार से संक्रमण के मामले 75 प्रतिशत बढ़े हैं। सूत्रों के अनुसार संक्रमण से अस्पताल में भर्ती होने वालों की औसत दैनिक संख्या 225 से बढ़कर 350 हो गई। गहन देखभाल इकाई में औसत दैनिक मामले चार से बढ़कर नौ हो गए हैं। संक्रमण के इन मामलों में अधिकतर मामले जेएन.1 वैरिएंट के हैं जो बीए.2.86 का सबलीनिएज (उपवंश) है। मंत्रालय ने लोगों से व्यक्तिगत तथा सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की अपील की और कहा कि जिन लोगों में श्वसन से जुड़े संक्रमण के लक्षण हैं वे घरों से बाहर नहीं निकलें और लोगों के संपर्क में नहीं आएं। मंत्रालय ने साथ ही कहा कि यात्रा कर रहे लोगों को हवाई अड्डों पर मास्क लगाना चाहिए, यात्रा बीमा कराना चाहिए और उन स्थानों पर आने जाने से बचना चाहिए जहां हवा आने-जाने की उचित व्यवस्था नहीं हो।

हिमपात में ट्रेन भिड़ीं, 102 यात्रियों की हड्डियां टूटीं, सबवे ट्रेन की भिड़ंत में घायल 515 लोगों में से 102 की टूटी हड्डियां

बीजिंग । चीन की राजधानी बीजिंग के पश्चिमी पर्वतीय क्षेत्र में बृहस्पतिवार शाम को चांगपिंग लाइन पर भारी हिमपात के बीच दो सबवे ट्रेन की भिड़ंत में 515 लोग घायल हो गए। जबकि घायलों में 102 लोगों की हड्डियां टूट गई । शहर के परिवहन प्राधिकरण ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जारी एक बयान में कहा कि पटरियों पर फिसलन के कारण आगे चल रही ट्रेन के रुक जाने से पीछे से आ रही ट्रेन ने अपना नियंत्रण खो दिया। चांगपिंग लाइन की मरम्मत कराई जा रही है। यात्रियों ने बताया कि दुर्घटना के दौरान अचानक झटका लगा और ट्रेन के अंदर अंधेरा छा गया। इस बीच घोषणा हुई कि ट्रेन खराब हो गई है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे ट्रेन छोड़ दें। वहीं हादसे की खबर मिलते ही स्टेशन पर एंबुलेंस और शटर बसें पहुंची। घायल यात्रियों को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और जांच की। सूत्रों के अनुसार, आपात चिकित्सा कर्मी, पुलिस और परिवहन प्राधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और रात करीब 11 बजे तक सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया। 25 यात्री निगरानी में हैं और 67 यात्री शुक्रवार को सुबह तक अस्पताल में भर्ती थे। बीजिंग में बुधवार को असामान्य रूप से भारी बर्फबारी शुरू हो गई जिससे कुछ ट्रेनों का संचालन रोकना पड़ा और स्कूल बंद करने पड़े। शहर में और हिमपात की चेतावनी दी गई है। रात भर पारा शून्य से 11 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। उत्तरी चीन में आए बर्फीले तूफान से अभी किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

ईरान ने मोसाद के जासूस को दी फांसी!

तेलअवीव । ईरानी सरकार ने शनिवार को घोषणा की कि उसने सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए जासूसी करने वाले एक व्यक्ति को फांसी दे दी है। व्यक्ति वर्गीकृत क्लासिफाइड जानकारी एकत्र कर रहा था और व्यवस्था को बाधित करने के उद्देश्य से मोसाद को जानकारी प्रदान कर रहा था। शख्स को शनिवार सुबह जाहेदान जेल में फाँसी दी गई। ईरान बार-बार शिकायत करता रहा है कि मोसाद देश में सक्रिय है। हाल ही में साक्षात्कार में मोसाद के अधिकारी मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) येर रविद ने कहा कि खुफिया सेवा ईरान के काफी अंदर तक थी।

वीडियो शेयर करना पड़ा महंगा- दो महिलाओं को 1245 करोड़ का जुर्माना देंगे ट्रंप के करीबी रुड़ी

वॉशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई तरह के आरोपों से घिर रहे हैं। उनके करीबी मित्र भी उनसे कम नहीं है। हाल ही में उनके खास मित्र रुडी गिउलिआनी एक वीडियो शेयर करने के मामले में इतने बुरे फंसे, कि उन्हे 1245 करोड़ का जुर्माना भरना पड़ेगा। गिउलिआनी को यह जुर्माना दो महिलाओं को देना होगा, जिन पर उन्होंने 2020 के चुनाव में बैलट से छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। इससे पहले, एक न्यायाधीश ने गिउलिआनी को जॉर्जिया की चुनाव कर्मचारी रूबी फ्रीमैन और उनकी बेटी वांड्रिया पर मनगढ़ंत आरोप लगाने और मानहानि का दोषी पाया था। इसके बाद रूडी गिउलिआनी पर जुर्माना तय करने के लिए चार दिनों तक सुनवाई चली और यह फैसला आया। आठ सदस्यों की जूरी ने अपना फैसला सुनाते हुए, प्रत्येक पीड़ित को 20 मिलियन डॉलर का भुगतान करने का आदेश दिया। जूरी ने पीड़ितों को मानसिक-भावनात्मक तनाव के लिए 16 मिलियन डॉलर से अधिक का भुगतान करने का आदेश भी दिया। इसके अलावा, दंडात्मक क्षति के रूप में 75 मिलियन डॉलर का एक और भुगतान करने को कहा, जो पीड़ितों के बीच बराबर बांटा जाएगा। रूडी गिउलिआनी अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेहद करीबी माने जाते हैं और लंबे वक्त तक उनके सहयोगी रहे हैं। गिउलिआनी न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर भी हैं। 2020 के चुनाव के बाद उन्होंने जॉर्जिया की चुनाव कर्मचारी रूबी फ्रीमैन और वांड्रिया मॉस का एक वीडियो साझा किया था और बैलट से छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। इसके बाद मामला कोर्ट में चला गया। शुक्रवार को जब जूरी ने गिउलिआनी पर भारी-भरकम जुर्माना लगाया तो उन्होंने कहा कि मुझे किसी बात का अफसोस नहीं है। आपको बता दें कि पीड़ितों ने अपनी मूल याचिका में रूडी गिउलिआनी से 15 मिलियन से 43 मिलियन डॉलर के बीच हर्जाने की मांग की थी। जूरी के फैसले के बाद एक याचिकाकर्ता वांड्रिया मॉस ने कहा कि इस आरोप के बाद उनकी जिंदगी में भूचाल आ गया था।

स्वीडिश जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थुनबर्ग स्टॉकहोम, स्वीडन में संसद के बाहर फ्राइडे फॉर फ्यूचर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं।

तख्तापलट के पांच महीने बाद अदालत ने दिया राष्ट्रपति बजौम की रिहाई का आदेश

-अमरीकी मानवाधिकार ने इसे लोकतंत्र और कानून के शासन में न्यायिक जीत बताया

नाइजर । पश्चिम अफ्रीका में विद्रोही सैनिकों द्वारा तख्तापलट किए जाने के लगभग पांच महीने बाद शुक्रवार को क्षेत्रीय ब्लॉक की एक अदालत ने नाइजर के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित राष्ट्रपति की रिहाई और उनके पद को बहाल करने का आदेश दिया अदालत की कानूनी टीम ने एक बयान में कहा कि 'ईसीओडब्ल्यूएएस कोर्ट ऑफ जस्टिस' ने फैसला सुनाया कि राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम और उनके परिवार को मनमाने ढंग से हिरासत में लिया गया था और उन्हें पद पर बहाल करने का निर्देश दिया जाता है। राष्ट्रपति के वकीलों ने कहा कि बजौम को उनकी पत्नी और बेटे के साथ जुलाई में तख्तापलट के बाद से घर में नजरबंद किया गया था। उन्होंने कहा कि परिवार को किसी न्यायाधीश से मिलने की अनुमति नहीं दी गई है और न ही उन्हें उनके खिलाफ कार्यवाही की जानकारी दी गई। वकीलों ने कहा कि परिवार के सदस्य दुनिया से कटे हुए अपने आवास में ही रह रहे थे और केवल एक डॉक्टर ही उनसे मिलने आया करता था। उन्होंने कहा कि शुक्रवार का फैसला नाइजर में लोकतांत्रिक शासन बहाल करने पर किसी अंतरराष्ट्रीय अदालत का पहला बाध्यकारी आदेश है। बजौम की कानूनी टीम में काम करने वाले अमेरिकी मानवाधिकार वकील रीड ब्रॉडी ने कहा, यह लोकतंत्र और कानून के शासन के लिए एक अभूतपूर्व न्यायिक जीत है। यह फैसला उनके (राष्ट्रपति) पद की पूर्ण बहाली के लिए दबाव बनाने में कानूनी तौर पर एक बड़ा हथियार साबित होगा।

हड़बड़ी में गड़बड़ी ! खतरा समझ अपने ही 3 नागरिकों को इजरायली सेना ने मारी गोली

गाजा (एजेंसी)। इजरायली सैनिकों ने एक घटना के दौरान गलती से गाजा में हमास द्वारा रखे गए तीन बंधकों को मार डाला, जिसकी समीक्षा चल रही है। सेना ने कहा कि गाजा में आतंकवादियों के साथ लड़ाई के दौरान बंधकों की मौत हो गई और उन्होंने परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और कहा कि घटना की जांच में पूर्ण पारदर्शिता होगी। सेना के एक बयान में कहा गया है कि गाजा में एक गहन लड़ाई के दौरान उसने तीन इजरायली बंधकों को खतरे के रूप में पहचाना। परिणामस्वरूप, सैनिकों ने उनकी ओर गोलीबारी की और वे मारे गए।

सेना ने मृत बंधकों का नाम योतम हैम रखा है, जिसे किबुत्ज़ कफ़र से अपहरण कर लिया गया था और समीर तलाल्का, जिसे किबुतज़ निर अम से अपहरण कर लिया गया था और एलोन शमरीज़, जिसे किबुतज़ कफ़र अज़ा से अपहरण कर लिया गया था। इसमें कहा गया है कि सभी को हमास ने 7 अक्टूबर को अपहरण कर लिया था। बंधकों और लापता व्यक्तियों के परिवार फोरम, जो बंधकों के परिवारों का प्रतिनिधित्व करता है, ने अपनी संवेदना व्यक्त की और तीन बंधकों के नामों की पुष्टि की।

इसमें कहा गया है कि योटम एक प्रतिभाशाली संगीतकार और समर्पित मेटल संगीत प्रशंसक था, जो मेगाडेथ बैंड को अपना आदर्श मानता था और समर एक शौकीन मोटरसाइकिल चालक था, जिसे ग्रामीण इलाकों में घूमना और दोस्तों के साथ समय बिताना पसंद था। फोरम ने कहा कि अलोन के परिवार और दोस्तों ने उन्हें जीवन का प्रेमी और एक समर्पित बास्केटबॉल प्रशंसक बताया।

कई आरोपो से घिरे अमेरिकी राष्ट्रपतिः बेटे हंटर के कारण बाइडन की बढ़ी मुसीबतें

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रहीं है। उन पर लग रहे तमाम तरह के आरोपों के चलते उनके खिलाफ महाभियोग भी चलेगा। ये सब किन कारणों से हो रहा है उसको लेकर भी कई तरह के पहलू सामने आ रहे है। जिसमें सबसे बड़ा कारण उनका अपना बेटा हंटर ही है। 53 साल का हंटर ड्रग्स, अय्याशी जैसे तमाम आरोपों से घिरा हुआ है।

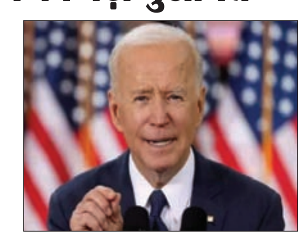

53 वर्षीय हंटर बाइडेन से कई विवाद जुड़े हैं। फिलहाल वो ड्रग लेने और टैक्स चोरी के आरोप में चर्चा में है। नशे के आदी और लग्जरी लाइफ के शौकीन हंटर ने जून में स्वीकार किया था कि उन्होंने गैर-कानूनी तरीके से हथियार रखे थे। तलाक के बाद उनकी पत्नी कैथरीन ने भी उन पर कई खुलासे किए, जिसने हालात और बिगाड़ दिए। कैथरीन आरोप लगा चुकी हैं कि हंटर ड्रग्स, शराब और स्ट्रिप क्लब में इतने पैसे उड़ाते थे कि उनके पास अपनी जरूरतों के लिए पैसे ही नहीं रह जाते थे। नशे के कारण हालत ऐसी हो गई थी कि उन्हें रिहेब्लिटेशन सेंटर भेजा गया था। अमेरिकी संसद ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के खिलाफ महाभियोग जांच के लिए मंजूरी दे दी है। इसकी वजह हैं अमेरिकी राष्ट्रपति के बेटे हंटर बाइडेन।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2015 में हंटर के बड़े भाई ब्यू बाइडेन की कैंसर से मौत हुई थी। भाई की मौत के गम में हंटर इस कदर टूटे कि दिनभर शराब के नशे में रहने लगे। वो घर से बाहर सिर्फ शराब लेने के लिए निकलते थे। हालांकि बाद में नशे की आदत से बाहर निकलने के लिए पेंटिंग्स बनाने लगे। लेकिन इसको लेकर भी विवाद शुरू हो गया। कुछ लोगों ने इनकी पेंटिंग्स को करोड़ों में खरीदा तो विपक्ष ने सवाल उठाए। अमेरिका के विलमिंगटन शहर में जन्में हंटर को यह नाम उनकी मां के सरनेम से मिला। वह दो साल के थे जब रोड एक्सीडेंट में उनकी मां और छोटी बहन नाओमी की मौत हो गई। वहीं, हंटर के सिर में चोट आई और बड़े भाई ब्यू का पैर टूट गया। दोनों भाइयों ने कई महीने अस्पताल में गुजारे। जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी से बीए और येल यूनिवर्सिटी से लॉ में डिग्री हासिल की।

गाजा में युद्धविराम प्रयासों को लेकर एर्दोगन ने की नाहयान से चर्चा

अंकारा । गाजा पट्टी में स्थायी युद्धविराम स्थापित करने को लेकर तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के नेता शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से चर्चा की है। तुर्की नेता के कार्यालय ने बताया कि शुक्रवार की फोन कॉल के दौरान दोनों पक्षों ने गाजा पर इजरायली हमलों, क्षेत्र में स्थायी युद्धविराम हासिल करने के प्रयासों, फिलिस्तीनियों को मानवीय सहायता पहुंचाने के तुर्की के प्रयासों और शांति हासिल करने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर चर्चा की। बातचीत के दौरान श्री एर्दोगन ने कहा कि इजरायल को जल्द से जल्द रोकना और स्थायी युद्धविराम सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों को दृढ़ता से जारी रखना महत्वपूर्ण है।

पन्नू हत्या की साजिश मामले में भारतीय अमरीकी सांसदों ने दी चेतावनी

- जवाबदेही निश्चित कर गल्ती न दोहराने के लिए आश्वस्त करे भारत सरकार

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी कांग्रेस के भारतीय-अमेरिकी सदस्यों ने खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नून को मारने की साजिश रचने के आरोपी एक भारतीय नागरिक के खिलाफ आरोप को चिंताजनक बताते हुए कहा कि इससे भारत में महत्वपूर्ण क्षति हो सकती है, यदि अमेरिकी संबंधों को उचित रूप से संबोधित नहीं किया गया। अमेरिकी प्रतिनिधियों ने आगे कहा, यह महत्वपूर्ण है कि भारत पूरी तरह से जांच करे, भारत सरकार के अधिकारियों सहित जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराए और आश्वासन दे कि ऐसा दोबारा नहीं होगा। उन्होंने पन्नून, जो एक अमेरिकी नागरिक है, की हत्या की असफल साजिश की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति की भारत सरकार की घोषणा का स्वागत किया। शुक्रवार को एक संयुक्त बयान में, पांच भारतीय-अमेरिकी सांसदों - अमी बेरा, प्रमिला जयपाल, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति और श्री थानेदार ने कहा, कि अभियोग में लगाए गए आरोप बेहद चिंताजनक हैं। पन्नून की कथित हत्या की साजिश में निखिल गुप्ता को दोषी ठहराए जाने पर न्याय विभाग द्वारा बिडेन प्रशासन द्वारा एक वर्गीकृत ब्रीफिंग आयोजित करने के बाद यह बयान जारी किया गया था।

सांसदों ने चेतावनी दी हमारा मानना है कि अमेरिका-भारत साझेदारी ने हमारे दोनों लोगों के जीवन पर सार्थक प्रभाव डाला है। लेकिन, हमें चिंता है कि अभियोग में उल्लिखित कार्रवाइयां, यदि उचित रूप से संबोधित नहीं की गईं, तो इस परिणामी साझेदारी को महत्वपूर्ण नुकसान पहुंचा सकती हैं। सांसदों ने बयान में कहा, कांग्रेस के सदस्यों के रूप में, हमारे घटकों की सुरक्षा और भलाई हमारी सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। 29 नवंबर को, गुप्ता पर मामले के संबंध में अमेरिका में संघीय अभियोजकों द्वारा आरोप लगाया गया था। अभियोजकों के अनुसार, वह 15,000 डॉलर के अग्रिम भुगतान के साथ, हत्या को अंजाम देने के लिए एक हत्यारे को 100,000 डॉलर देने पर सहमत हुआ था। हालाँकि, जिस व्यक्ति से उसने हिटमैन के लिए संपर्क किया था, वह अमेरिकी कानून प्रवर्तन के साथ काम करने वाला एक गोपनीय स्रोत निकला। गुप्ता को अमेरिका के अनुरोध पर 30 जून को चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था।

पाकिस्तान में खत्म हुआ इंतजार, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जारी हुआ चुनाव का कार्यक्रम

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने 8 फरवरी के चुनावों के लिए चुनाव कार्यक्रम जारी किया है। जब सुप्रीम कोर्ट ने जिला रिटर्निंग अधिकारियों, रिटर्निंग अधिकारियों और कार्यकारी से सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति पर रोक लगाने के निचली अदालत के फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें संभवतः देरी हुई होगी। लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) ने बुधवार को जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा दायर एक याचिका पर कार्रवाई करते हुए रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में नौकरशाहों की नियुक्ति को निलंबित करने का फैसला किया, जिससे पाकिस्तान के आगामी चुनावों पर अनिश्चितता पैदा हो गई। शीर्ष अदालत के आदेशों की अवहेलना में एलएचसी के आदेश ने निर्वाचन निकाय को रिटर्निंग अधिकारियों और जिला रिटर्निंग अधिकारियों के प्रशिक्षण सत्र को रोकने के लिए प्रेरित किया।

उच्च न्यायालय के आदेश ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी), पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन), और बलूचिस्तान अवामी पार्टी (बीएपी) जैसे प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच हंगामा पैदा कर दिया और ईसीपी ने एक प्रयास में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। चुनाव में संभावित देरी को रोकना। पीपीपी और पीएमएल-एन दोनों के नेताओं ने चुनाव में देरी के लिए खान और उनकी पीटीआई को दोषी ठहराया।

सुप्रीम कोर्ट ने एलएचसी के आदेश को रद्द कर दिया

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की तत्काल सुनवाई में एलएचसी के 13 दिसंबर के आदेश को निलंबित कर दिया, अफसोस जताया कि पिछला फैसला 'जल्दबाजी' में दिया गया था और पीटीआई याचिका की सच्चाई प्रकृति पर सवाल उठाया। पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा ने एक आदेश में कहा कि तदनुसार दी गई परिस्थितियों में और संवैधानिक और कानूनी शर्तों पर विचार करते हुए, एलएचसी के फैसले को निलंबित कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने पीटीआई के अतिरिक्त महासचिव उमैर नियाज़ी को भी नोटिस जारी किया, जिन्होंने एलएचसी से संपर्क किया था, उन्हें यह बताने के लिए कहा गया कि 3 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अवहेलना करने के लिए अदालत की अवमानना के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं शुरू की जानी चाहिए, जब यह निर्णय लिया गया था। कि चुनाव निर्धारित समय पर होंगे।

पहले कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़े हुए अमेरिका-इजराइल, अब एक दूसरे को दिखा रहे आंखे

तेल अवीव (एजेंसी)। हमास से निपटने के लिए अमेरिका ने इजराइल का पूरा साथ दिया। दोनों देशों ने मिलकर एक दूसरे का साथ देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अचानक ऐसा क्या हुआ कि दोनों ही देश एक दूसरे के खिलाफ हो गए।

इजराइल ने अमेरिका के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है, जिसमें यूएस ने गाजा पर हमले कम करने का सुझाव दिया था। माना जा रहा है कि इजराइल का ये कदम अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन और इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के रिश्तों के बीच हो रही दरार की शुरुआत है। गाजा में नरसंहार से परेशान अमेरिका ने इजराइल को जल्द से जल्द जंग खत्म करने का प्रस्ताव दिया था।

अमेरिकी एनएसए जेक सुलविन ने खुद नेतन्याहू से इसकी अपील की थी। सुलविन ने कहा था कि इजराइल को गाजा में रह रह लोगों की सुरक्षा का ख्याल रखना चाहिए। इसके जवाब में इजराइल ने अमेरिका को दो टूक जवाब दिया था। इजराइल ने कहा है कि हमास के सफाए तक जंग जारी रहेगी। माना जा रहा है कि इजराइल के ये फैसले के बाद अमेरिका कोई बड़ा कदम उठा सकता है। गाजा में हो रहे लगातार हमलों को लेकर बाइडेन प्रशासन ने इजराइल पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। अमेरिका ने कहा है कि इस साल के अंत तक जंग खत्म कर दी जाए। यूएस की ओर से ग्राउंड ऑपरेशन भी कम करने के लिए कहा गया है। हालांकि इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने दावा किया है कि जंग फिलहाल लंबी चलेगी। इसमें महीनों भी लग सकते हैं। योव गैलेंट ने कहा है कि इजराइली सैनिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने दी जाएगी। जब तक हमास का पूर्ण सफाया नहीं होता तब तक जंग जारी रहेगी। अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ रही दरार के बीच दक्षिणी गाजा में इजराइल और हमास के बीच भीषण जंग जारी है, हमास ने दावा किया है कि वह अब तक आईडीएफ के 72 मिलिट्री वाहन नष्ट कर चुका है, इसके अलावा हमास ने 36 इजराइली सैनिकों को भी मारे जाने का दावा किया है. इसके अलावा इजराइल के कई सैनिक घायल हैं। गाजा के राफा में इजराइल ने भी बमबारी की।

आईडीएफ ने कुवैती अस्पताल के पास भी बम बरसाए. दावा किया जा रहा है कि अस्पताल के पास रिहायशी ब्लॉक पर बमबारी की गई। इन इलाकों में हमास का ठिकाना होने की आशंका जताई जा रही थी। इसके अलावा जबालिया में नाहल ब्रिगेड ने सर्च ऑपरेशन भी चलाया। हमास नेताओं का सुराग बताने पर अब ईनाम मिलेगा। इजराइल ने इसके लिए बाकायदा पर्चे जारी किए हैं। याह्या सिनवार पर सबसे ज्यादा 4 लाख डॉलर का ईनाम घोषित किया गया है। बताया जाता है कि हमास नेता कतर से गायब हो चुके हैं। याह्या सिनवार हमास का डिप्टी चीफ है। इसके बाद उसके छोटे भाई मोहम्मद सिनवार पर 3 लाख डॉलर, राफा सलामा पर 2 लाख डॉलर और मोहम्मद दाएफ पर 1 लाख डॉलर का इनाम घोषित किया गया है। ताकि इनके सबंध में जल्दी ही जानकारी मिल सके।

2023 ने मुझे बहुत प्यार और सम्मान दिया

यंग बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना के लिए पेशेवर तौर पर यह साल शानदार रहा! प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन द्वारा फिर से दुनिया के सबसे प्रभावशाली लोगों में से एक के रूप में पहचाने जाने से लेकर, 2023 में टाइम इम्पैक्ट अवार्ड जीतने तक, ड्रीम गर्ल 2 में 100 करोड़ की बड़ी हिट देने तक, उन्हें यूनिसेफ के भारत के राष्ट्रीय राजदूत नियुक्त किया जाना शामिल है।

आयुष्मान का वर्ष कई मायनों में बड़ी सफलताओ से भरा रहा है। आयुष्मान कहते हैं, पेशेवर तौर पर, 2023 बहुत खास था और इसने मुझे बहुत प्यार और सम्मान दिया। मेरी सिनेमाई पसंद के लिए प्रतिष्ठित टाइम मैगज़ीन द्वारा फिर से सम्मानित किया जाना वास्तव में बहुत खास था। मैंने गर्व से एक ऐसे कार्यक्रम में विश्व स्तर पर भारत और भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व किया, जिसे पूरी दुनिया ने देखा। मेरे लिए, यह एक बहुत बड़ा व्यक्तिगत मील का पत्थर है। वह आगे कहते हैं, एक भारतीय होने के नाते मुझे बहुत खुशी हुई कि हमारी संस्कृति और हमारा सिनेमा जोर-शोर से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है और दुनिया के हर कोने में इसका जश्न मनाया जा रहा है। तीन साल में दो बार टाइम द्वारा पहचाना जाना मेरे लिए एक अविश्वसनीय एहसास है। यह वह चीज़ है जिससे सपने बनते हैं। मुझे खुशी है कि वे मानते हैं कि मेरा काम सामाजिक परिवर्तन, राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहा है। आयुष्मान के लिए, 2023 एकदम सही था क्योंकि उन्होंने फिर से एक थिएट्रिकल सुपरहिट, ड्रीम गर्ल 2 दी। यह उनकी पांचवीं 100 करोड़ी हिट थी! वह कहते हैं, बॉक्स ऑफिस की सफलता से ज्यादा स्वादिष्ट कुछ भी नहीं है और मुझे खुशी है कि ड्रीम गर्ल 2 ने मुझे एक थिएट्रिकल हिट दी, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा। अभिनेता के रूप में, हम हर शुक्रवार को जीते और मरते हैं और मुझे खुशी है कि मैं ड्रीम गर्ल 2 की रिलीज के शुक्रवार का जश्न मना सका। वह आगे कहते हैं, मुझे अपने उद्योग में योगदान देने में हमेशा खुशी महसूस होती है और मुझे खुशी है कि ड्रीम गर्ल 2 एक शानदार सफलता की कहानी बन गई है। मुझे अपनी निर्माता एकता कपूर, मेरे निर्देशक राज शांडिल्य को एक ऐसी फ्रेंचाइजी देने के लिए धन्यवाद देना चाहिए जिसने हम सभी को बहुत सारा प्यार दिया है। वर्षों से, आयुष्मान ने चुपचाप बच्चों और जरूरतमंदों के अधिकारों को बनाए रखने में अपना योगदान दिया है। 2023 में, यूनिसेफ ने उन्हें एक युवा आइकन के रूप में मान्यता दी जो भारत के लिए सकारात्मक बदलाव ला सकता है। वह कहते हैं, मैंने हमेशा अपना योगदान देने की कोशिश की है और विशेष रूप से बच्चों के अधिकारों का समर्थन करने के लिए अपनी आवाज का इस्तेमाल किया है। इस वर्ष यूनिसेफ के राष्ट्रीय राजदूत के रूप में नियुक्त होना और इस संगठन के भीतर आगे बढ़ना आशाजनक था जो दुनिया भर में लाखों लोगों की सहायता कर रहा है और उनके जीवन में बदलाव ला रहा है। इस साल आयुष्मान को मिली तमाम सफलताओं के बावजूद उन्हें एक बड़ी व्यक्तिगत क्षति भी हुई। उसने अपने पिता को खो दिया, एक खालीपन जिसे वह महसूस करते है कि वह कभी नहीं भर पाएंगे। वह कहते हैं, ईमानदारी से कहूं तो 2023 ने मुझे भावनाओं का एक मिश्रित थैला दिया है। व्यक्तिगत तौर पर मुझे बहुत बड़ी क्षति हुई है. मैंने अपने पिता को खो दिया, हम सभी ने मुस्कुराने की वजह खो दी। हमें उस डूबती, खाली भावना में डूबने और असहनीय दु:ख से उबरने के लिए एक-दूसरे को संभालना होगा।

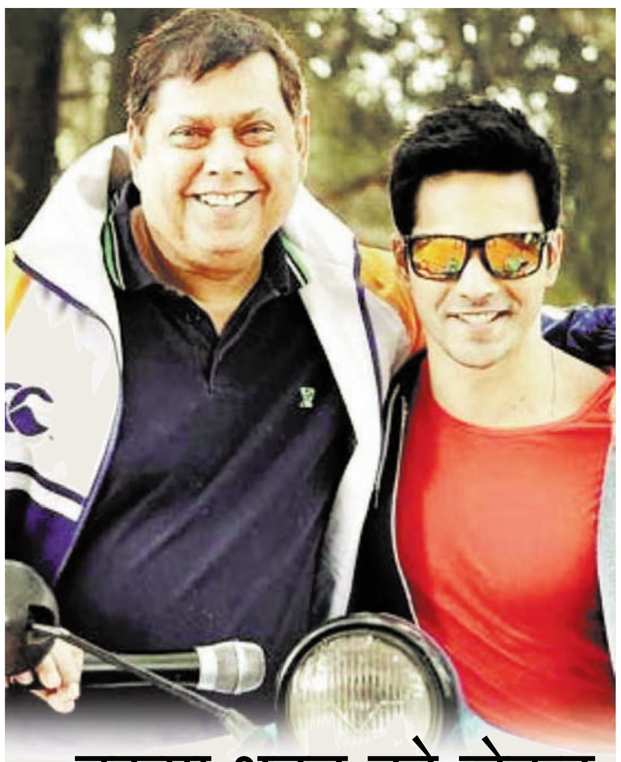

वरुण धवन को लेकर फिल्म बनाने की तैयारी में हैं डेविड धवन, 2025 में होगी प्रदर्शित

निर्देशक डेविड धवन अपनी फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते रहते हैं। मैं तेरा हीरो, जुड़वा 2 और कुली नंबर 1 जैसी सुपरहिट फिल्मों से पिता-पुत्र की जोड़ी ने दर्शकों के दिलों में एक अलग जगह बनाई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक बार फिर अपनी चौथी फिल्म के साथ वरुण धवन और डेविड धवन दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। बताया जा रहा है कि ये पिता-पुत्र की जोड़ी अप्रैल 2024 से अपनी नई फिल्म शुरू करने जा रही है।

लव लाइफ पर आधारित होगी फिल्म

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डेविड अपने बेटे वरुण के साथ काम करने के लिए एक विशेष स्क्रिप्ट पर काम कर रहे थे। आखिरकार उन्हें इस तरह की स्क्रिप्ट मिल गई है, जो पारिवारिक और मनोरंजन से भरपूर है। इस फिल्म में वरुण धवन के साथ दो अभिनेत्रियां मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वरुण धवन भी इस फिल्म में अपने पिता के साथ काम करने के लिए बहुत उत्साहित हैं। डेविड की यह फिल्म कॉमेडी फिल्म होगी। यह फिल्म वरुण के किरदार के लव लाइफ पर आधारित होगी।

भारत ही नहीं विदेश में होगी शूटिंग

इस फिल्म के लिए दो मुख्य अभिनेत्रियों के लिए कास्टिंग चल रही है। निर्माता इस फिल्म के लिए दो ए-लिस्टर्स को साइन करना चाह रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर कई अनुभवी कॉमेडी कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा होंगे। बताया जा रहा है कि डेविड की इस फिल्म की शूटिंग भारत में ही नहीं विदेश की जाएगी। 2025 में होगी रिलीज इस फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी द्वारा बैनर टिप्स एंटरटेनमेंट के तहत किया जाएगा। डेविड और वरुण धवन की इस फिल्म की शूटिंग साल 2024 में शुरू होगी। वहीं, इस फिल्म को साल 2025 की शुरुआत में बड़े पर्दे पर रिलीज किया जाएगा। हालांकि, इस फिल्म को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

श्रिया पिलगांवकर आगामी फिल्म ड्राई डे रिलीज के लिए तैयार

अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर आगामी फिल्म ड्राई डे की रिलीज के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि वह फिल्म में एक छोटे शहर की लड़की की भूमिका निभा रही हैं, जो शराब के आदी एक लड़के के साथ रिश्ते में फंस गई है। फिल्म में जितेंद्र कुमार भी हैं। अभिनेत्री ने यह भी साझा किया कि फिल्म प्यार की शक्ति का पता लगाती है। अभिनेत्री ने कहा, हमारी फिल्म ड्राई डे की कहानी मनोरंजक है। यह निश्चित रूप से दर्शकों के साथ भावनात्मक जुड़ाव पैदा करेगी। हमारे पास एक सुंदर कलाकार और टीम है। मैं छोटे शहर की एक साहसी, आकर्षक लड़की निर्मला का किरदार निभा रही हूं, जो एक शिक्षित परिवार से आती है, लेकिन गन्नू के साथ रिश्ते में फंस जाती है, जिसे शराब की लत है। उन्होंने आगे बताया, वह भविष्य के लिए गन्नू को सुधारने की पूरी कोशिश करती है। फिल्म कुछ सामाजिक विषयों की पड़ताल करती है और प्रेम की शक्ति पर भी प्रकाश डालती है। मैं एक शैली के रूप में कॉमेडी और सामाजिक व्यंग्य का आनंद लेती हूं और निर्मला और गन्नू के मधुर संबंधों को विकसित करने में मुझे बहुत समय लगा। एम्मे एंटरटेनमेंट ने हाल के दिनों की कुछ बेहतरीन सामग्री का निर्माण किया है और इस फिल्म में उनके साथ सहयोग करना और सौरभ सर के साथ काम करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद था। सौरभ शुक्ला द्वारा निर्देशित और एम्मे एंटरटेनमेंट के मोनिशा आडवाणी, मधु भोजवानी और निखिल आडवाणी द्वारा निर्मित, फिल्म का प्रीमियर 22 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर हिंदी के साथ-साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में भी आएगा।

अमिताभ बच्चन संग नजर आएंगे रजनीकांत

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत सालों बाद एक साथ पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। बीते दिनों रजनीकांत की 170वीं फिल्म में अमिताभ बच्चन की एंट्री की घोषणा की गई थी। यह जोड़ी करीब 32 साल बाद किसी फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। अब रजनीकांत और अमिताभ बच्चन की इस फिल्म का टाइटल भी सामने आ गया है। टीजे ग्नानवेल द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म का नाम वेट्टैयन रखा गया है। प्रोडक्शन बैनर लाइका प्रोडक्शंस ने टाइटल टीजर वीडियो में फिल्म के नाम का खुलासा किया है। फिल्म के टाइटल टीजर क्लिप में रजनीकांत स्टाइलिश रूप से काले धूप के चश्मे लगाए हुए दिखाई दे रहे हैं और कह रहे हैं, जब शिकार जारी है, तो शिकार को गिरना ही चाहिए। इसके बाद शुबा द्वारा लिखित और गाया गया एक छोटा रैप है, जिसे अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा संगीतबद्ध किया गया है। बता दें कि अमिताभ बच्चन और रजनीकांत ने अंतिम बार साल 1991 में रिलीज फिल्म हम में काम किया था।

पुनीत सुपरस्टार ने किया उर्फी जावेद को शादी के लिए प्रपोज

बिग बॉस में पुनीत सुपरस्टार ने आखिरकार अपनी प्यार का इजहार कर दिया है। वो भी उर्फी जावेद से। जी हां, पुनीत ने उर्फी जावेद को प्रपोज किया है, साथ ही शादी के लिए हाथ जोड़कर मिन्नतें भी की है। बिग बॉस में पुनीत सुपरस्टार ने खूब रायता फैलाया था और इसी वजह से वह शो से बेघर भी हो गए थे। अब एक बार फिर पुनीत का ऐसा वीडियो सामने आया है जिसने खूब सुर्खियां बटोरी हैं। दरअसल उन्होंने उर्फी जावेद को शादी के लिए प्रपोज कर दिया है। जहां वह हाथ जोड़कर उर्फी से शादी की मिन्नतें कर रहे हैं। मजेदार बात ये है कि उर्फी जावेद का रिएक्शन भी सामने आया है। पुनीत सुपरस्टार ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह उर्फी जावेद से कहते हैं, उर्फी जावेद यार, मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं। मैं बहुत दिनों से एक बात कहना चाहता था लेकिन कह नहीं पा रहा था। उर्फी मुझे आप जैसी लड़की की तलाश थी। मैं आपसे हाथ जोड़कर रिक्वेस्ट करता हूं कि आप मुझसे शादी कर लो।

उर्फी जावेद का आया रिएक्शन

इस वीडियो के वायरल होने के बाद उर्फी जावेद का रिएक्शन भी सामने आया। उन्होंने पपाराजी से बातचीत में कहा कि शादी तो नहीं लेकिन वह उन्हें आई लव यू टू कहती हैं। अब फैंस भी दोनों की इस बातचीत पर खूब ठहाके लगा कर हंस रहे हैं। हालांकि ये सब वीडियो के लिए किया गया एक स्टंट लग रहा है।

मैं बॉक्स ऑफिस को कंट्रोल नहीं कर सकता

अभिनेता अर्जुन कपूर ने बॉक्स-ऑफिस की असफलताओं पर खुल कर बात की। उन्होंने बताया कि बॉक्स ऑफिस को नियंत्रित नहीं किया जा सकता लेकिन वह अपने प्रयास और ईमानदारी को नियंत्रित कर सकते हैं। इशकजादे से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाले अर्जुन ने 2 स्टेट्स, गुंडे, की एंड का जैसी हिट फिल्में दी हैं। हालांकि, भूमि पेडनेकर अभिनीत उनकी हालिया फिल्म द लेडी किलर कथित तौर पर 45 करोड़ रुपये के भारी बजट पर बनाई गई थी, लेकिन बॉक्स-ऑफिस पर कुछ कमाई नहीं कर पाई। चैट शो कॉफी विद करण में अर्जुन और होस्ट करण जौहर ने बॉक्स ऑफिस की विफलताओं को कैसे पार किया, इस पर चर्चा की। उसी के बारे में बात करते हुए करण जौहर ने कहा, हम सभी के पास पब्लिक परसेप्शन हैं, हम सभी के पास इंस्टाग्राम है जो हमारे व्यक्तित्व का एक हिस्सा दिखाता है जो कभी-कभी सटीक हो भी सकता है और नहीं भी, लेकिन हम बॉक्स ऑफिस के दबाव, उद्योग की गतिशीलता का भी मुकाबला कर रहे हैं। फिल्म निर्माता ने पूछा, फूबू, मैं कभी-कभी आपसे पूछता हूं जब बॉक्स ऑफिस आपसे दूर हो जाता है। रास्ता क्या है और मैं हमेशा से जानता हूं कि आप उत्साहित रहे हैं और आपके अंदर हास्य की भावना है, जो मुझे लगता है कि असफलता की स्थिति में भी आप खुद पर हंस सकते हैं। आप इससे कैसे निपटते हैं। अर्जुन ने कहा, मैं अपनी पीढ़ी में धर्मा और साजिद नाडियाडवाला के साथ 100 करोड़ी फिल्म देने वाला पहला अभिनेता हूं, जो कि 2 स्टेट्स थी। मैंने ऊंचाई देखी है, मैंने की एंड का जैसी फिल्म की है जिसने अच्छा प्रदर्शन किया, जहां मैं एक हाउस हसबैंड था, मैंने हर तरह का काम किया है, मैंने कई लोगों के साथ काम किया है। मेरा मतलब है कि अक्षय कुमार ने इस तथ्य के बारे में इतनी खुलकर बात की है कि उन्होंने एक समय इस पेशे को छोड़ने के बारे में लगभग सोच लिया था, मुझे लगता है कि उन्होंने 11-12 फ्लॉप फिल्में देखी हैं। अगर मेरे दर्शकों ने मुझे प्यार किया है और मेरे काम की वजह से मुझसे जुड़े हैं, तो अगर मैं उन्हें एक अच्छी फिल्म दूंगा तो वे अलग नहीं होंगे। अभिनेता ने कहा, दुर्भाग्य से आप बॉक्स ऑफिस को नियंत्रित नहीं कर सकते, मैं अपने प्रयास और ईमानदारी को नियंत्रित कर सकता हूं।